Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

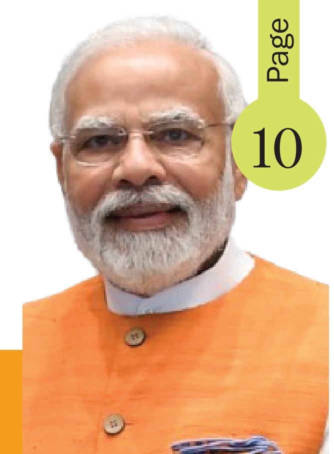

कोहली ने पोस्ट लाइक किया जो चर्चा में आई जर्मन मॉडल — खेल

योगी कैबिनेट विस्तार को हरी झंडी जल्द, प्रधानमंत्री मोदी और नितिन नवीन... — देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • रविवार • 19 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 58 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

टेंडर कमीशन घोटालाः दो सेवानिवृत्त अभियंताओं ने किया आत्मसमर्पण, पीएमएलए अदालत ने दी सशर्त ज़मानत

एजेंसी, रांची । रांची के चर्चित टेंडर कमीशन घोटाला मामले में दो आरोपित अधिकारियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। सेवा निवृत्त अधीक्षण अभियंता उमेश कुमार और तत्कालीन अधिशाषी अभियंता (अब रिटायर्ड) अजय तिर्की ने पीएमएलए अदालत में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि दोनों आरोपितों को हर सुनवाई की तारीख पर अदालत में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। जमानत पर सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका ने पक्ष रखा। इस मामले में ईडी ने 14 आरोपितों के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत (प्रॉसीक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की थी। अदालत ने संज्ञान लेते हुए सभी आरोपितों के खिलाफ समन जारी किया था। अब तक 8 से अधिक आरोपित अदालत में आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि टेंडर कमीशन घोटाले में ईडी ने पहली कार्रवाई वर्ष 2023 में की थी, जब कई अभियंताओं के ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। इसके बाद 6 मई 2024 को दूसरी बड़ी कार्रवाई हुई, जिसमें अभियंता, ठेकेदार और कांट्रैक्टर से जुड़े ठिकानों पर भी छापेमारी की गई थी।

महिला आरक्षण पर राजग और विपक्षी दलों ने एक दूसरे को घेरा

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां) संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो पाने के बाद शनिवार को सत्तारूढ़ राजग और विपक्ष के नेताओं ने एक दूसरे पर तीखा प्रहार किया। एक ओर जहां सरकार और उसके सहयोगियों ने इसे देश के लिए काला दिन बताया, वहीं विपक्षी दलों ने इसे संविधान की रक्षा का क्षण बताते हुए जश्न मनाया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विधेयक के पारित न होने पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इसके विरोध का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने इसे कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर ऐसा कलंक बताया जिसे कभी धोया नहीं जा सकता। रिजिजू ने कहा कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने वाला यह एक ऐतिहासिक विधेयक था, जिसे राजनीतिक कारणों से रोक दिया गया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भी इस घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि इसे 2023 एक्ट के आधार पर लागू किया गया तो जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्विन्यास का असर कई राज्यों पर पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन दक्षिण भारत के साथ अन्याय कर रहे हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण के खिलाफ रही है और नहीं चाहती कि महिलाओं को उनका अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इसके लिए राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं को न्याय दिलाने में बड़ी गलती की है। उन्होंने कहा कि परिसीमन और महिला आरक्षण को साथ लाने का उद्देश्य सीटों की संख्या बढ़ाना और महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना था। केंद्रीय मंत्री एवं लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने कहा कि यह प्रस्ताव सभी राज्यों के लिए संतुलित और न्यायसंगत था, लेकिन विपक्ष ने जानबूझकर इसमें बाधा डाली। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष नहीं चाहता कि महिलाओं को उनका हक मिले। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने इस पर निराशा जताते हुए कहा कि महिलाएं हतोत्साहित हुई हैं, लेकिन उन्हें प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा है और यह विधेयक देर-सबेर पारित होगा। वहीं भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि यह सिर्फ परिसीमन का विरोध नहीं, बल्कि 2029 में संसद में 33 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी को रोकने की कोशिश है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाह ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने के प्रयास में विपक्ष ने बाधाएं खड़ी कीं, जिससे यह विधेयक पारित नहीं हो सका। ऐसे में महिला राजग सांसदों द्वारा विरोध प्रदर्शन करना बिल्कुल ज़रूरी है, क्योंकि भारत सरकार उन्हें हिस्सा देना चाहती थी, लेकिन विपक्ष के लोगों ने इसमें रुकावटें डालीं और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू नहीं होने दिया। दूसरी ओर विपक्ष ने सरकार के आरोपों को खारिज करते हुए इसे संविधान की रक्षा बताया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है, लेकिन जिस तरीके से सरकार ने इसे परिसीमन के साथ जोड़ा, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता।

महिला आरक्षण विधेयक पारित न होना सरकार की विफलता नहीं: किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि इसे सरकार की विफलता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके असहयोग के कारण यह महत्वपूर्ण विधेयक पास नहीं हो सका। बजट सत्र के समापन के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में रिजिजू ने कहा कि यह देश की महिलाओं के साथ "बड़ा अन्याय" है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दे को विफल कर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण विधेयक पारित नहीं हो सका, जबकि सरकार इसे पास कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थी।

रिजिजू ने कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में आरक्षण देना लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक आवश्यक कदम था। इस विधेयक का विरोध करना महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और सशक्तिकरण के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की महिलाएं इस पूरे घटनाक्रम को समझ रही हैं और समय आने पर इसका जवाब देंगी। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को अपने इस रुख के कारण महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महिलाओं को अधिकार देना कैसे असंवैधानिक या अलोकतांत्रिक हो सकता है, यह समझ से परे है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे संवाद की बजाय केवल औपचारिकता निभाते हैं और महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग करने से बचते हैं।

संसद में जो हुआ वह पीड़ादायकः रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोकसभा में 131वें संविधान संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने को महिलाओं के अधिकारों के साथ सीधा अन्याय करार दिया है। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को संसद में जो हुआ, वह हर उस महिला के लिए पीड़ादायक और निराशाजनक है, जो अपने अधिकार और सम्मान की उम्मीद रखती है। मुख्यमंत्री ने आज कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित सम्मेलन में काली पट्टी बांधकर विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिला अधिकारों को लेकर नारेबाजी भी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बेटियों को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता दिलाने के लिए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' प्रस्तुत किया, जो महिलाओं को निर्णय-निर्माण की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम था लेकिन अफसोस, कुछ दलों ने इस ऐतिहासिक अवसर को भी संकीर्ण राजनीति की नजर से देखा और महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने में कोई संकोच नहीं किया।

राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों की बढ़ाई गयी सुरक्षा व्यवस्था,निशांत को मिली "जेड" श्रेणी की सुरक्षा

एजेंसी, पटना

राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश बिहार गृह विभाग (विशेष शाखा) द्वारा शनिवार को जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा की सुरक्षा घटा दी गई है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की सुरक्षा बढ़ा दी है। इसके साथ ही जदयू के विधायक और नीतीश कुमार के करीबी श्रवण कुमार को भी सुरक्षा दी गई है।

जारी आदेश के अनुसार पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की सुरक्षा श्रेणी में खास बदलाव हुआ है। उन्हें पूर्व में "Z+" श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी, जिसे अब घटाकर "Z" श्रेणी कर दिया गया है। इसके अलावा जदयू नेता निशांत कुमार को "Z" श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। आदेश में उनकी सुरक्षा व्यवस्था को औपचारिक रूप से सूचीबद्ध किया गया है, हालांकि पूर्व सुरक्षा स्थिति का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है। इसी क्रम में पूर्व मंत्री श्रवण कुमार को भी अब वाई+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। यह श्रेणी अपेक्षाकृत मध्यम स्तर की सुरक्षा व्यवस्था मानी जाती है, जिसमें सशस्त्र एस्कॉर्ट की सुविधा शामिल रहती है।

बिहार विधानसभा का विशेष सत्र 24 अप्रैल को, सम्राट चौधरी साबित करेंगे बहुमत

एजेंसी, पटना

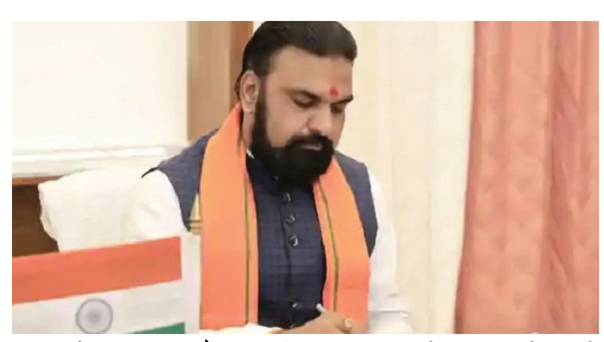

बिहार विधानसभा का दूसरा सत्र आगामी 24 अप्रैल 2026 को बुलाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह सत्र केवल एक दिन का होगा और सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित किया जाएगा। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नई सरकार को इसी दिन सदन में अपना बहुमत साबित करना होगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आह्वान-पत्र में सभी विधायकों से समय पर सदन में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। साथ ही यह स्पष्ट किया गया है कि कार्यवाही निर्धारित समय पर शुरू होगी और सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है। इस विशेष सत्र में नई सरकार के गठन से जुड़े कई अहम कार्य पूरे किए जाएंगे। इसमें विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) का चुनाव, बहुमत परीक्षण और अन्य जरूरी प्रक्रियाएं शामिल हैं। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला विधानसभा सत्र होगा, जिसमें वे सदन में मुख्यमंत्री के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और विजेंद्र यादव भी पहली बार इस भूमिका में नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, जबकि विजय चौधरी और विजेंद्र यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। संविधान और संसदीय परंपरा के अनुसार, जब भी नई सरकार बनती है या मुख्यमंत्री बदलता है, तो उसे सदन में फ्लोर टेस्ट (बहुमत परीक्षण) के जरिए यह साबित करना होता है कि उसके पास विधायकों का पर्याप्त समर्थन है।

संसद में विधेयक पर भाजपा की हार मोदी सरकार के पतन की शुरुआत : ममता बनर्जी

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया है कि डिलिमिटेशन (परिसीमन) विधेयक को लेकर संसद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के पतन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के राज्यों के साथ राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण की साजिश कर रही थी, जिसे विपक्ष ने मिलकर विफल कर दिया। हावड़ा जिले के पांचला क्षेत्र में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस के सांसद संसद पहुंचे और विधेयक का विरोध करते हुए मतदान किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकजुटता में उनकी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बजट सत्र समाप्त : संसद के दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली

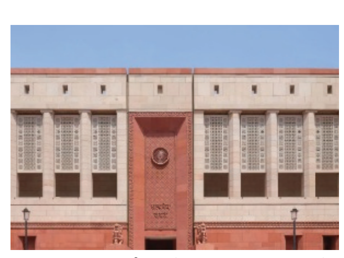

संसद का बजट सत्र शनिवार को दोनों सदनों के अनिश्चितकाल के लिए स्थगन के साथ समाप्त हो गया। यह सत्र राजनीतिक रूप से काफी उथल-पुथल भरा रहा और इसे विशेष बैठकों के लिए निर्धारित समय से आगे बढ़ाया गया था, जिसमें चुनावी सुधारों पर चर्चा की गई। सत्र के दौरान सरकार द्वारा प्रस्तुत संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, जो महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने और परिसीमन प्रक्रिया लागू करने से संबंधित था, लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े, जबकि पारित होने के लिए 352 मतों की आवश्यकता थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने समापन संबोधन में बताया कि सदन की कार्य-उत्पादकता लगभग 93 प्रतिशत रही। उन्होंने जानकारी दी कि 28 जनवरी से शुरू हुए इस सत्र में कुल 31 बैठकें हुईं, जो 151 घंटे 42 मिनट तक चलीं। सत्र के दौरान केंद्रीय बजट 2026-27 पर करीब 13 घंटे चर्चा हुई, जिसमें 63 सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष ने बताया कि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक और परिसीमन विधेयक, 2026 पर 21 घंटे 27 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 131 सदस्यों ने हिस्सा लिया, हालांकि संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। सत्र के दौरान 12 सरकारी विधेयक पेश किए गए, जिनमें से 9 विधेयक पारित हुए। इसके अलावा सदन में लोक महत्व के 326 मुद्दे उठाए गए और नियम 377 के तहत 650 मामले प्रस्तुत किए गए। ओम बिरला ने बताया कि सत्र में 126 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। साथ ही, संसदीय समितियों द्वारा 73 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए गए और कुल 2089 दस्तावेज सदन पटल पर रखे गए।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान ने अमेरिका को फिर धमकाया, नौसैनिक नाकेबंदी तुरंत हटाए

एजेंसी, तेहरान

अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को ईरान युद्धविराम का उल्लंघन मानता है और अगर यह नाकाबंदी नहीं हटाई गई तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा बंद कर देगा। कुछ घंटे पहले शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री ने लेबनान युद्धविराम की अवधि के दौरान वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन खोलने की घोषणा की थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरघची ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा कि लेबनान से संबंधित युद्धविराम की अवधि के दौरान वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन पूरी तरह से खुला है। अरघची ने कहा कि जहाज ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन द्वारा समन्वित मार्गों का अनुसरण करेंगे। उन्होंने एक्स संदेश में लिखा- लेबनान में युद्धविराम के मद्देनजर ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन द्वारा पहले से घोषित समन्वित मार्ग पर, युद्धविराम की शेष अवधि के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए आवागमन पूरी तरह से खुला घोषित किया गया है। लेबनान में युद्धविराम के बाद ईरान ने तीन शर्तों के साथ जलडमरूमध्य को फिर से खोल दिया, जिसमें पहली शर्त है कि जहाज वाणिज्यिक होने चाहिए। सैन्य जहाजों का आवागमन प्रतिबंधित है और न तो जहाजों और न ही उनके माल का किसी शत्रु देश से कोई संबंध होना चाहिए। जहाजों को ईरान द्वारा निर्धारित मार्गों से गुजरना होगा और आवागमन का समन्वय मार्ग प्रबंधन के लिए जिम्मेदार ईरानी बलों के साथ किया जाना चाहिए।

ईरान की इस घोषणा के बाद ईरान इंटरनेशनल ने आईआरजीसी से संबद्ध फार्स न्यूज के हवाले से बताया गया है कि ईरान अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को युद्धविराम का उल्लंघन मानता है और अगर नाकाबंदी नहीं हटाई गई तो होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया जाएगा।

मुखवा से रवाना हुई गंगोत्री की डोली, आज भैरव घाटी में होगा यात्री विश्राम

एजेंसी, मुखवा । गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास मुखवा गांव से मां गंगा की डोली शनिवार को गंगोत्री की ओर गंगा मैय्या के जयकारे के साथ रवाना हुई। आज गंगा मैया का रात्रि प्रवास भैरव घाटी में स्थित भैरव मंदिर में होगा। पूरी रात जागरण के बाद रविवार सुबह मां गंगा की डोली गंगोत्री धाम पहुंचेगी और 12 बजकर 15 मिनट पर कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। यमुनोत्री की डोली भी रविवार की सुबह यमुनोत्री के शीतकालीन वास खरसाली गांव से धाम की ओर रवाना होगी और 12 बजकर 35 मिनट पर कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। मुखवा गांव से गंगोत्री की चल उत्सव डोली के रवाना होने से पहले विशेष पूजा अर्चना की गई। गांव की महिलाओं ने विशेष भेंट गंगा मैया को अर्पित की। विदाई पर महिलाओं ने मंगल गीत गाए। भावुक मन से डोली को बेटी की तरह विदा किया गया। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने बताया कि गंगोत्री में यात्रियों के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संघ-भाजपा संतुलन से साधा सियासी भविष्य, सधे कदम से मजबूत की पकड़

एजेंसी, पटना

सियासत में कभी-कभी एक छोटा-सा दृश्य बड़ा राजनीतिक संदेश बन जाता है और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यही कर दिखाया। 'कार्यकर्ता सम्मान जनता दरबार' के दौरान एक मुस्लिम कार्यकर्ता द्वारा दिए गए अंगवस्त्र को उन्होंने सम्मान के साथ गले में डाला, लेकिन टोपी पहनने से इनकार कर दिया। यही एक क्षण अब पूरे राजनीतिक विमर्श के केंद्र में है। यह महज शिष्टाचार या व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक सधे हुए 'संकट प्रबंधन' और गहरे राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा के भीतर लंबे समय से जिस 'संघी चेहरे' की कमी को लेकर हल्की असहजता थी, सम्राट चौधरी के इस कदम ने उस खालीपन को काफी हद तक भरने का काम किया है। दरअसल, सम्राट चौधरी सीधे तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि से नहीं आते, लेकिन बीते कुछ समय में उनके फैसलों, भाषा और सार्वजनिक आचरण में एक स्पष्ट वैचारिक झुकाव दिखाई देने लगा है। राजनीतिक जानकार लव कुमार मिश्र इसे 'दोहरी संदेश रणनीति' बता रहे हैं। उनका मानना है कि यह सामाजिक समावेश का संदेश है, जहां उन्होंने मुस्लिम कार्यकर्ता के सम्मान को स्वीकार किया। वहीं अपने कोर समर्थक वर्ग और संघ के वैचारिक ढांचे को यह भरोसा दिलाया कि मूल लाइन से कोई विचलन नहीं होगा। भाजपा-संघ के रिश्तों के लिहाज से यह क्षण इसलिए भी अहम है, क्योंकि बिहार में संगठन और विचारधारा के बीच संतुलन हमेशा एक चुनौती रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी का यह कदम न केवल अंदरूनी असंतोष को शांत करने वाला माना जा रहा है, बल्कि उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित करता है, जो संकेतों की राजनीति को बखूबी समझता है।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा अडानी पावर प्रोजेक्ट विवाद: 16 गांवों के किसानों ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट की एकल पीठ ने अडानी पावर लिमिटेड के गोड्डा स्थित थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए 1363 एकड़ कृषि भूमि अधिग्रहण को चुनौती देने वाली याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली है। याचिका गोड्डा जिले के करीब 16 गांवों के स्थानीय किसानों और आदिवासी समुदाय के सदस्यों की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पर कई गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई हैं। याचिका में कहा गया है कि परियोजना में उत्पादित पूरी बिजली बांग्लादेश को निर्यात की जानी है। ऐसे में अधिग्रहण को सार्वजनिक उद्देश्य की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। प्रार्थियों का तर्क है कि जब परियोजना का लाभ देश के आम नागरिकों को नहीं मिलना है तो कृषि भूमि का अधिग्रहण उचित नहीं माना जा सकता। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भूमि अधिग्रहण के लिए आवश्यक 80 प्रतिशत भूमि मालिकों की सहमति प्राप्त नहीं की गई। सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट (एसआईए) प्रक्रिया में भी लगभग 4,000 प्रभावित लोगों जिनमें किरायेदार, खेतिहर मजदूर और अन्य आश्रित शामिल हैं को शामिल नहीं किया गया। प्रार्थियों का कहना है कि अधिग्रहण प्रक्रिया में संताल परगना टेनेंसी एक्ट का उल्लंघन हुआ है। साथ ही सिंचित बहु-फसली भूमि का अधिग्रहण बिना इसे अंतिम विकल्प सिद्ध किए किया गया।

रिम्स रांची में 20 अप्रैल से इलाज होगा महंगा, ओपीडी शुल्क बढ़कर हुआ दोगुना

रांची, एजेंसी। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में इलाज कराना अब थोड़ा महंगा होने जा रहा है। पिछले शासी परिषद (गवर्निंग बाडी) के निर्णय के अनुपालन में 20 अप्रैल से ओपीडी पंजीकरण शुल्क 5 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया जाएगा। इस संबंध में रिम्स निदेशक प्रो. डॉ. राज कुमार ने समीक्षा बैठक कर सभी पदाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। बैठक में शासी परिषद के फैसलों और उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। निदेशक ने स्पष्ट किया कि सभी निर्णयों को तय समयसीमा के भीतर लागू करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि ओपीडी शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव पहले भी शासी परिषद की बैठक में लाया गया था, जिस पर बाद में सहमति बनी। हालांकि, इस निर्णय को लेकर बीच में आपत्ति भी जताई गई थी। कई लोगों का कहना था कि शुल्क बढ़ाने से गरीब मरीजों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, क्योंकि रिम्स में बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद प्रबंधन ने राज्य के अन्य सरकारी अस्पतालों का हवाला देते हुए शुल्क वृद्धि को उचित ठहराया। विशेष रूप से सदर अस्पताल, रांची में पहले से ही 10 रुपये पंजीकरण शुल्क लिए जाने का उदाहरण सामने रखा गया। रिम्स प्रबंधन का तर्क है कि न्यूनतम शुल्क वृद्धि से अस्पताल की सेवाओं के संचालन और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं, जानकारों का मानना है कि शुल्क भले ही कम दिखे, लेकिन प्रतिदिन हजारों मरीजों के आने से इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। खासकर उन लोगों पर जो दूरदराज के इलाकों से सस्ते इलाज की उम्मीद लेकर रिम्स पहुंचते हैं।

चुटिया में गैस कालाबाजारी पर बड़ा वार, 200 से ज्यादा सिलेंडर जब्त

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के चुटिया इलाके में गुरुवार देर रात प्रशासन ने अवैध गैस कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 200 से अधिक एलपीजी सिलेंडर जब्त किए. यह छापेमारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें साईं कॉलोनी और पावर हाउस के पास स्थित सारा कॉलोनी सहित कई जगहों को निशाना बनाया गया. देर रात तक चले इस अभियान से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. जिला प्रशासन और चुटिया थाना की संयुक्त टीम ने अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ दबिश दी. शुरुआती जांच में सामने आया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल व्यावसायिक कामों में किया जा रहा था, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है. जब्त सिलेंडरों में इंडेन, भारत गैस और उज्ज्वला योजना के कनेक्शन वाले घरेलू सिलेंडर भी शामिल हैं, जिनकी सप्लाई और उपयोग पर सख्त नियम लागू होते हैं. प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, जिन घरों और परिसरों से सिलेंडर बरामद हुए, वे सामान्य आवासीय भवन हैं, लेकिन अंदर बड़े पैमाने पर गैस का स्टॉक जमा किया गया था. इससे सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा हो रहा था. कार्रवाई के दौरान सारा कॉलोनी के एक परिसर से करीब 120 से ज्यादा सिलेंडर मिले. वहीं, साईं कॉलोनी के एक मकान से 70 से अधिक सिलेंडर बरामद किए गए. एक छोटे मालवाहक वाहन से भी करीब 20 सिलेंडर जब्त किए गए, जो संभवत: सप्लाई के लिए तैयार थे. छापेमारी में बड़ी संख्या में कॉमर्शियल सिलेंडर भी मिले, जिन्हें बिना अनुमति के रखा गया था. इससे साफ है कि घरेलू और व्यावसायिक गैस के बीच अंतर को नजरअंदाज कर मुनाफाखोरी की जा रही थी. कार्रवाई के दौरान सिटी डीएसपी और स्थानीय थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे. पूरी प्रक्रिया एसडीओ के निर्देश पर संचालित की गई.प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि यह सिर्फ शुरुआती कार्रवाई है और आगे भी इस तरह के नेटवर्क को तोड़ने के लिए अभियान जारी रहेगा.

दहकते अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं भक्त

झारखंड के मंडा पर्व की ये तस्वीरें रोंगटे खड़े कर देंगी, 56 अनुष्ठानों का रहस्य

रांची, एजेंसी। मंडा पर्व शिव-पार्वती की पूजा का ही एक रूप है। झारखंड की भूमि शैव है और इसलिए शिव की आराधना के अनेक रूप मिलते हैं। मंडा पर्व भी उनमें से एक है। झारखंड के छोटानागपुर में इस पर्व चैत्र-वैशाख में ही मनाया जाता है।

हालांकि यह पर्व वैशाख में ही मनाया जाता है, लेकिन कुछ जगहों पर तालाब में पानी कम होने के कारण रामनवमी के छठवें दिन ही मनाया जाता है। पंद्रह दिवसीय इस पर्व में कुल 56 तरह के अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं।

प्रायः एक से 15 अप्रैल तक यह पर्व मनाया जाता है। 13वें दिन भोक्ता दहकते अंगारों पर चलते हैं। 14 वें दिन झूलन होता है और अंतिम दिन छठी हल्दी के साथ मंडा पर्व का समापन होता है।

इस बार गत मंगलवार को करीब अस्सी से ऊपर भोक्ता नंगे पैर दहकते अंगारों पर चले। सैकड़ों की संख्या में लोग आधी रात तक जमे रहे। परिसर मेला में तब्दील हो गया था। चारों तरफ उत्सव-उत्साह का माहौल था।

छोटानागपुर की सबसे प्राचीन नगर चुटिया से ही इसका आरंभ माना जाता है। पर्व कब से शुरू हुआ, यह अज्ञात है। केंद्रीय मंडा पूजा समिति, झारखंड के अध्यक्ष राजकुमार महतो कहते हैं कि यहां के नागवंशी राजाओं ने सभी जातियों को एक सूत्र में पिरोने का काम किया।

उस समय नागवंशी राजाओं ने समाज के सभी जातियों को एक-एक अनुष्ठान के लिए जिम्मेदारियां दीं। उन्हें इस मंडा पूजा के लिए पुजारी के लिए पांडे समाज, पाट भोक्ता

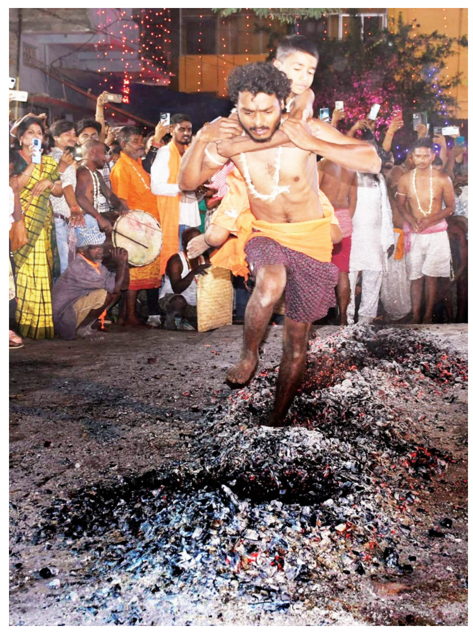

के लिए तेली समाज, राजा भक्तों के लिए अहीर (गोप) भूमि दी गई।

बाला भोक्ता के लिए मुंडा (आदिवासी), भंडारी के लिए राजपूत समाज, ढकाहा के लिए नायक समाज को, हजामत एवं पूजा के लिए ठाकुर समाज को भूमि (जमीन) दी गई थी।

इसके अलावा बनिया समाज को मुन्नी पूजा, कोईरी समाज को भोक्ताओं को मुंडा खूटा में घुमाने एवं आदिवासी समाज के लोगों को मचान बनाने की जिम्मेदारी दी गई थी। यहां मंडा पूजा गांव में किसी तरह का कोई भी विपदा ना आए, खुशहाली, हरियाली के लिए यह पर्व वैशाख माह में हर वर्ष मनाया जाता हैं।

डगरः मंडा पर्व की शुरुआत डगर से की जाती है। ढाक द्वारा लगातार पांच दिनों तक डगर देकर सभी देवी-देवताओं को जगाया जाता है। साथ ही लोगों तक यह संदेश पहुंचाया जाता है कि अब मंडा पर्व का शुभारंभ हो चुका है।

मुंडनः इस दिन सभी प्रमुख भोक्ता क्रमशः पंडित, पाट भोक्ता, राजा भोक्ता, बाल भोक्ता और भंडारी के घर ढाक, नगाड़ा और शहनाई लेकर निमंत्रण दिया जाता है। इन्हें घर से ले जाकर मुंडन संस्कार कराया जाता है।

उत्तरीयः मुंडन संस्कार के बाद दूसरे दिन अर्धरात्रि में सभी भोक्ताओं को पावर हाउस स्थित करीनाथ तालाब में उत्तरीय लेकर सभी भोक्ता ढाक नगाड़े की थाप पर नाचते गाते शिव बरात के लिए चल पड़ते हैं।

शिव बरात गोसाई टोली स्थित लोहार के घर पर सतबहिनी मंदिर में शिव विवाह होतर है। उसके बाद माता पार्वती (पाट) की विदाई होती है। भोक्तागण माता-पार्वती (पाठ) को लेकर शिव मंदिर महादेव मंडा आते हैं।

नगर भ्रमणः सुबह में ढकाहा ढाक बजाते पाटभोक्ता के घर जाकर उठाते हैं और पाटभोक्ता पाठ लेकर चुटिया के तालाबों में जाकर उत्तरीय अन्य भोक्ताओं को पंडित द्वारा देते हैं।

यहां सिलसिला फूलकुंदी के दिन तक चलता रहता है। इसमें माता पार्वती (पाठ) को चुटिया के सभी घरों में ले जाया जाता है। माता पार्वती (पाट) की पूजा घर की महिलाएं करती हैं।

इस दौरान भोक्ता गण भी साथ में चलते हैं और घरों के आंगन में भोक्ता गण ढाक नगाड़े की थाप पर नाचते हैं। दोपहर में भोक्ता शिव मंदिर महादेव मंडा में कुछ देर आराम करते हैं।

और सात्विक भोजन गुड़ का शरबत और चना दाल का सेवन करते हैं। सभी भोक्ता 11 दिनों तक अनुष्ठान में शामिल होते हैं और भोक्ता जमीन पर ही सोते हैं।

शोभायात्राः रात्रि में रोजाना प्राचीन श्री राम मंदिर से शोभायात्रा भोक्ताओं की निकलती है। भोक्ता गण गुलइची फूल से सज धज कर अर्धनारी का रूप धारण कर एक हाथ में चवर और दूसरे हाथ में बेंत लिए होते हैं।

बाबा भूतनाथ के जयकारे के साथ 'बले शिवा मनी महेश काशी बैजनाथ उड़ीसा जगन्नाथ गजा गजाधर आधव माधव गौरीशंकर महेश दाता दिगम महेश बले शिवा मनी महेश' के जयकारे के साथ ढोल नगाड़े एवं शहनाई की धुन पर नाचते हुए शिव मंदिर महादेव मंडा पहुंचते हैं।

उसके बाद सभी भोक्ता एक दूसरे से गले मिलते हैं और फिर देर रात बाबा भोले शंकर का श्रृंगार कर पूजा अर्चना करते हैं।

महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद झारखंड में राजनीति गर्म

रांची, एजेंसी। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल गिरने के बाद झारखंड में राजनीति गर्म हो गई है। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस देश विरोधी तो पहले से ही रही है। अब महिला विरोधी भी हो गई। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि इस विधेयक का गिरना केंद्र सरकार की नीतिगत विफलता को दर्शाता है। जबकि, झामुमो ने कहा कि भाजपा खुद ही नहीं चाहती थी कि महिला आरक्षण बिल संसद में पास हो। इसलिए बहुमत नहीं होते हुए भी यह बिल संसद में लाया गया। कांग्रेस व इंडी गठबंधन ने वो चेहरा दिखाया, जिसे नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी : सेठ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस और इंडी गठबंधन का महिला विरोधी चेहरा सामने आ गया। लोकसभा में इन्होंने वह चेहरा दिखाया, जिसे नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी। सेठ ने कहा कि संपूर्ण विपक्ष इस विधेयक में भी हिंदू-मुस्लिम तलाश रहा है, जबकि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। विगत सात दशक से देश की महिलाएं जिस बात का इंतजार कर रही थी, वह दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आया। परंतु कांग्रेस और महिला विरोधी पूरा विपक्ष ने नारी सशक्तीकरण की राह में रोड़ा अटकाने का काम किया है। केंद्र पर न तो जनता का विश्वास और न ही सहयोगियों को साथ रखने की क्षमता : केशव प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने लोकसभा में महिला आरक्षण पर संशोधन विधेयक के गिरना साफ तौर पर दर्शाता है कि सरकार के पास न तो पर्याप्त बहुमत और जनता का विश्वास है और न ही अपने ही सहयोगियों को साथ रखने की क्षमता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बिना व्यापक चर्चा और सहमति के महत्वपूर्ण विधेयक लाने की कोशिश की, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर हुई।

धनबाद में मेयर समर्थक की गोली मारकर हत्या:घर में घुसकर की 3 फायरिंग, दो छाती में और एक सिर में लगी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के सोनारडीह ओपी क्षेत्र में जनता श्रमिक संघ के केंद्रीय संगठन सचिव और मेयर संजीव सिंह के समर्थक शुभम यादव (28) की घर में घुसकर गोली मार हत्या कर दी। घटना सोनारडीह ओपी से महज 300 मीटर की दूरी पर एनएच-32 किनारे स्थित उनके आवास में हुई।

बताया जाता है कि उस समय शुभम अपनी दादी के साथ घर पर थे। तभी दो अज्ञात हमलावर अचानक घर में घुसे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। शुभम को तीन गोलियां लगीं। जिसमें दो छाती में और एक सिर में। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

इलाज के दौरान तोड़ा दम, अस्पताल में जुटी भीड़

गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल शुभम को आनन-फानन में कतरास और फिर निचितपुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें धनबाद के असर्फी अस्पताल रेफर कर दिया।

जहां देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में समर्थकों, स्थानीय लोगों और जनता श्रमिक संघ के

नेताओं की भारी भीड़ जुट गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस लाइन से अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

पुलिस ने की जांच तेज, पांच खोखे बरामद : घटनास्थल से पुलिस ने पांच खोखे बरामद किए हैं। धनबाद थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय समेत पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। घटना से पहले सोनारडीह पुलिस द्वारा इलाके में वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा था, बावजूद इसके अपराधी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

मेयर बोले- थाने के इतने करीब हुई घटना : घटना की जानकारी मिलते ही धनबाद के मेयर संजीव सिंह अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि थाना के इतने करीब इस तरह की घटना कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। वहीं पुलिस ने बताया कि शुभम यादव के खिलाफ कतरास थाना में आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे। वर्ष 2021 के चर्चित नीरज तिवारी हत्याकांड में भी उसका नाम सामने आया था। वह जुलाई 2023 में जमानत पर जेल से बाहर आया था। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास को भी जांच का हिस्सा बना रही है।

शेयर बाजार में पांच लाख डूबे, कर्ज के दबाव में बीटेक के छात्र ने फांसी लगा की खुदकुशी

रांची, एजेंसी। कदमा के रामनगर रोड नंबर 7 में अंकित शर्मा (23) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अंकित बीटेक का छात्र था। घटना गुरुवार देर शाम की है। घटना के बाद अंकित को उसकी बहन रिया शर्मा ने लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर फंदे से उतारा और इलाज के लिए टीएमएच ले गई।

वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घर पर दोनों भाई बहन अकेले रहते थे। मां मानसिक रोगी होने की वजह से रांची में इलाजरत है। घटना के पीछे की प्रारंभिक छानबीन में यह बात सामने आई है कि शेयर बाजार में उसने चार से पांच लाख रुपए इन्वेस्ट किए थे।

शेयर बाजार में उसे भारी नुकसान हो गया। उसने शेयर बाजार में राशि लगाने के लिए बाजार से कर्ज लिया था। जब उसके परिचित लोग घर तक तगादा करने आने लगे, तो उसने यह बात किसी को नहीं बताई। वह कुछ दिन तक लोगों को समझाता रहा, लेकिन रुपए लौटाने

के दबाव में उसने फांसी लगा ली। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है।

ऐसे हालात में परिवार का साथ जरूरी

डॉ दीपक गिरि, मनोचिकित्सक ने बताया कि यदि कोई भारी वित्तीय घाटे से गुजर रहा है, तो परिवार में ऐसा माहौल होना चाहिए, जहां वित्तीय नुकसान बताने पर डांट के बजाय समाधान मिले। अगर कोई अचानक बहुत ज्यादा समय स्क्रीन (ट्रेडिंग ऐप्स) पर बिता रहा है और उसके व्यवहार में बदलाव आ रहा है, तो परिवार वालों को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। उसे कभी भी अकेला नहीं रहने दें।

क्विक मनी के चक्कर में जा रही युवाओं की जान

शेयर मार्केट, खासकर ऑप्शन्स ट्रेडिंग में युवाओं की दिलचस्पी बढ़ी है। कम समय में ज्यादा मुनाफे के लालच में छात्र अपनी पढ़ाई के पैसे या कर्ज लेकर बाजार में लगा देते हैं। शेयर मार्केट के विशेषज्ञ अरुण राय ने कहा कि जब घाटा बढ़ता है, तो युवा लोन के चक्रव्यूह में फंस जाते हैं और डिप्रेशन का शिकार होकर अंकित जैसा आत्मघाती कदम उठा लेते हैं।

राज्य के 9 लाख अंत्योदय परिवारों को अब सालभर मिलेगी चीनी

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग 3 माह के बजाय सालाना टेंडर निकालेगा

रांची, एजेंसी। झारखंड के 9 लाख अंत्योदय कार्डधारियों के लिए अच्छी खबर है। अप्रैल 2025 से बंद पड़ी चीनी की सप्लाई जल्द शुरू होने की उम्मीद है। बार-बार टेंडर फेल होने के बाद अब खाद्य निदेशालय ने नीति बदल दी है।

अब चीनी की आपूर्ति के लिए त्रैमासिक (3 महीने) के बजाय वार्षिक (1 साल) निविदा निकाली जाएगी। इसका प्रस्ताव खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को भेज दिया गया है। अब तक विभाग हर तीन महीने पर टेंडर निकालता था। सालभर चीनी के रेट बदलते रहने के कारण कारोबारी इसमें दिलचस्पी नहीं ले रहे थे। चार बार निविदा निकालने के बाद भी कोई एजेंसी तैयार नहीं हुई। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का मानना है कि सालाना टेंडर होने से रेट स्थिर

रहेंगे और बड़ी एजेंसियां आगे आएंगी। वर्तमान में अंत्योदय परिवारों को ?28 प्रति किलो की दर से चीनी मिलनी है।

5 साल में 8 लाख से ज्यादा राशन कार्ड रद्द

फर्जीवाड़े को रोकने के लिए विभाग लगातार जांच कर रहा है। पिछले एक साल में करीब 3.12 लाख सदस्यों के राशन कार्ड रद्द या सरेंडर किए गए हैं। इनमें अपात्र लोग और डुप्लीकेट कार्ड शामिल हैं। पिछले 5 साल के आंकड़ों को देखें तो कुल 8.01 लाख कार्ड रद्द किए जा चुके हैं, जिनसे 19.47 लाख सदस्य जुड़े थे।

दाल-केरोसिनः सितंबर के बाद नहीं मिली दाल, तेल की बढ़ी मांग

कार्डधारियों को चीनी के साथ-साथ चना दाल के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। सितंबर 2025 के बाद से आपूर्ति ठप थी, क्योंकि नेफेड ने हाथ खड़े कर दिए थे। अब नए टेंडर के बाद जुलाई से सितंबर तक की बकाया दाल बांटी जा रही है। वहीं, पिछले 3 साल से कम मांग के कारण बंद पड़ा केरोसिन तेल भी अब जल्द मिलना शुरू होगा, क्योंकि डीलरों ने दोबारा इसकी डिमांड की है।

गोड्डा में आपराधिक गिरोह का भंडाफोड़, हथियार के साथ चार गिरफ्तार

गोड्डा, एजेंसी। जिला के बलबड्डा थाना क्षेत्र से हत्या, अपहरण व रंगदारी और गोलिकांड के जैसे घटनाओं के एक संगठित गिरोह के चार सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

दरअसल बलबड्डा व मेहरमा थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार आपराधिक घटनाओं ने पुलिस की नाक में दम कर दिया था. जिसमें एक व्यवसायी के पुत्र का अपहरण, लालमटिया थाना में एक बच्चे की हत्या, बलबड्डा थाना क्षेत्र में आइसक्रीम विक्रेता की गोली मारकर हत्या के बाद मेहरमा थाना क्षेत्र के सुरनी में रंगदारी के लिए फायरिंग वारदात पिछले चार माह के अंदर हुई थी. जिसका पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया था. पुलिस ने सुरनी गोलीकांड के बाद गहनता से तफ्तीश तो एक साथ कई मामलों का खुलासा हुआ. जिसमें सभी आरोपी बलबड्डा थाना क्षेत्र के कोकरा गांव चार युवक शामिल थे. गिरफ्तार लड़कों की उम्र 20-25 वर्ष की है. इन लड़कों ने पिछले कई कांडों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है.

गोड्डा एसपी मुकेश कुमार ने बताया कि ये सभी नए लड़के हैं और ये लोग आसानी से पैसा कमाने की चाह में लगातार अपराध की घटना को अंजाम दे रहे थे. इनके द्वारा पूर्व में फिरौती भी वसूल की गई थी उस पैसे से ऑटो भी खरीदी थी. इनके पास से उसे यूएसए मेड पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ ही घटना में इस्तेमाल समान व तीन बाइक भी बरामद किया गया. गिरफ्तार अपराधियों में मिथिलेश दास, सुमन कुमार, पवन कुमार दास व प्यारेलाल तांती शामिल है सभी युवक एक गांव कोकरा के रहने वाले हैं.

प्रदेश का राजस्व लक्ष्य 1.10 लाख करोड़ करने पर जोर,

रिक्त पदों को भरने के लिए वित्त मंत्री ने बनाई रणनीति

रांची, एजेंसी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए आंतरिक राजस्व स्रोतों में उल्लेखनीय वृद्धि की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा है कि झारखंड को अपने संसाधनों से होने वाली वार्षिक आय को बढ़ाकर लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना होगा, ताकि विकास योजनाओं और आधारभूत संरचना के विस्तार के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो सकें।

इस संबंध में वित्त मंत्री ने मुख्य सचिव और विकास आयुक्त को पत्र लिखकर राजस्व संग्रह की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने तथा आय बढ़ाने के लिए ठोस कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय और क्रय शक्ति अभी भी राष्ट्रीय औसत से कम है, जिसे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकताओं में

शामिल है।

वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में करीब दो लाख सरकारी पद रिक्त हैं, जिन्हें भरना आवश्यक है। नियुक्तियों के बाद वेतन और स्थापना मद पर अतिरिक्त वित्तीय भार बढ़ेगा। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए भी अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होगी।

राधाकृष्ण किशोर ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदान में कमी आई है। साथ ही मनरेगा की नीतियों में बदलाव और जीएसटी कर संरचना के युक्तिकरण से राज्य पर आर्थिक दबाव और बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में झारखंड को केंद्र पर निर्भरता कम कर अपने राजस्व स्रोत मजबूत करने होंगे।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य ने राज्य स्वकर और राज्य गैर-स्वकर मद से 61,569 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य रखा था, लेकिन वित्त मंत्री के अनुसार यह राशि राज्य की विकास आवश्यकताओं की तुलना में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में इसे बढ़ाकर 1.10 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने की जरूरत है।

समीक्षा के अनुसार वर्ष 2025-26 में कुल अनुमानित राजस्व प्राप्ति 1,25,666.72 करोड़ रुपये थी, जबकि 31 मार्च 2026 तक वास्तविक प्राप्ति 1,10,623.55 करोड़ रुपये ही हो सकी। यानी अनुमानित लक्ष्य से 15,043.17 करोड़ रुपये कम राजस्व मिला।

मंत्री ने सबसे अधिक चिंता वाणिज्य कर और खनन राजस्व को लेकर जताई गई है। झारखंड की खनिज संपदा को देखते हुए खनन रॉयल्टी से अधिक आय की संभावना है, लेकिन निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले इस क्षेत्र में भी राजस्व कम रहा।

वित्त मंत्री ने संकेत दिया कि आने वाले समय में कर संग्रह प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाकर, रिसाव रोककर और गैर-कर राजस्व स्रोतों का विस्तार कर राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

शिक्षकों को अधिक वेतन भुगतान हुआ तो डीडीओ और जिला शिक्षा अधीक्षक की जेब से होगी वसूली

रांची, एजेंसी। शिक्षकों एवं कर्मियों के वेतन में अधिक राशि की निकासी होती है तो इसके लिए निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी के साथ संबंधित जिला शिक्षा अधीक्षक भी जिम्मेदार होंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के शिक्षकों एवं कर्मियों के लिए जारी आवंटन में इसका स्पष्ट उल्लेख किया है। आवंटन आदेश में यह भी कहा गया है कि यह लगातार पाया गया है कि मान्य वेतन राशि से अधिक का भुगतान होता है, जिसकी बाद में वसूली की जाती है। इससे विभाग पर कोर्ट केस का बोझ भी बढ़ता है। कहा गया कि ऐसा होता है तो अधिक भुगतान की राशि की वसूली संबंधित डीडीओ और जिला शिक्षा अधीक्षक से की जाएगी। आवंटन आदेश में सभी डीडीओ को निर्देश दिया गया है कि वे अंतिम वेतन प्रमाण पत्र पर अंकित अग्रिम का सामंजन करेंगे एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र अंतिम वेतन प्रमाणपत्र पूर्ण संतुष्ट होने के बाद ही निर्गत करेंगे।

19 अप्रैल को झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा(सीधी भर्ती) प्रारंभिक परीक्षा

जिले में 13 केंद्रों पर होगी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज , झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर समाहरणालय सभागार, में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक के दौरान परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची के निर्देशानुसार यह परीक्षा दिनांक 19 अप्रैल, 2026 (रविवार) को जिले के कुल 13 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।उपायुक्त दुबे ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 03:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक निर्धारित है। दोनों ही पालियों में वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) प्रश्न पत्र होंगे, जिनकी अवधि 2-2 घंटे की होगी।बैठक में उपायुक्त ने सभी प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी को निर्देश दिया कि वे परीक्षा से पूर्व सभी व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन एवं पूर्वाभ्यास सुनिश्चित करें। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, स्वच्छ शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैठने की उचित व्यवस्था तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा 144 का सख्ती से अनुपालन किया जाए तथा अनावश्यक भीड़-भाड़ पर पूर्ण नियंत्रण रखा जाए। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या कदाचार की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।जिला प्रशासन द्वारा सभी अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से कम से कम एक घंटे पूर्व पहुंचें, ताकि प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। सभी अभ्यर्थियों को अपने साथ प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) एवं एक वैध फोटो पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। बिना प्रवेश पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक संजय कुमार दास, अपर समाहर्त्ता गौतम कुमार भगत, जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी उपस्थित थे।

तीनपहाड़: स्टेशन पर किऊल-मालदा मेमू ट्रेन का ठहराव शुरू, संघर्ष के बाद मिली सफलता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

तीनपहाड़। रेलवे स्टेशन पर किऊल-मालदा टाउन मेमू स्पेशल ट्रेन का ठहराव शुरू हो गया है। ट्रेन के पहली बार रुकने पर तीनपहाड़ क्षेत्रीय संघर्ष समिति एवं स्थानीय लोगों ने चालक रूपेश कुमार और सहचालक सुमित कुमार का फूलमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

बताया जाता है कि मालदा मंडल की ओर से पहले जारी सूचना में इस मेमू ट्रेन का ठहराव तीनपहाड़ स्टेशन पर नहीं दिया गया था, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी थी। इसके बाद तीनपहाड़ संघर्ष समिति ने रेल विभाग के वरीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी थी कि ठहराव नहीं मिलने पर आंदोलन किया जाएगा।समिति के दबाव के बाद रेल विभाग ने संशोधित अधिसूचना जारी कर तीनपहाड़ स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव सुनिश्चित किया। इस फैसले से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। समिति के सदस्यों का कहना है कि ट्रेन के ठहराव से जहां रेलवे को राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं दैनिक यात्रियों और आसपास के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।समय सारणी के अनुसार, यह मेमू ट्रेन सुबह किऊल से चलकर दोपहर करीब 12 बजे तीनपहाड़ पहुंचती है, जबकि मालदा से चलकर शाम 5:30 बजे यहां दो मिनट के लिए रुकती है। ट्रेन में यात्रियों की अच्छी-खासी भीड़ भी देखी गई, जो इसकी उपयोगिता को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

बरहेट: स्वास्थ्य विभाग की रात्रि चौपाल, मलेरिया-डेंगू समेत बीमारियों से बचाव की दी जानकारी

बरहेट। प्रखंड क्षेत्र के बोड़बांध पंचायत में बढ़ते मलेरिया, डेंगू, कालाजार, टीबी, फाइलेरिया व डायरिया जैसी बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा प्रभारी डॉ. पंकज कर्मकार ने ग्रामीणों को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। डॉ. कर्मकार ने कहा कि बदलते मौसम में मच्छरजनित एवं संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में सतर्क रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की सलाह दी। मौके पर एमपीडब्ल्यू विनोद टुडू ने बताया कि कालाजार, टीबी, फाइलेरिया, डेंगू, मलेरिया व डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता जरूरी है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने पर हाथ धोकर ही भोजन करें, मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें और लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की ओर से समय-समय पर कीटनाशक छिड़काव किया जाता है, ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और स्वास्थ्य विभाग की टीम से जानकारी प्राप्त की।

अक्षय तृतीया पर बाजार में रौनक: सोना 1,43,800 और चांदी 2,500 प्रति 10 ग्राम, खरीदारी के लिए उमड़े लोग

साहिबगंज। अक्षय तृतीया को लेकर साहिबगंज सहित क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस शुभ अवसर पर सोना और चांदी की खरीदारी को लेकर लोगों में खासा आकर्षण है। ताजा बाजार भाव के अनुसार 22 कैरेट सोने के जेवर का दाम 1,43,800 प्रति 10 ग्राम चल रहा है, वहीं चांदी की कीमत 2,500 प्रति 10 ग्राम बताई जा रही है।आरआर ज्वैलर्स के प्रोपराइटर रोहन राज ने जानकारी देते हुए बताया कि अक्षय तृतीया के मौके पर हर साल की तरह इस बार भी बाजार में अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। लोग सोने-चांदी के आभूषणों के साथ-साथ बर्तन की भी जमकर खरीदारी कर रहे हैं।चौक बाजार स्थित आरके ज्वैलर्स समेत अन्य दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। खासकर महिलाएं और परिवार के लोग इस शुभ दिन पर निवेश और परंपरा को ध्यान में रखते हुए खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार अक्षय तृतीया को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गई है और कारोबार में भी तेजी आई है।

अक्षय तृतीया पर बाजार में रौनक: सोना 1,43,800 और चांदी 2,500 प्रति 10 ग्राम, खरीदारी के लिए उमड़े लोग

साहिबगंज। अक्षय तृतीया को लेकर साहिबगंज सहित क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस शुभ अवसर पर सोना और चांदी की खरीदारी को लेकर लोगों में खासा आकर्षण है। ताजा बाजार भाव के अनुसार 22 कैरेट सोने के जेवर का दाम 1,43,800 प्रति 10 ग्राम चल रहा है, वहीं चांदी की कीमत 2,500 प्रति 10 ग्राम बताई जा रही है।आरआर ज्वैलर्स के प्रोपराइटर रोहन राज ने जानकारी देते हुए बताया कि अक्षय तृतीया के मौके पर हर साल की तरह इस बार भी बाजार में अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है। लोग सोने-चांदी के आभूषणों के साथ-साथ बर्तन की भी जमकर खरीदारी कर रहे हैं।चौक बाजार स्थित आरके ज्वैलर्स समेत अन्य दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। खासकर महिलाएं और परिवार के लोग इस शुभ दिन पर निवेश और परंपरा को ध्यान में रखते हुए खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार अक्षय तृतीया को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गई है और कारोबार में भी तेजी आई है।

साहिबगंज को मिला नया डीसी, दीपक कुमार दुबे ने संभाली कमान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। जिले के 37वें उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के रूप में आईएएस अधिकारी दीपक कुमार दुबे ने शनिवार को विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। समाहरणालय परिसर में आयोजित सादे लेकिन गरिमामय कार्यक्रम में उन्होंने कार्यभार संभालते हुए जिले के समग्र विकास और बेहतर प्रशासन देने की प्रतिबद्धता जताई।पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त श्री दुबे ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निष्पादन पर जोर देते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आधारभूत संरचना और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। साथ ही आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनसुनवाई व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

बरहेट: विद्यालय में सुरक्षा को लेकर मांग तेज, चहारदीवारी, मुख्य द्वार व स्ट्रीट लाइट की जरूरत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बरहेट। पल्स टू संपोषित दामिन उच्च विद्यालय बरहेट की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में बीते दिन विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक इस्माइल आलम ने मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार एवं स्थानीय विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को पत्र सौंपा है वही उन्होंने आपदन में उल्लेख किया है कि विद्यालय के चहारदीवारी ऊंची कराने, कंटीले तार लगाने, मुख्य द्वार निर्माण और स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई है। साथ ही लिखा है कि विद्यालय में कक्षा 9 से 12 तक लगभग 1600 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। वर्तमान में चहारदीवारी की ऊंचाई कम होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा विद्यालय परिसर में प्रवेश कर संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे पठन-पाठन कार्य भी प्रभावित होता है। विद्यालय प्रबंध समिति ने बताया यह भी कहा कि छात्रों, विशेषकर छात्राओं की सुरक्षा के साथ-साथ विद्यालय में मौजूद कंप्यूटर लैब, साइंस लैब और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों की सुरक्षा के लिए मजबूत चहारदीवारी और मुख्य द्वार अत्यंत आवश्यक है। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने मांग की है कि चहारदीवारी का उच्चीकरण कर उस पर कंटीले तार लगाए जाएं, साथ ही मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण एवं परिसर के आसपास स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए, ताकि विद्यालय में सुरक्षित माहौल सुनिश्चित हो सके। इस मांग को लेकर विद्यालय परिवार ने जल्द कार्रवाई की उम्मीद जताई है।

उर्दू शिक्षक की मांग को लेकर ग्रामीणों का ज्ञापन, पदस्थापन कराने की उठी मांग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। उर्दू शिक्षक के पदस्थापन को लेकर ग्रामीणों एवं अभिभावकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। दिए गए आवेदन में बताया गया है कि 01 अक्टूबर 2024 से अब तक उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़ा मदनशाही (बोरियो) में उर्दू शिक्षक का पदस्थापन नहीं हो पाया है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय में करीब 301 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, जिनमें अधिकांश की मातृभाषा उर्दू है। बावजूद इसके, विद्यालय में उर्दू विषय के शिक्षक की व्यवस्था नहीं की गई है। जबकि हाल ही में विभागीय आदेश के तहत एक विज्ञान शिक्षिका का पदस्थापन किया गया है। विद्यालय में पहले से 4 सरकारी शिक्षक और एक सहायक अध्यापक कार्यरत हैं, जो सभी हिंदी भाषी हैं।ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने अनुरोध किया है कि विद्यालय में उर्दू शिक्षक/शिक्षिका का जल्द से जल्द पदस्थापन किया जाए, ताकि छात्रों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा मिल सके। इस संबंध में ग्रामीणों ने कहा कि मांग पूरी होने पर वे विभाग के प्रति आभार व्यक्त करेंगे।ज्ञापन पर ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर भी अंकित हैं।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज। ज़िला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वधान में सिदो कान्हू स्टेडियम में चल रहे डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग जूनियर टी-20 टूर्नामेंट के तहत शनिवार को दो सेमीफाइनल मैच हुए। पहला सेमीफाइनल संत जेवियर स्कूल ए बनाम जवाहर नवोदय विद्यालय जबकि दूसरा सेमीफाइनल संत जेवियर स्कूल बी बनाम बोरियो सुपरकिंग के बीच खेला गया।पहला मैच में जेवियर स्कूल ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवर में 138 रन बना कर ऑल आउट हो गई। अनुराग ने 33, अमूल ने 31, मो जुनैद ने 20 रन बनाए। जवाहर नवोदय विद्यालय के गेंदबाज अभिषेक ने 3 व वसीम अख्तर ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम 11.4 ओवर में 77 रन बना कर ऑल आउट हो गई। वसीम अख्तर ने नाबाद 31, सौराभ उरांव ने 13 रन बनाए। संत जेवियर के गेंदबाज प्रतीक कुमार ने 3 व अनुराग कुमार ने 3 विकेट लिए। संत जेवियर स्कूल ने 61 रन से जीत हासिल की। संत जेवियर के खिलाड़ी अनुराग को मैन ऑफ़ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ देवव्रत ने अनुराग को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। दूसरे मैच में संत जेवियर स्कूल बी ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए 17.5 ओवर में 118 रन बना कर ऑल आउट हो गई। आदित्य यादव ने 47, आदित्य कुमार ने 17 व अश्विन ने 13 रन की पारी खेली। बोरियो सुपर किंग के गेंदबाज पीयूष ने 4, आदित्य ने 3 व कुश ने 2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बोरियो सुपर किंग की टीम ने 10.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 122 रन बना कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। कुणाल यादव ने 54 व आदित्य मंडल ने 41 रन बनाए। संत जेवियर स्कूल बी के गेंदबाज पार्थ सिंह ने 1, केशव व आदित्य ने 1-1 विकेट लिए। बोरियो सुपर किंग के खिलाड़ी आदित्य कुमार मंडल को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यतिथि बास्की यादव ने आदित्य को मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम, मो हयात व तारिक अनवर जबकि स्कोरिंग मो अनाउल्लाह ने किया।टूर्नामेंट इंचार्ज मोहम्मद अशफाक आलम ने बताया कि रविवार को तीसरे सेमीफाइनल का पहला मैच संत जेवियर स्कूल ए बनाम संत जेवियर स्कूल बी जबकि दूसरा मैच बोरियो सुपरकिंग बनाम जवाहर नवोदय के बीच खेला जाएगा।

मनरेगा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर राजमहल विधायक से मुलाकात की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज झारखंड राज्य के मनरेगा कर्मियों ने अपनी महत्वपूर्ण मांगों को लेकर विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा जी से मुलाकात की एवं नियमितीकरण हेतु ज्ञापन सौंपा।इस दौरान कर्मियों ने अपने कार्यों, समस्याओं एवं लंबे समय से लंबित मांगों को विस्तार से रखा और शीघ्र समाधान की अपेक्षा जताई।कर्मियों का कहना है कि वर्षों से सेवा देने के बावजूद नियमितीकरण न होना एक गंभीर मुद्दा है, जिस पर सरकार को त्वरित निर्णय लेना चाहिए।विधायक एमटी राजा जी ने भी उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए उचित पहल का आश्वासन दिया तथा बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में भी इन सभी मुद्दों को लाया जाएगा।

शिक्षा विभाग में लापरवाही की हद, महीनों गायब रहते हैं अकाउंटेंट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

साहिबगंज जिला क्षेत्र के तालझारी प्रखंड में झारखंड सरकार एक ओर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए करोड़ों का बजट खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर धरातल पर अधिकारियों की मनमानी और लापरवाही इस मंशा पर पानी फेर रही है। ताजा मामला तालझारी प्रखंड कार्यालय से महज कुछ ही दूरी पर स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) का है, जहाँ अव्यवस्था का आलम यह है कि महत्वपूर्ण पदों पर बैठे कर्मी कार्यालय से नदारद रहते हैं। दो प्रखंडों का प्रभार बना बहाना

मिली जानकारी के अनुसार, यहाँ पदस्थापित अकाउंटेंट उत्तम कजूर की मूल पोस्टिंग मंडरो प्रखंड में है, लेकिन उन्हें तालझारी ब्लॉक संसाधन केंद्र का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। विडंबना यह है कि महीने बीत जाने के बाद भी वे कभी-कभार ही कार्यालय में दर्शन देते हैं। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि उनकी अनुपस्थिति में विभाग के ही कुछ कर्मियों की 'मिलीभगत' से कार्यों को जैसे-तैसे अंजाम दिया जा रहा है, जिससे वित्तीय पारदर्शिता पर भी सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। अधिकारी का तर्क 'प्रभार में हैं, इसलिए नहीं आते'

जब इस संबंध में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीओ) रॉबिन मंडल से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बड़े ही सहज भाव से इस लापरवाही पर पर्दा डालने की कोशिश की। उन्होंने कहा:

अकाउंटेंट उत्तम कुजुर को यहाँ का तत्काल प्रभार दिया गया है, इसी वजह से वे नियमित रूप से यहाँ नहीं आ पाते हैं। कभी-कभार आकर वे अपना जरूरी कार्य निपटा लिया करते हैं। उठते गंभीर सवाल बीईओ के इस बयान ने विभाग की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सवाल यह उठता है कि यदि अकाउंटेंट महीने में एक-दो बार ही आएंगे, तो क्या प्रखंड की शिक्षा संबंधी योजनाओं और शिक्षकों के वेतन आदि से जुड़े कार्यों में देरी नहीं होगी।क्या 'तत्काल प्रभार' के नाम पर सरकारी कार्यालय को कर्मचारियों की मर्जी पर छोड़ देना उचित है।जब शिक्षा जैसे संवेदनशील विभाग की स्थिति इतनी बदहाल है, तो अन्य विभागों में जनता के कार्यों का क्या हाल होगा?

ब्लॉक संसाधन केंद्र जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय का इस तरह "रिमोट कंट्रोल" से चलना न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि उन शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ भी अन्याय है जिन्हें अपने कार्यों के लिए हफ्तों इंतजार करना पड़ता है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस लापरवाही पर क्या संज्ञान लेता है।

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी विषयक उद्यमिता शिविर संपन्न, मिली जानकारी

पाकुड़। शुक्रवार को झारखंड सरकार के उद्योग विभाग एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम द्वारा विश्व बैंक समर्थित कार्यक्रम के तहत पाकुड़ में जीएसटी विषयक उद्यमिता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का मुख्य उद्देश्य जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ना, जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना तथा उद्यमियों को कर अनुपालन की पूरी जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में स्थानीय उद्यमियों की बड़ी संख्या ने भाग लिया और कई ने ऑन-द-स्पॉट जीएसटी पंजीकरण की सुविधा का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने जीएसटी पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने, कर अनुपालन तथा व्यवसाय विस्तार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र रमाकांत चतुर्वेदी ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र जिले की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार है। उन्होंने उद्यमियों से अपील की कि वे अपने व्यवसाय को औपचारिक रूप दें और जीएसटी पंजीकरण कर सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता तथा बाजार पहुंच का अधिकतम लाभ उठाएं। मौके पर जीरोध राम (राज्य कर पदाधिकारी), अमित कुमार सिंह (जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक), पुनम बर्मन, अमित वर्धन, मोहन कुमार साहा सहित कई अधिकारी और स्थानीय उद्यमी उपस्थित रहे।

बज्रपात से एक व्यक्ति की मौत एक घायल

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)। थाना क्षेत्र के बड़ा सारसा साप्ताहिक हटिया में शनिवार शाम को बज्रपात गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गया। जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।जानकारी के अनुसार पातरापाड़ा गांव निवासी कार्तिक मंडल 35 एवं हरिपदो मंडल शाम को हटिया सब्जी खरीदने गया था,तभी गरज के साथ हल्की बारिश शुरु हो गया, इस दौरान तेज आवाज के साथ हटिया में बज्रपात गिरा जिसके चपेट में कार्तिक मंडल की मौत घटनास्थल पर ही हो गया ।जबकि हरिपदो मंडल घायल हो गए।ग्रामीणों ने घटना की सूचना प्रशासन को दिया खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है।

दोपहर बाद हुई बारिश से मौसम हुआ सुहाना, साप्ताहिक हाट पर पड़ा बुरा असर

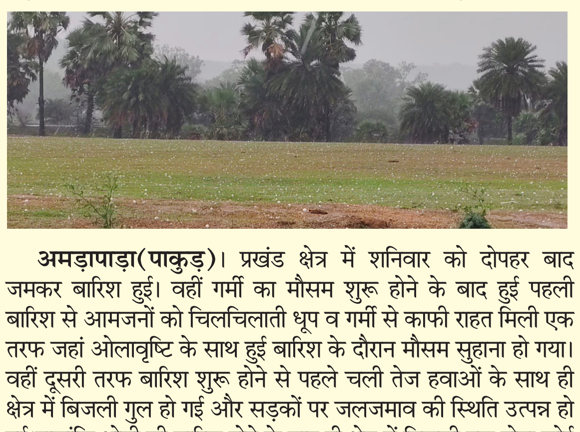

अमड़ापाड़ा(पाकुड़)। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को दोपहर बाद जमकर बारिश हुई। वहीं गर्मी का मौसम शुरू होने के बाद हुई पहली बारिश से आमजनों को चिलचिलाती धूप व गर्मी से काफी राहत मिली एक तरफ जहां ओलावृष्टि के साथ हुई बारिश के दौरान मौसम सुहाना हो गया। वहीं दूसरी तरफ बारिश शुरू होने से पहले चली तेज हवाओं के साथ ही क्षेत्र में बिजली गुल हो गई और सड़कों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।हालांकि थोड़ी सी बारिश होने के बाद ही क्षेत्र में बिजली गुल होना कोई नई बात नहीं वहीं जोरदार बारिश होने से साप्ताहिक हाट में दुकान लगाने वाले दुकानदारों को थोड़ी निराशा हुई।हाट परिसर में दुकान लगाने वाले दुकानदारों ने बताया कि अचानक शुरू हुई बारिश के कारण बिक्री पर बुरा असर पड़ा है। वहीं किसानों ने बताया कि यह बरसात फलों का राजा कहे जाने वाले आम के लिए बहुत ही अच्छा साबित होग कहा कि पिछले कई दिनों से पड़ रही चिलचिलाती धूप के कारण आम के मंजर सूखने लगे थे। वहीं समय पर बारिश होने से आम के फसल में तेजी आएगी।बताते चलें कि दोपहर के बाद साप्ताहिक हाट में ग्राहकों की संख्या काफी अधिक रहती है, हाट परिसर ग्राहकों से खचाखच भरा होता है।ऐसे समय में अचानक बारिश होने से ग्राहक हाट छोड़ अपने घरों की ओर जाते देखे गए।

बाल विवाह मुक्त समाज की दिशा में पहल, खजूडंगल और बासितकुंडी में जागरूकता अभियान

पाकुड़ियाः समाज से बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने के उद्देश्य से शनिवार को लोक कल्याण सेवा केंद्र, देवीनगर द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रखंड के खजूडंगल और बासितकुंडी गांव में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को बाल विवाह के कानूनी और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि बाल विवाह कानूनन अपराध होने के साथ-साथ बेटियों के भविष्य के लिए

गंभीर बाधा है। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। ग्रामीणों को बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। नियमों के उल्लंघन पर कठोर दंड का प्रावधान है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कम उम्र में विवाह और गर्भधारण से किशोरियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी और इसे टालने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे अपने घरों और समाज में बाल विवाह नहीं होने देंगे। संस्था के कार्यकर्ताओं ने बताया कि पूरे क्षेत्र को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ आगे भी विभिन्न गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-कोर्ट्स प्रशिक्षण से न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटल मजबूती

पाकुड़ः व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में ई-कोर्ट्स क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे के निर्देशन में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से सुदृढ़ करना तथा अधिवक्ताओं और न्यायिक कर्मियों को ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सहित ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग में दक्ष बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत ओरिएंटेशन सत्र से हुई, जिसमें ई-कोर्ट्स परियोजना का परिचय दिया गया और दस्तावेजों की स्कैनिंग के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद ई-फाइलिंग प्रक्रिया, पोर्टल के फीचर, पंजीकरण और केस फाइलिंग से जुड़ी तकनीकी जानकारियां दी गईं। मास्टर ट्रेनर अधिवक्ता कोसर आलम अंसारी और अधिवक्ता दीनानाथ गोस्वामी ने प्रशिक्षण का नेतृत्व करते हुए प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी। वहीं सिस्टम असिस्टेंट नगमा प्रवीन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली और ई-कोर्ट्स के तकनीकी संचालन की जानकारी साझा की। सिविल कोर्ट के ट्रेनर चमन आलोक ने इलेक्ट्रॉनिक केस मैनेजमेंट सेवाओं और डिजिटल टूल्स के उपयोग पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। दोपहर बाद के सत्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य डिजिटल सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में न्यायालय के अधिकारी, अधिवक्ता और न्यायिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण न्यायिक व्यवस्था को पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

दो बाइक की टक्कर से मासूम बच्चा सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

महेशपुर (पाकुड़)। महेशपुर-पाकुड़िया मुख्य सड़क पर सीलमपुर गांव स्थित एफसीआई चावल गोदाम के आगे मैदान के पास शनिवार को दो बाइक के आमने-सामने टक्कर में एक तीन वर्षीय मासूम बच्चा समेत चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गया। ज़ख्मियों का पहचान थाना क्षेत्र के बासीतपुर गांव निवासी 27 वर्षीय ज्योतिन हेम्ब्रम, सिंदरी गांव निवासी 45 वर्षीय लिली मरांडी, हिरणपुर तोड़ाई के मुर्गाडंगा गांव निवासी 25 वर्षीय छोटू राय एवं उसके तीन साल का बच्चा दीपक राय के रूप में हुआ है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने सबसे पहले गंभीर रूप से जख्मी बच्चा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशपुर भिजवाया। घटना की सूचना मिलने के बाद महेशपुर पुलिस के एसआइ दीपक कुमार एवं एएसआइ महादेव यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर एंबुलेंस के माध्यम से तीनों ज़ख्मियों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी डा. सुनील कुमार किस्कु ने डा. अंजनी कुमार भगत के अलावे अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सभी ज़ख्मियों का प्राथमिक उपचार किया। ज़ख्मियों का प्राथमिक उपचार करने के बाद सभी को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ज़ख्मियों के स्वजनों से मिली जानकारी के अनुसार ज्योतिन हेम्ब्रम अपने सास लिली मरांडी को बाइक में लेकर अपना घर बासीतपुर जा रहा था। वही विपरीत दिशा से तोराई मुर्गाडंगा गांव निवासी छोटू राय अपने तीन वर्षीय बच्चा दीपक राय को बाइक में लेकर अपना ससुराल महेशपुर थाना क्षेत्र के आढ़ोल गांव जा रहा था। इसी दौरान दोनों बाइक का आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गया। टक्कर इतना जोरदार था कि दोनों बाइक का परखच्चे उड़ गए। इस घटना में ज्योतिन हेम्ब्रम एवं छोटू राय का स्थिति गंभीर है। जबकि बच्चा का बाया हाथ टूट गया है एवं चेहरा में गंभीर चोट है। महेशपुर पुलिस घटना के बाद दोनों दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त करते हुए घटना की छानबीन में जुटी हुई है।

प्रख्यात नेमूवा हत्याकांड के एक और मुजरीम डैनी सरकार गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़। प्रख्यात देवराज सरकार उर्फ़ नेमुवा सरकार हत्याकांड के महीनों से फरार आरोपी डेनी सरकार को आखिरकार पाकुड़ पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में नगर थाना परिसर में डीएसपी अजय आर्यन ने प्रेस को बताया कि डेनी सरकार का पूर्व से ही आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकल (JH16D4132) भी बरामद कर लिया है। इसके पूर्व पुलिस ने 8 मार्च को खुदु मंडल एवं कृष्ण मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।वहीं आशीष मंडल और महादेव कर्मकार ने कोर्ट में सरेंडर किया था। अब तक हत्याकांड के 5 आरोपी जेल भेजे जा चुके है। शेष आरोपियों के घर पकड़ के लिए लगातार छापेमारी चल रही है। डीएसपी ने बताया कि देवराज सरकार की हत्या हत्याकांड में उनकी पत्नी लता सरकार के आवेदन के आधार पर पाकुड़ नगर थाना में कांड संख्या 36/26 में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन कर 8 मार्च 2026 को खुदु मंडल एवं कृष्ण मिश्रा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। वहीं आशीष मंडल और महादेव कर्मकार ने न्यायालय के समक्ष सरेंडर किया था। छापेमारी दल में इंस्पेक्टर सह नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता, एसआई अनन्त कुमार, अभिषेक कुमार, मिथुन रजक सहित पुलिस बल शामिल थे।

मेघा भारद्वाज 33वें उपायुक्त के रूप किया पदभार ग्रहण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़। जिला के 33वें उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा (2019 बैच) के अधिकारी मेघा भारद्वाज ने विधिवत रूप से अपना शनिवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। समाहरणालय परिसर में आयोजित एक सादे गरिमामय कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पदभार संभालते हुए जिले के सर्वांगीण विकास एवं सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उपायुक्त श्रीमती भारद्वाज ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं त्वरित निष्पादन पर विशेष बल देते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आधारभूत संरचना एवं कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में निरंतर सुधार हेतु ठोस पहल की जाएगी। साथ ही, आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जनसुनवाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

व्यवहार न्यायालय परिसर में ई-कोर्ट्स कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

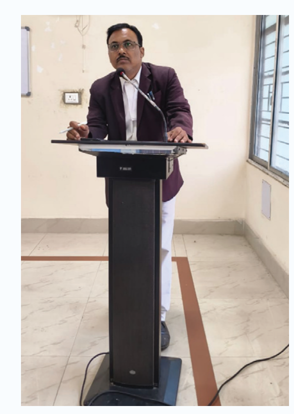

पाकुड़। शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में ई-कोर्ट्स कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे के दिशा-निर्देश पर किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से सुदृढ़ करना और अधिवक्ताओं व न्यायिक कर्मियों को ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समेत अन्य ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग में दक्ष बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत ओरिएंटेशन सत्र से हुई, जिसमें ई-कोर्ट्स परियोजना का परिचय दिया गया और दस्तावेजों की स्कैनिंग के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद ई-फाइलिंग प्रक्रिया, पोर्टल के फीचर्स, पंजीकरण और केस फाइलिंग से संबंधित तकनीकी जानकारियां दी गई। मास्टर ट्रेनर अधिवक्ता कौसर आलम अंसारी और अधिवक्ता दीनानाथ गोस्वामी ने प्रशिक्षण का नेतृत्व करते हुए प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी। वहीं सिस्टम असिस्टेंट नगमा प्रवीण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली और ई-कोर्ट्स के तकनीकी संचालन की जानकारी दी। सिविल कोर्ट के ट्रेनर चमन आलोक ने इलेक्ट्रॉनिक केस मैनेजमेंट सेवाओं और डिजिटल टूल्स के उपयोग पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया।सत्रों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य डिजिटल सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया।कार्यक्रम में न्यायालय के अधिकारी, अधिवक्ता और न्यायिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण न्यायिक व्यवस्था को पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पोषण पखवाड़ा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

महेशपुर (पाकुड)महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार, बाल विकास परियोजना महेशपुर के अंतर्गत शनिवार को आंगनबाड़ी केन्द्र बरकियारी में 'पोषण पखवाड़ा' (9 से 23 अप्रैल 2026) के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीडीपीओ नीलू रानी एवं महिला पर्यवेक्षिका चन्दा रविदास की उपस्थिति में बच्चों और माताओं को संतुलित व पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक भागीदारी के साथ पोषण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों, फलों और सब्जियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों द्वारा प्रदर्शित चार्ट रहा। बच्चों ने 'पोषण के 5 सूत्र' को बड़े ही सुंदर ढंग से चार्ट के माध्यम से समझाया, जिसमें पौष्टिक आहार, स्वच्छता, डायरिया से बचाव और एनीमिया के प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। बच्चों ने हाथों में 'पोषण पखवाड़ा' लिखे हुए स्लोगन कार्ड लेकर सभी को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित किया।इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने बच्चों के पोषण और सही खान-पान की आदतों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय आंगनबाड़ी सेविका रानी भंडारी, रेशमी मुर्मू, मारग्रेट मुर्मू और सहायिकाओं की मुख्य भूमिका रही।

पुराने नोट बदलने के बहाने युवक से साइबर ठगी,साइबर ठगों ने घर से उठा लेने की धमकी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

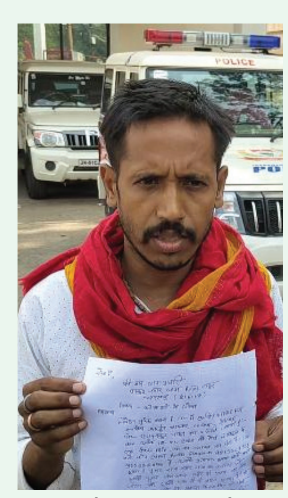

पाकुड़। शनिवार को नगर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है।जहां ठगों ने खुद को अधिकारी बताकर एक युवक को झांसे में लिया और धमकी देकर उससे ऑनलाइन भुगतान करवा लिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, हिराननपुर निवासी अमित भास्कर को शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पंकज सिंह और राजा कुमार नाम से परिचित कराते हुए खुद को अधिकारी बताया। ठगों ने युवक से कहा कि पुराने नोट के बदले उसे मुंहमांगी कीमत मिलेगी। लालच में आकर अमित ने उनकी बातों पर भरोसा कर लिया और पहले चरण में फोन-पे के माध्यम से करीब 9,500 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ठगों ने दबाव बढ़ाते हुए और पैसे की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने युवक को केस में फंसाने और घर से उठवा लेने तक की धमकी दी। डर और मानसिक दबाव का फायदा उठाकर आरोपियों ने दो से तीन लाख रुपये तक की अतिरिक्त मांग की।

जब युवक को संदेह हुआ और उसने आगे पैसे भेजने से इनकार किया, तो दोनों नंबर बंद हो गए और पूरी ठगी का खुलासा हुआ। पीड़ित अमित भास्कर ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है और इस घटना से वह आर्थिक और मानसिक रूप से बुरी तरह टूट गया है। इधर, नगर थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि साइबर ठगों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

देर रात कॉमन करैत का सुरक्षित रेस्क्यू, बनकर्मी शर्पमित्र की तत्परता से टली अनहोनी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

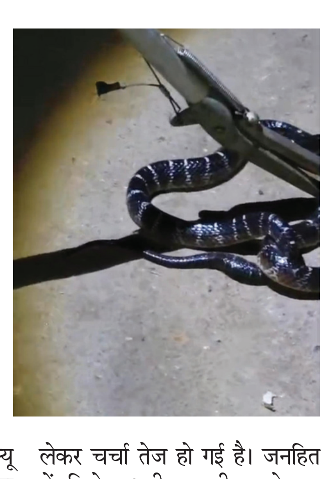

पाकुड़ : शुक्रवार देर रात करीब 10:30 बजे महेशपुर प्रखंड क्षेत्र में एक घर सह दुकान में अत्यंत विषैला सांप निकलने से अफरा-तफरी मच गई। महेशपुर निवासी धनपत भगत के निवास सह दुकान में कॉमन करैत (साइलेंट किलर) प्रजाति का सांप दिखाई देने पर परिवार में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही बनकर्मी शर्पमित्र अशराफुल मौके पर पहुंचे और पूरी सावधानी के साथ सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के दौरान सांप को बिना नुकसान पहुंचाए नियंत्रित किया गया और बाद में उसे सुरक्षित तरीके से एक डिब्बे में बंद कर आबादी से दूर घने जंगल में छोड़ दिया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई और परिवार ने राहत की सांस ली। क्षेत्र में इस घटना के बाद लोगों के बीच सतर्कता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जनहित में विशेष अपील जारी करते हुए बताया गया है कि करैत प्रजाति के सांप रात के समय अधिक सक्रिय होते हैं। ऐसे में लोग रात में जमीन पर सोने से बचें और मच्छरदानी का उपयोग अवश्य करें। यदि कहीं सांप दिखाई दे तो उसे मारने के बजाय तुरंत सूचना दें, ताकि प्रशिक्षित टीम द्वारा सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके।

पाकुड़िया डाकबंगला में मनरेगा मजदूरों की हुंकारः महीनों से लंबित भुगतान, चूल्हा जलाना हुआ मुश्किल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पाकुड़िया : प्रखंड मुख्यालय स्थित डाकबंगला परिसर में शनिवार को मनरेगा मजदूरों, मेटों और मिस्त्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। लालाबाबू अंसारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मजदूरों का दर्द छलक पड़ा। कई महीनों से मजदूरी और बकाया भुगतान न होने के कारण क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों के सामने अब रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार, पलायन की मजबूरीः

बैठक में उपस्थित मजदूरों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से बकाया भुगतान नहीं मिलने के कारण उनके घरों में राशन की किल्लत हो गई है। मजदूरों ने भावुक होकर बताया कि न तो बच्चों की स्कूल फीस भरने के पैसे हैं और न ही बीमार परिजनों के इलाज के लिए कोई सहारा बचा है। काम के अभाव और खाली जेब ने उन्हें अपने ही घर में बेगाना बना दिया है।

नई योजनाओं का अभाव और बढ़ती बेरोजगारीः बैठक में यह मुद्दा भी जोर-शोर से उठा कि क्षेत्र में नई मनरेगा योजनाएं शुरू नहीं की जा रही हैं। काम नहीं मिलने के कारण मजदूर बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। मजदूरों ने चेतावनी दी कि यदि स्थानीय स्तर पर काम और भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया, तो वे पेट की खातिर दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर होंगे।

प्रमुख मांगें और आंदोलन की चेतावनीः

बैठक के अंत में मजदूरों ने एक स्वर में प्रशासन से निम्नलिखित मांगें कीं:

मजदूरों, मेटों और मिस्त्रियों का लंबित भुगतान तत्काल किया जाए।

प्रखंड क्षेत्र में तत्काल नई मनरेगा योजनाएं शुरू कर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

सीधी चेतावनीः मजदूरों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। मजदूरों के इस संभावित आक्रोश और उससे उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह से प्रखंड प्रशासन जिम्मेदार होगा।

संक्षिप्त समाचार

केदली बाजार में दुकानदार पर जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

हंटरगंजःचतरा। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के केदली बाजार में बालाजी स्टूडियो दुकानदार पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार केदली निवासी विद्यानंद सिंह के 35 वर्षीय पुत्र गुड्डु कुमार केदली बाजार में स्थित बालाजी नामक स्टूडियो दुकान चलाता है। वह गुरुवार शाम लगभग 4 बजे स्टूडियो में काम कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही एक सनकी युवक वहां पहुंचा और दुकानदार पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। अचेत अवस्था में छोड़कर भाग गया। हालांकि ग्रामीणों ने घायल दुकानदार को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गयाजी मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार आरोपी युवक केदली निवासी नितेश कुमार वर्मा है, वह सनकी है उसका मानसिक स्थिति भी खराब लग रहा है।घायल गुड्डु की आवेदन पर हंटरगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार और थाना सशस्त्र बल ने आरोपी के घर से दबोच लिया है। पुलिस ने थाना कांड संख्या 53/26 धारा 115(2), 118(1),109,302(2), 324(2) के बीएनएस के धारा दर्ज कर आरोपी को चतरा न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।.

2018 बैच के आईएएस रवि आनंद बने चतरा के नए डीसी, कीर्तिश्री जी हुआ का तबादला

चतरा। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए कई आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस क्रम में चतरा जिले के उपायुक्त (डीसी) के रूप में रवि आनंद को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि वर्तमान डीसी कीर्तिश्री जी का जिले से तबादला कर दिया गया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य के कई जिलों में नए उपायुक्तों की नियुक्ति की गई है। राजीव रंजन को जमशेदपुर, संदीप कुमार को लातेहार, अनन्य मित्तल को गढ़वा, दिलेश्वर महतो को गुमला, मेधा भारद्वाज को पाकुड़ और लोकेश मिश्रा को गोड्डा का डीसी बनाया गया है। वहीं हजारीबाग के डीसी शशि प्रकाश सिंह को देवघर, लातेहार डीसी उत्कर्ष गुप्ता को कोडरमा, हेमंत सती को हजारीबाग, मनीष कुमार को चाईबासा, कोडरमा डीसी ऋतुराज को रामगढ़ तथा दीपक कुमार दुबे को साहिबगंज का उपायुक्त नियुक्त किया गया है। वहीं सरकार नें आईएएस दिलीप प्रताप सिंह शेखावत को पलामू, सौरभ कुमार भुवानिया को खूंटी, संदीप कुमार मीणा को लोहरदगा और आलोक कुमार को जामताड़ा का डीसी बनाया है। सरकार ने इस बार अपेक्षाकृत युवा और नए आईएएस अधिकारियों को जिलों की कमान सौंपते हुए प्रशासनिक कार्यों में गति और पारदर्शिता लाने की मंशा जताई है। सभी नव पदस्थापित उपायुक्तों को 24 घंटे के भीतर अपने-अपने जिलों में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल को राज्य में सुशासन को मजबूत करने और विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई नियुक्तियों से जिलों में प्रशासनिक कार्यशैली में बदलाव और तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

> ♦ झारखंड में आईएएस अधिकारियों का बड़े पैमाने पर फेरबदल, कई जिलों को मिले नए उपायुक्त

बजबज में कांग्रेस प्रत्याशी हाजी मजेबुर रहमान ने किया पर्यवेक्षक अरशद अयूब और युवा नेता तलहा अंसारी का भव्य स्वागत

लोहरदगाः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक व लोहरदगा के युवा नेता मोहम्मद अरशद अयूब और कुडू प्रखंड अल्पसंख्यक अध्यक्ष तलहा अंसारी बजबज विधानसभा पहुँचे। यहाँ कांग्रेस प्रत्याशी हाजी मजेबुर रहमान ने अपने समर्थकों के साथ दोनों नेताओं का फूल-मालाओं से लादकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। स्वागत के बाद आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अरशद अयूब ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और घर-घर जाकर कांग्रेस का घोषणापत्र पहुँचाने के निर्देश दिए। राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के भरोसेमंद सिपाही के रूप में अयूब ने स्पष्ट किया कि पार्टी का लक्ष्य अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों को एकजुट कर जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा कि बजबज में कांग्रेस की लहर साफ दिखाई दे रही है। वहीं झारखंड से पहुँचे युवा नेता तलहा अंसारी ने कहा कि वे आलाकमान के निर्देशानुसार यहाँ प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने आए हैं। कुडू में संगठन चलाने का उनका अनुभव यहाँ युवाओं और अल्पसंख्यकों को जोड़ने में काम आएगा। प्रत्याशी हाजी मजेबुर रहमान ने दोनों नेताओं के आगमन को पार्टी के लिए ऊर्जावान बताया और भरोसा जताया कि उनके मार्गदर्शन में कांग्रेस इस बार भारी मतों से जीत दर्ज करेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बूचा तालाब के पास नगर परिषद का विशेष सफाई अभियान, कचरा फेंकने पर होगी सख्त कार्रवाई

लोहरदगाः शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ शनिवार को लोहरदगा नगर परिषद ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। ईस्ट गोला रोड स्थित ऐतिहासिक बूचा तालाब के समीप विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव ने किया। इस अभियान के दौरान अध्यक्ष ने पूरे कार्य की बारीकी से निगरानी की। सफाई के साथ-साथ नगर परिषद ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्थानीय संस्थानों को चेतावनी भी जारी की। विशेष रूप से समीप स्थित किरण मरांडी अस्पताल को सख्त निर्देश दिए गए कि अस्पताल का मेडिकल वेस्ट या अन्य कचरा तालाब के पास न फेंका जाए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अनिल उरांव ने कहा लोहरदगा को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बूचा तालाब शहर की धरोहर है और इसे प्रदूषित करना स्वीकार्य नहीं होगा। अब से जो भी व्यक्ति डस्टबिन के बाहर या तालाब के किनारे कचरा फेंकते पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नगर परिषद कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। नगर परिषद ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाना अब दंडनीय अपराध की श्रेणी में माना जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल तालाब का सौंदर्यीकरण करना है, बल्कि शहरवासियों के बीच स्वच्छता के प्रति अनुशासन पैदा करना भी है। अभियान के दौरान भारी मात्रा में जमा कचरे का निस्तारण किया गया और लोगों से शहर को जीरो वेस्ट बनाने में सहयोग की अपील की गई।

संघ यात्रा के 100 वर्ष पूर्ण होने देवघर में प्रबुद्ध जन गोष्ठी आज, तैयारियां पूरी

प्रांत शारीरिक प्रमुख कुणाल कुमार होंगे कार्यक्रम के मुख्य वक्ता

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, देवघर द्वारा संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित संघ यात्रा के अंतर्गत कल प्रबुद्ध जन गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और आयोजकों द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है, ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो सके। यह गोष्ठी रविवार को अपराह्न 3 बजे आरएल सर्राफ उच्च विद्यालय मैदान देवघर में आयोजित होगी। कार्यक्रम में शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया है। इस दौरान राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, संगठन की भूमिका और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत शारीरिक प्रमुख कुणाल कुमार उपस्थित रहेंगे, जो संघ की कार्यप्रणाली और समाज निर्माण में उसकी भूमिका पर अपने विचार रखेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अशोकानंद झा (व्यवस्थापक, हिंदी विद्यापीठ, देवघर) कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ मनीष राज (विभागाध्यक्ष, ऑर्थोपेडिक्स, एम्स देवघर) एवं डॉ पूजा राय (चिकित्सा) शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त लोक वेद पीठ, हरिद्वार के लीलाबारानंद नाथ महाराज का आशीर्वचन भी कार्यक्रम में प्राप्त होगा, जो आयोजन को आध्यात्मिक आयाम प्रदान करेगा। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार बैठकें आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा की गई। इसी क्रम में आयोजित बैठक में जिला संघ चालक गणेश लाल बरनवाल, नगर कार्यवाह डॉ आनंद वर्धन, सुनील गुप्ता , डॉ राजीव रंजन, विनायक कुमार, धनंजय तिवारी, प्रेम कुमार बरनवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित किया। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि यह गोष्ठी समाज के जागरूक, अनुभवी और विचारशील लोगों के साथ संवाद का एक सशक्त मंच बनेगी। इससे न केवल सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिक चिंतन को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाएं।

शास्त्री चौक पर अनियंत्रित बस ने बिजली पोल को उखाड़ा, घंटों बाधित रही बिजली और यातायात

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः शहर के हृदय स्थल शास्त्री चौक पर शुक्रवार की देर रात एक अनियंत्रित बस ने बिजली के पोल में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बिजली का खंभा दो हिस्सों में टूटकर सड़क पर गिर गया जिससे पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई और आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अर्णव नामक एक बस लोहरदगा में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद यात्रियों को लेकर गुमला जिले के सिसई लौट रही थी। इसी दौरान चालक ने बस पर से नियंत्रण खो दिया और बस सीधे सड़क किनारे लगे पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पोल के परखच्चे उड़ गए। गनीमत यह रही कि उस समय पोल के पास कोई राहगीर मौजूद नहीं था और बस में सवार यात्री भी सुरक्षित रहे, वरना एक बड़ी जान-माल की क्षति हो सकती थी। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बिजली विभाग को दी, जिसके बाद सुरक्षा के दृष्टिकोण से लाइन काट दी गई। हालांकि व्यस्ततम चौक पर खंभा गिरने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। स्थानीय नागरिकों ने शहर की सड़कों पर बस चालकों की लापरवाही और प्रशासनिक निगरानी में कमी पर नाराजगी जाहिर की है। देर रात तक विभाग पोल को हटाने और बिजली व्यवस्था बहाल करने के प्रयास में जुटा रहा। यह घटना शहर की यातायात व्यवस्था और सुरक्षा मानकों पर एक गंभीर सवालिया निशान खड़ा करती है।

किसान न्याय सत्याग्रह के सातवें दिन गूंजी हक की आवाज, आंदोलन तेज करने का संकल्प

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः जिला मुख्यालय में जारी किसान न्याय सत्याग्रह शनिवार को सातवें दिन भी पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी रहा। विधानसभा अध्यक्ष आसिफ इमाम की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्याग्रह में किसानों, युवाओं और मजदूरों के प्रति सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर आवाज उठाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहरदगा प्रभारी शिल्पी कुमारी वर्मा और प्रदेश महासचिव फहद खान उपस्थित रहे। सत्याग्रह को संबोधित करते हुए आसिफ इमाम ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल सांकेतिक नहीं, बल्कि अधिकारों की वास्तविक लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक जनविरोधी नीतियां वापस नहीं ली जातीं, सत्याग्रह थमेगा नहीं। वहीं, प्रदेश महासचिव फहद खान ने कहा कि युवा कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की आवाज बनकर सड़क पर संघर्ष करेगा। उन्होंने वर्तमान नीतियों को किसान और नौजवान विरोधी करार दिया।

वक्ता मुदस्सिर अंसारी और आफताब अंसारी ने भी एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि आज देश का अन्नदाता और युवा वर्ग गहरे संकट में है। यदि सरकार ने समय रहते उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और अधिक उग्र और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर अनिमा कुजूर, गुलाम जिलानी, फारूक हुसैन, फैयाज अंसारी, दुर्गा उरांव, इमरोज अंसारी, राजा अंसारी, जाहिद अंसारी, अफसार खान, शमशाद अंसारी, अयान खान, अमृत उरांव, शिवम बुंडू, आरिफ खान, साजिद अंसारी, जैद रब्बानी, मो. कैफ और अल्तमस खान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिठू उरांव संभालेंगे बिशुनपुर विधायक प्रतिनिधि की जिम्मेदारी, कार्यकर्ताओं में खुशी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगाः बिशुनपुर विधायक सह झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए भण्डरा प्रखंड के ग्राम-कशपुर निवासी बिठू उरांव को अपना जिला प्रतिनिधि नियुक्त किया है। मंत्री ने इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी कर जिला प्रशासन को सूचित कर दिया है। जारी पत्र के अनुसार, बिठू उरांव अब लोहरदगा जिले में आयोजित होने वाली विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठकों में मंत्री की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि के रूप में शिरकत करेंगे। वे क्षेत्र की जनसमस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखेंगे और सरकारी योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की निगरानी करेंगे। बिठू उरांव की इस नियुक्ति से प्रशासनिक कार्यों और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद जताई जा रही है। अपनी नियुक्ति के पश्चात बिठू उरांव ने जिले के नए उपायुक्त संदीप कुमार मीणा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और जिले के विकास कार्यों पर चर्चा की। बिठू उरांव ने अपनी नियुक्ति पर मंत्री चमरा लिंडा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन और क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे। बिठू उरांव की नियुक्ति की खबर मिलते ही समर्थकों और झामुमो कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से झामुमो प्रखंड अध्यक्ष परवेज अंसारी एवं जिला परिषद सदस्य राजमनी उरांव ने इसे क्षेत्र के लिए सुखद बताया। इनके साथ ही प्रखंड सचिव मड़वारी उरांव, उपाध्यक्ष मोबारक अंसारी, रामबृक्ष उरांव, मंसूर अंसारी, फूलदेव उरांव, शामिल उरांव, सूरज उरांव, सुहैल अमीन समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

मनरेगा कर्मियों की हड़ताल से विकास कार्य ठप, पलायन को मजबूर हुए श्रमिकः सूरज मोहन साहु

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कैरो/लोहरदगाः झारखंड में मनरेगा कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से ग्रामीण विकास की रफ्तार थम गई है और मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सूरज मोहन साहु ने राज्य की हेमंत सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कर्मियों की जायज मांगों को अनसुना करने के कारण आज श्रमिक पलायन करने को विवश हैं। साहु ने बताया कि प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, अभियंता और रोजगार सेवक सहित तमाम कर्मी बीते 09 मार्च 2026 से हड़ताल पर हैं। इस एक महीने दस दिन के गतिरोध के कारण पीएम आवास, दीदी बाड़ी, सिंचाई कूप और आम बागवानी जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं पूरी तरह बंद पड़ी हैं। मजदूरी का भुगतान अटकने से गरीब तबके में आर्थिक बदहाली छा गई है। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि समान कार्य-समान वेतन, ग्रेड पे और बीमा जैसी मांगों पर मुख्यमंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री को ज्ञापन सौंपने के बावजूद सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। साहु ने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार में युवाओं का भविष्य पेपर लीक की भेंट चढ़ रहा है, वहीं धान अधिप्राप्ति के बाद भी किसानों को अब तक बोनस की राशि नहीं मिली है। प्रेस के माध्यम से सूरज मोहन साहु ने आग्रह किया कि सरकार अविलंब मनरेगा कर्मियों की मांगों पर पुनर्विचार कर हड़ताल समाप्त कराए, ताकि विकास कार्यों में तेजी आए और कामगारों को अपने घर-परिवार को छोड़कर दूसरे राज्यों में न जाना पड़े।

बिजली संकट पर भाजपा का प्रहारः सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास के नेतृत्व में घेराव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

चतरा। चतरा जिले में लगातार हो रही बिजली कटौती और बढ़ते बिजली बिलों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता के नेतृत्व में बिजली विभाग कार्यालय का घेराव कर सरकार और विभागीय नीतियों के खिलाफ तीखी नाराजगी जताई।

इस आंदोलन में सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से चर्चा में रही। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण आम जनता को अंधेरे और महंगे बिलों की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि शीघ्र ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो भाजपा सड़कों से लेकर सदन तक इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री अमरजीत यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा, विनय सिंह, डॉ. मृत्युंजय सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है और उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आम जनता के अधिकारों की लड़ाई है।

कार्यक्रम के अंत में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर बिजली कटौती पर रोक लगाने और बिल वृद्धि पर नियंत्रण करने की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

मोदी के बाद की बीजेपी! - डॉ. अतुल मलिकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

देवघर :-भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर को यदि मोदी युग कहा जाए, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले एक दशक में न केवल देश की सत्ता संभाली, बल्कि राजनीति के व्याकरण को ही बदल दिया। गुजरात के वडनगर की साधारण गलियों से निकलकर विश्व पटल पर छा जाने वाले मोदी का सफर संघर्ष और दूरदर्शिता की एक अनूठी कहानी है। लेकिन साल 2026 में खड़े होकर जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, तो एक बड़ा सवाल राजनीतिक गलियारों में गूँजता दिखाई देता है कि आखिर मोदी के बाद बीजेपी का क्या होगा? क्या यह पार्टी अपने इस सबसे बड़े चेहरे के बिना भी उसी मजबूती से खड़ी रह पाएगी? यह प्रश्न केवल राजनीतिक विश्लेषकों के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण है जो भारतीय लोकतंत्र की बदलती दिशा को समझना चाहता है। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सिर्फ चुनावी आंकड़ों या नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता के सीधे जुड़ाव और उनके भरोसे पर टिकी है। मोदी ने एक संगठन कार्यकर्ता के रूप में जमीन पर रहकर उन समस्याओं को महसूस किया है, जो एक आम आदमी रोज झेलता है। यही कारण है कि उनकी नीतियां किताबी होने के बजाय व्यावहारिक नजर आती हैं। 2014 में जब उन्होंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश में निराशा का माहौल था। जैसा कि बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में गांधीनगर की एक समिट में जिक्र किया था कि 2012-13 के दौरान युवा और व्यापार जगत दोनों ही भविष्य को लेकर असुरक्षित थे। मोदी ने स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों के जरिए इस माहौल को बदला। उन्होंने 140 करोड़ देशवासियों को देश की सबसे बड़ी संपत्ति मानकर 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र दिया, जिसका असर आज देश के बुनियादी ढांचे और डिजिटल अर्थव्यवस्था में साफ दिखाई देता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या बीजेपी केवल मोदी के सहारे चलने वाली पार्टी है? इस सवाल का जवाब पार्टी के भीतर छिपी उसकी संगठनात्मक गहराई में मिलता है। बीजेपी की सबसे बड़ी खूबी उसका वह मजबूत ढांचा है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों की विरासत पर टिका है। आरएसएस का विशाल कार्यकर्ता नेटवर्क बीजेपी को वह जमीनी ताकत देता है, जो शायद ही दुनिया के किसी अन्य दल के पास हो। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के रूप में जो क्षेत्रीय समन्वय बैठकें चल रही हैं, वे इसी ताकत का सबूत हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में होने वाली ये बैठकें यह सुनिश्चित कर रही हैं कि सरकार, संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच कोई दूरी न रहे। अवध से लेकर गोरखपुर और पश्चिम यूपी तक फैला यह नेटवर्क ही पार्टी की असली रीढ़ है। बेशक, मोदी के सक्रिय राजनीति से हटने पर बीजेपी के सामने कुछ चुनौतियां जरूर आएंगी। एक करिश्माई नेता की कमी हमेशा खलती है और कुछ वोट ऐसे जरूर होते हैं जो केवल मोदी के नाम पर पार्टी से जुड़ते हैं। कुल मिलाकर देखें तो नरेंद्र मोदी के बिना बीजेपी का भविष्य अंधकारमय नहीं है। मोदी ने पार्टी को जिस ऊंचाई पर पहुंचाया है, वहां से आगे जाने के लिए संगठन के पास एक स्पष्ट रोडमैप और मजबूत कार्यकर्ता शक्ति है। यूपी में तीन-स्तरीय समन्वय रणनीति और युवा नेतृत्व को दी जा रही तवज्जो इस बात का प्रमाण है कि पार्टी भविष्य के लिए पूरी तरह तैयार है। नेतृत्व का रूप बदल सकता है, लेकिन बीजेपी की वैचारिक दिशा और विकास का संकल्प वही रहने वाला है। जैसा कि कई राजनीतिक विशेषज्ञ कहते हैं, बीजेपी के भीतर अब हजारों मोदी तैयार हो चुके हैं, जो उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को आगे ले जाने में सक्षम हैं। यही संगठनात्मक जीवंतता बीजेपी को मोदी के बाद भी भारतीय राजनीति का केंद्र बनाए रखेगी।

अक्षय तृतीया का दिन क्यों माना जाता है इतना शुभ?

हिंदू पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी माता पार्वती हैं। अक्षय का अर्थ है कभी क्षय न होना अर्थात इस तिथि के दिन पूजा-पाठ, दान, स्नान और शुभ कार्य करने से उनका फल अक्षय ही रहता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन ही युधिष्ठिर को भगवान श्रीकृष्ण ने अक्षय पात्र दिया था, जिसमें कभी भी भोजन समाप्त नहीं होता था।

अक्षय तृतीया का महत्व

वर्तमान कल्प में मां पार्वती ने इस तिथि को बनाया और अपनी शक्ति प्रदान करके फलित कर दिया। धर्मराज को इस तिथि का महत्व समझाते हुए माता पार्वती कहती हैं कि कोई भी स्त्री, जो किसी भी तरह का सुख चाहती है उसे यह व्रत करते हुए नमक का पूरी तरह से त्याग करना चाहिए। स्वयं में भी यही व्रत करके मैं भगवान शिव के साथ आनंदित रहती हूं। विवाह योग्य कन्याओं को भी उत्तम वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत करना चाहिए। जिनको संतान नहीं हो रही हो वे स्त्रियां भी इस व्रत करके संतान सुख प्राप्त कर सकती हैं। अक्षय तृतीया का स्वयं सिद्ध मुहूर्त के रूप में भी बड़ा महत्व है। बिना पंचांग देखे भी इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह,गृह प्रवेश, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं।

इसलिए है ये तिथि बहुत खास

- इस पर्व से अनेकों पौराणिक बातें जुड़ी हुई हैं। महाभारत का युद्ध भी इसी दिन समाप्त हुआ था।
- पौराणिक ग्रंथों के अनुसार त्रेता और सतयुग का आरंभ भी अक्षय तृतीया को हुआ था। इसलिए इस युगादि तिथि के नाम से भी जाना जाता है।
- स्वर्ग के राजा इंद्र की पत्नी देवी इंद्राणी यही व्रत करके इसके पुण्य प्रताप से जयंत नामक पुत्र प्राप्त किया।
- देवी अरुंधति भी यही व्रत करके अपने पति महर्षि वशिष्ठ के साथ आकाश में सबसे ऊपर का स्थान प्राप्त कर सकीं।
- प्रजापति दक्ष की पुत्री रोहिणी इसी व्रत के कारण अपने पति चंद्र की सबसे प्रिय रानी रहीं। उन्होंने बिना नमक खाए इस व्रत को पूर्ण किया था।
- भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम का जन्म अक्षय तृतीया के दिन ही हुआ था। इस दिन को परशुराम जयंती के तौर पर भी मनाया जाता है। भगवान परशुराम को आठ चिरंजीवियों में से एक माना गया है, मान्यता है कि वे आज भी धरती पर मौजूद हैं।
- भगवान विष्णु के अवतार नर-नारायण, हयग्रीव का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था।
- ब्रह्मा जी के पुत्र अक्षय कुमार का अविर्भाव भी इसी दिन हुआ था।
- उत्तराखंड के प्रसिद्द तीर्थ स्थल बद्रीनाथ धाम के कपाट भी अक्षय तृतीया के ही दिन पुनः खुलते हैं और इसी दिन से चारों धामों की पावन यात्रा प्रारम्भ हो जाती है।
- वृन्दावन स्थित श्री बांके बिहारी जी मंदिर में भी केवल इसी दिन श्री विग्रह के चरण दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। बाकी पूरे वर्ष चरण वस्त्रों से ही ढके रहते हैं।

युग परिवर्तन का दिन अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया सनातन धर्म का प्रसिद्ध त्यौहार है जो लोकभाषा में आखातीज या वैशाख तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हिन्दू धर्म के अलावा जैन धर्म का भी शुभ त्यौहार है। अक्षय तृतीया को भारत और नेपाल में हिन्दुओं व जैनियों द्वारा एक शुभ समय के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किये जाते है, उनका अक्षय फल मिलता है, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीय कहा जाता है। अक्षय तृतीया तिथि को अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है।

हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रतिवर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनाई जाती है। संस्कृत भाषा में 'अक्षय' का अर्थ आशा, समृद्धि, आनंद और सफलता से होता है, वहीं 'तृतीय' का अर्थ तीसरा होता है। हर माह के शुक्ल पक्ष में तृतीय आती है, लेकिन वैशाख माह के दौरान आने वाली शुक्ल पक्ष की तृतीय को शुभ माना गया है। इस दिन किसी भी कार्य को करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय को अमरता या शाश्वत जीवन का प्रतीक माना गया है जो अविनाशी है और तृतीया का अर्थ हिंदू पंचांग के अनुसार तीसरा चंद्र दिवस है। अक्षय तृतीया की तिथि से ही त्रेता और सतयुग का आरम्भ हुआ था और यही कारण है कि इस तिथि को कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। भविष्य पुराण में अक्षय तृतीया के विषय में वर्णन किया गया है कि इस दिन स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय, तर्पण आदि जो भी धार्मिक कार्य किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तृतीया तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुखों को प्रदान करने वाली होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन नर-नारायण, परशुराम और हयग्रीव का अवतार हुआ था। इसलिए कुछ लोग नर-नारायण, परशुराम एवं हयग्रीव जी के लिए जौ या गेहूँ का सत्तू, कोमल ककड़ी और भीगी चने की दाल का प्रसाद के रूप में भोग लगाते हैं।

अबूझ मुहूर्त की तिथियों में से एक होती है अक्षय तृतीया की तिथि। इस तिथि पर किये गए प्रत्येक शुभ कार्य में सफलता प्राप्त होती है। किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए अक्षय तृतीया के दिन पंचांग देखने की आवश्कता नहीं होती है। इस तिथि में शुभ कार्य करने से कभी भी कार्य निष्फल नहीं होता है। अक्षय तृतीया को सभी तरह के शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए शुभ माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान, गृह प्रवेश, व्यापार, वैवाहिक कार्यक्रम, जप-तप और पूजा-पाठ आदि कार्य करने के लिए अक्षय तृतीया बहुत ही शुभ मानी गई है। यह दिन सर्वसिद्ध मुहूर्त के रूप में जाना जाता है। हिन्दुओं के लिए गंगा स्नान का विशेष महत्त्व होता है और इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर गंगा स्नान करने के बाद श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इन्हे जौ या गेहूं का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पित करें। ब्राह्मणों को भोजन आदि कराना चाहिए और उनको दान आदि देना चाहिए। ऐसा मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन पितरों की शांति के लिए किया गया पिण्डदान या किसी भी प्रकार के दान से अक्षय फल की प्राप्ति होती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन ही महाभारत के युद्ध की समाप्ति हुई थी, साथ ही द्वापर युग का समापन भी हुआ था।

अक्षय तृतीया से जुड़ी विशेष बातें

- अक्षय तृतीया तिथि पर ही भगवान परशुराम का जन्म हुआ था।
- मां गंगा का धरती पर आगमन अक्षय तृतीया की पावन तिथि पर ही हुआ था।
- चारों धामों में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट भी अक्षय तृतीया के दिन खुलते हैं।
- अक्षय तृतीया पर वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं।
- ऐसा माना जाता है कि सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत अक्षय तृतीया के दिन हुई थी।
- महाभारत ग्रंथ की रचना का आरम्भ महर्षि वेद व्यास ने अक्षय तृतीया के दिन ही किया था।

अक्षय तृतीया की पूजा विधि

अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु की पूजा इस प्रकार करें -

- अक्षय तृतीया के दिन व्रत करने वाले मनुष्य को प्रातःकाल स्नानादि कार्यों से निवृत होकर पीले वस्त्र धारण करने चाहिए।
- घर के मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु की प्रतिमा पर गंगाजल छिड़कने के बाद तुलसी, पीले फूलों की माला या पीले पुष्प आदि अर्पित करें।
- इसके पश्चात धूप-अगरबत्ती एवं ज्योत प्रज्जवलित करके पीले आसन पर बैठकर विष्णु सहस्त्रनाम या विष्णु चालीसा का पाठ पढ़ने के बाद अंत में विष्णु जी की आरती करनी चाहिए।
- इस दिन भगवान विष्णु के नाम से गरीबों को भोजन कराएं या दान देना अत्यंत फलदायी होता है।

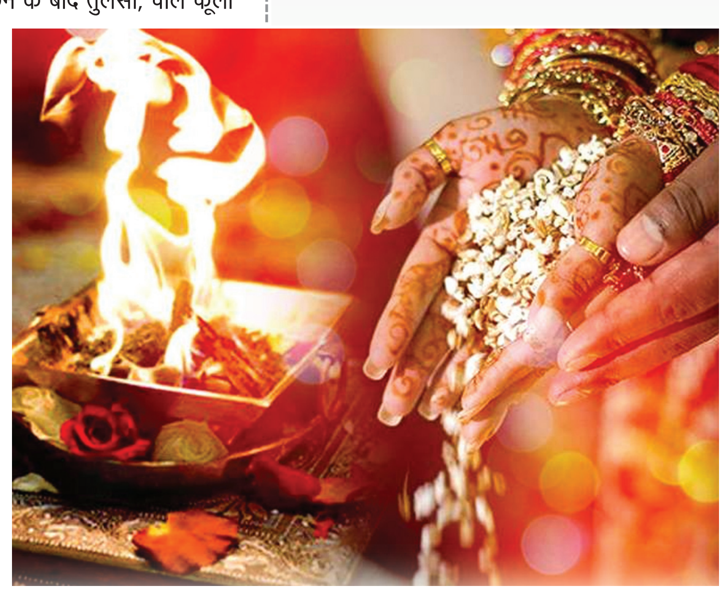

अक्षय तृतीया की पौराणिक कथा

शास्त्रों के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण से धर्मराज युधिष्ठिर ने अक्षय तृतीया के महत्व के बारे में जानने के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की थी। उस समय भगवान कृष्ण ने उन्हें बताया कि अक्षय तृतीया परम पुण्यमयी तिथि है। इस दिन दोपहर से पहले स्नान, जप, तप, यज्ञ, स्वाध्याय, पितृ-तर्पण, और दान आदि करने वाला मनुष्य अक्षय पुण्यफल का भागी बन जाता है। प्राचीनकाल में एक गरीब सद्ज्ञान और ईश्वर में आस्था रखने वाला वैश्य था। अपनी गरीबी के कारण वे बहुत ही व्याकुल रहता था। उसे किसी ने अक्षय तृतीया का व्रत करने की सलाह दी। इस पर्व के आने पर उस व्यक्ति ने गंगा में स्नान करने के बाद विधिपूर्वक सभी देवी-देवताओं की पूजा की और दान दिया। यही वैश्य अगले जन्म में कुशावती का राजा बना। अक्षय तृतीया पर किये गए दान एवं पूजा के प्रभाव से वह धनवान तथा प्रतापी बना। यह सब अक्षय तृतीया का ही शुभ पुण्य प्रभाव था।

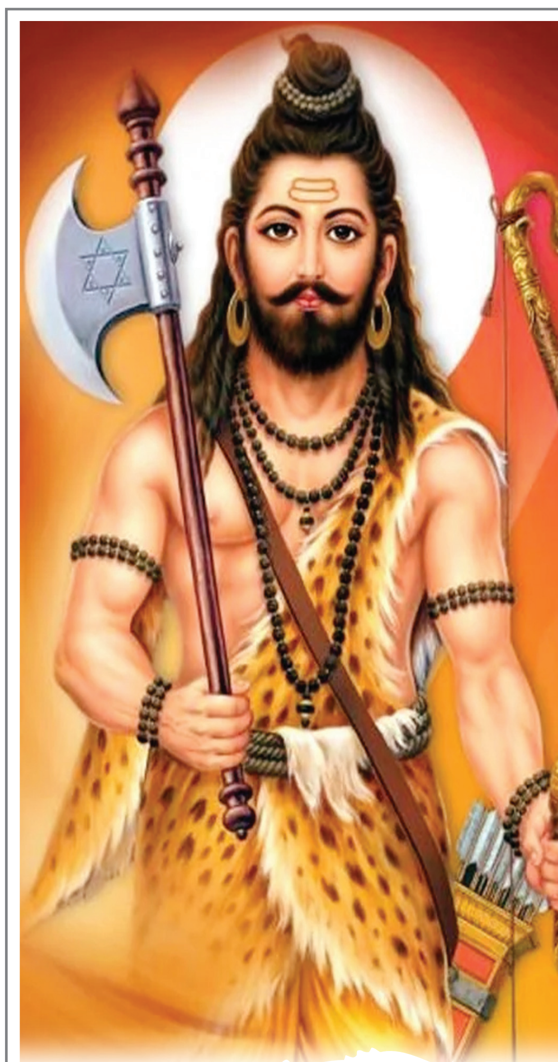

परशुराम जयंती के रूप में मनाई जाती है वैशाख शुक्ल तृतीया

वैशाख शुक्ल तृतीया की परशुराम जयंती एक व्रत एवं उत्सव के रूप में मनाई जाती है। 'भृगुवंश के परशुराम वेदर्षि जमदग्नि एवं इक्ष्वाकू वंश की राजकन्या रेणुका के पुत्र थे। अतः ब्रह्मवर्चस एवं क्षात्रतेज से उद्दीप्त वंश में परशुराम का जन्म हुआ।

परशुराम शंकर को प्रसन्न करने के लिए तपश्चर्या करने गए। उन्होंने अपनी असीम भक्ति से शिवजी को प्रसन्न कर लिया। इसीलिए शिवजीने उन्हें दिव्य अस्त्रों के साथ-साथ अपना अजेय एवं अभेद्य परशु त्र्यंबकदंड देते हुए आदेश दिया, जाओ आततायी, अनन्य अनाचारी, अत्याचारी, आतंकवादी, आसुरी एवं मदांधों से पृथ्वी को मुक्त करो।' अतः वाल्मीकि ने इसे 'क्षत्रविमर्दन' न कहकर 'राजविमर्दन' कहा है।

अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः ।
इदं ब्राह्मं इदं क्षात्रं शापादपि शरादपि ।।

अर्थ - मेरे मुख में चारों वेदों का ज्ञान है तथा पीठपर बाणों का तरकश एवं धनुष्य है। अर्थात क्षात्रतेज एवं ब्राह्मतेज है, इसलिए समय आने पर श्राप से अथवा युद्ध कर संहार करूंगा।

धनुर्विद्याके सर्वोत्तम शिक्षक - एक बार शस्त्र नीचे रखने के पश्चात परशुराम ने क्षत्रियों से बैर भाव छोड दिया। तदुपरांत उन्होंने ब्राह्मण, क्षत्रिय सभी को समभाव से अस्त्र विद्या सिखानी आरंभ की। महाभारत के भीष्माचार्य, द्रोणाचार्य जैसे बडे-बडे योद्धा परशुराम के ही शिष्य थे ।

दानवीर - परशुराम ने क्षत्रिय वध के लिए जो युद्ध किए, उससे उन्हें संपूर्ण पृथ्वी पर स्वामित्व प्राप्त हो गया था । अश्वमेध यज्ञ कर, अंत में यज्ञ के अध्वर्यु कश्यप ऋषि को परशुराम ने सर्व भूमि दान कर दी ।

भूमि की नवनिर्मिति - महर्षि कश्यप यह जानते थे कि परशुरामजी के इस भूमि पर रहते, क्षत्रिय कुल का उत्कर्ष नहीं होगा; अतः उन्होंने परशुरामजी से कहा, 'अब इस भूमि पर मेरा अधिकार है । अतः तुम यहां नहीं रह सकते हो ।' तब परशुरामजी ने समुद्र हटाकर अपना क्षेत्र निर्माण किया । वैतरणा से कन्याकुमारी तक के भूखंड को परशुराम क्षेत्र की संज्ञा दी गई है ।

अक्षय तृतीया कब है मुहूर्त और महत्व

अक्षय तृतीया को शास्त्रों में युगादि तिथि माना गया है। इस दिन अबूझ मुहूर्त होता है। इस दिन किसी भी समय शुभ कार्य किए जा सकते हैं। सोना, संपत्ति, भवन, वाहन आदि खरीदना शुभ माना जाता है। नया कार्य शुरू करना मंगलकारी होता है। इस दिन किए गए कार्यों का क्षय नहीं होता है इसलिए इस दिन अच्छे कर्म करने चाहिए।

अक्षय तृतीया वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन किए गए दान-पुण्य और अच्छा कार्यों का क्षय नहीं होता है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा करने का महत्व है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन नया काम शुरू करना शुभ माना जाता है। ऐसे में जानिए अक्षय तृतीया कब है, इस दिन का शुभ मुहूर्त और महत्व।

अक्षय तृतीया कब मनाई जाएगी

अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन अबूझ मुहूर्त होता है इसलिए कोई भी काम कभी भी शुरू किया जा सकता है। सोना, संपत्ति या वाहन की खरीदारी की जा सकती है। शास्त्रों में इसे युगादि तिथि कहा गया है, यानी इस दिन युग की शुरुआत हुई थी इसलिए इस दिन कोई मुहूर्त दोष नहीं माना जाता है।

अक्षय तृतीया का महत्व

मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन धरती पर गंगा का अवतरण हुआ था। इस दिन से सतयुग,

द्वापरयुग, त्रैतायुग की शुरुआत की गणना की जाती है। इस दिन भगवान विष्णु के दशावतार में से छठे रूप भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इसी तरह अक्षय तृतीया के दिन से उत्तराखंड में स्थित चार धामों की यात्रा भी शुरू होती है। गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खोले जाते हैं। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन शुरू किए गए कार्यों में दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ोतरी होती है। इसी तरह इस दिन पाप कर्म नहीं करने चाहिए। जिस तरह पुण्य कर्म क्षय नहीं होती हैं इसी तरह पाप कर्म भी मनुष्य के साथ बने रहते हैं।

कैसे करें अक्षय तृतीया व्रत!

वैशाख शुक्ल तृतीया को अक्षय तृतीया कहते हैं। चूँकि इस दिन किया हुआ जप, तप, ज्ञान तथा दान अक्षय फल देने वाला होता है अतः इसे अक्षय तृतीया कहते हैं। यदि यह व्रत सोमवार तथा रोहिणी नक्षत्र में आए तो महाफलदायक माना जाता है। यदि तृतीया मध्याह्न से पहले शुरू होकर प्रदोष काल तक रहे तो श्रेष्ठ मानी जाती है। इस दिन जो भी शुभ कार्य किए जाते हैं, उनका बड़ा ही श्रेष्ठ फल मिलता है। यह व्रत दानप्रधान है। इस दिन अधिकाधिक दान देने का बड़ा माहात्म्य है। इसी दिन से सतयुग का आरंभ होता है इसलिए इसे युगादि तृतीया भी कहते हैं।

- व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में सोकर उठें।
- घर की सफाई व नित्य कर्म से निवृत्त होकर पवित्र या शुद्ध जल से स्नान करें।
- घर में ही किसी पवित्र स्थान पर भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

निम्न मंत्र से संकल्प करें -

ममाखिलपापक्षयपूर्वक सकल शुभ फल प्राप्तये भगवत्प्रीतिकामनया देवत्रयपूजनमहं करिष्ये।

संकल्प करके भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं। षोडशोपचार विधि से भगवान विष्णु का पूजन करें। भगवान विष्णु को सुगंधित पुष्पमाला पहनाएं। नैवेद्य में जौ या गेहूं का सत्तू, ककड़ी और चने की दाल अर्पण करें। अगर हो सके तो विष्णु सहस्रनाम का जप करें। अंत में तुलसी जल चढ़ाकर भक्तिपूर्वक आरती करनी चाहिए। इसके पश्चात उपवास रहें।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में फसल लूट, विरोध करने पर बदमाशों ने फरसा से किसान की नाक काटी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पताही थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटौना सरेह में शुक्रवार की सुबह अपराधियों ने गेहूं की फसल लूटने के दौरान भीषण तांडव मचाया. विरोध करने पर अपराधियों ने धारदार हथियार (फरसा) से हमला कर किसान बिजली सिंह की नाक काट दी. बीच-बचाव करने आए दो अन्य किसान सुशील सिंह व धर्मेंद्र को भी लाठी-डंडों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया. बिजली सिंह की स्थिति नाजुक : घायल बिजली सिंह की स्थिति नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज हेतु मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया है. उसके बाद मोतिहारी सदर हॉस्पिटल आए उसके बाद डॉक्टर ने हालत गंभीर देखी तो मुजफ्फरपुर एसकेएमसीएच रेफर कर दिया. फरसा व लाठी-डंडों से हमला : पीड़ित किसान के पुत्र विकेश कुमार सिंह द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार, वे अपने पिता और परिजनों के साथ खेत में कटी हुई गेहूं की फसल की रखवाली कर रहे थे. इसी दौरान गांव के ही सुनील कुमार सिंह अपने दर्जनों हथियारबंद सहयोगियों के साथ खेत पर पहुंचे और जबरन गेहूं लूटने लगे. जब किसानों ने इसका कड़ा विरोध किया, तो हमलावरों ने फरसा व लाठी-डंडों से जानलेवा हमला बोल दिया. 'फसल की रखवाली कर रहे थे, इसी दौरान कुछ लोग आए, जिनके पास हथियार थे. गेहूं लूटने लगे. जब इसका विरोध किया तो मेरे पिता पर फरसा से वार कर दिया गया. अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गयी.' तीन दिन पहले पुलिस से लगायी थी गुहार : इस घटना ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. बताया जाता है कि पीड़ितों ने फसल चोरी और जान-माल के खतरे की आशंका को लेकर तीन दिन पूर्व ही स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी. किसानों का आरोप है कि यदि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई की होती या क्षेत्र में गश्ती बढ़ाई होती, तो आज यह बड़ी वारदात नहीं घटती.

10 हजार रुपए की घूस लेते इंजीनियर गिरफ्तार, विजिलेंस टीम ने घर पर की छापेमारी

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में एक घूसखोर अफसर निगरानी विभाग के हत्थे चढ़ा है. पूर्णिया शिक्षा परियोजना का असिस्टेंट इंजीनियर भूषण प्रसाद पर आरोप है कि वह ठेकेदार से बिल पास करने के नाम पर 10 हजार रुपए घूस ले रहा था. ठेकेदार के द्वारा इस बात की जानकारी बृजेश को दी गई थी, जिसकी शिकायत पाने के बाद विजिलेंस की टीम ने कार्रवाई करते हुए भूषण को रंगे हाथ पकड़ा. इन दिनों इनकम टैक्स की टीम एवं विजिलेंस की टीम लगातार घूसखोर कर्मियों पर निगाह रखे हुए हैं. कार्रवाई करते हुए कई पदाधिकारी के साथ-साथ छोटे कर्मचारी इन लोगों के हत्थे चढ़ चुके हैं, इसके बावजूद भी भ्रष्ट अधिकारी सुधारने का नाम नहीं ले रहे. इसी कड़ी में आज बिहार शिक्षा परियोजना के सहायक अभियंता भूषण प्रसाद के आवास पर छापेमारी की है. कटिहार में शिक्षा विभाग में पोस्टेड हैं, पटना से आई स्पेशल विजिलेंस टीम के 7 सदस्यीय टीम इसमें शामिल हैं. स्पेशल विजिलेंस यूनिट के डीएसपी राज कुमार सिंह के नेतृत्व में चल छापेमारी चल रही है. एसवीयू के 7 सदस्यीय टीम घर का कोना कोना खंगाल रही है. सहायक अभियंता से कड़ी पूछताछ की जा रही है. लैपटॉप और मोबाइल फोन खंगाले जा रहे हैं. टीम को छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और प्रूफ हाथ लगे हैं. भूषण प्रसाद इससे पहले पूर्णिया में पोस्टेड थे. जबकि उनका स्थाई आवास शहर के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के जिला स्कूल रोड स्थित शांतिनगर में है. सहायक अभियंता और उनके परिवार के सदस्यों से 4 घंटे से पूछताछ चल रही है.

खुद को मॉनिटरिंग कर्मचारी बता एचआईवी मरीजों की जानकारी जुटा रहा था जालसाज

पटना, एजेंसी। राजधानी में एचआईवी-एड्स पीड़ितों के लिए आयोजित स्ट्रेंथनिंग आउटरीच, केयर एंड हेल्थ सर्विसेज (सोच) प्रशिक्षण कार्यकम में खुद को मूल्यांकन एवं अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) कर्मचारी बता एक व्यक्ति ने गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की। राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अधिकारियों ने इसे प्रथमदृष्टया पूर्वनियोजित उद्देश्य, गोपनीयता भंग करने का प्रयास व कार्यक्रम को हानि पहुंचाने की मंशा माना है। समिति के सहायक निदेशक राजीव रंजन कुमार ने शास्त्रीनगर थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन देकर निष्पक्ष जांच कर दंडात्मक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। संतोष कुमार नामक व्यक्ति बिना वैध अनुमति, नामांकन या नियुक्ति पत्र के प्रशिक्षण सत्र में शामिल हो गया। उसने खुद को मूल्यांकन एवं अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) से जुड़ा कर्मी बताया। जब उसने प्रशिक्षण कार्यक्रम से संबंधित संवेदनशील व गोपनीय जानकारियों तक पहुंचने की कोशिश की तो अधिकारियों को शक हुआ। लाभार्थियों की पहचान, स्वास्थ्य की स्थिति व उपचार संबंधी गोपनीय सूचनाएं होती हैं। प्रथमदृष्टया माना जा रहा है कि पूर्वनियोजित साजिश या किसी विशेष उद्देश्य के लिए घुसपैठ की गई है। हालांकि इसकी पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। अधिकारियों का मानना है कि यह घटना सामान्य लापरवाही से अधिक गंभीर हो सकती है। समिति ने इम्पर्सोनेशन (प्रनिरूपण), धोखाधड़ी व सरकारी कार्य में अवैध हस्तक्षेप जैसे आरोपों में शास्त्रीनगर थाने में प्राथमिकी कराई है।

जमीन के अंदर ऐसे होकर जायेगी पटना मेट्रो ट्रेन,
कॉरिडोर-2 का काम देखकर आप हैरान हो जाएंगे

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना में जमीन के ऊपर ही नहीं बल्कि जमीन के नीचे भी शहर का भविष्य आकार ले रहा है. इसी क्रम में बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने शहरी विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार के साथ मीठापुर स्ट्रेच और मोइनुल हक स्टेडियम स्टेशन के अंडरग्राउंड हिस्से में चल रहे पटना मेट्रो के निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया.

जमीन के अंदर चल रहा पटना मेट्रो का काम: निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने मीठापुर सबस्टेशन का बारीकी से अवलोकन किया और उस अंडरग्राउंड सेक्शन में भी पहुंचे, जहां टनल बोरिंग मशीन लगातार जमीन के भीतर सुरंग तैयार कर रही है. यह वही मशीन है जो शहर के नीचे मेट्रो के लिए रास्ता बना रही है. इस दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और तकनीकी प्रक्रियाओं को लेकर अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली.

पटना मेट्रो को लेकर विस्तृत बैठक: पीएमआरसीएल, डीएमआरसी और एलएंडटी की टीमों के साथ हुई विस्तृत बैठक में मुख्य सचिव ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की. संभावित बाधाओं की पहचान की और उन्हें जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश दिए. उन्होंने स्पष्ट कहा कि पटना मेट्रो केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि यह शहर के भविष्य की जीवन रेखा है. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्य में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर हाल में तय समयसीमा के भीतर इसे पूरा किया जाना चाहिए.

आम लोगों पर कैसे पड़ेगा असर: निरीक्षण के दौरान कॉरिडोर-2 के समय पर निर्माण को लेकर विशेष जोर दिया गया, जो शहर के 12 महत्वपूर्ण स्टेशनों को जोड़ता है. मुख्य सचिव ने कहा कि यह परियोजना आम लोगों के जीवन को

सीधे प्रभावित करेगी. इससे लोगों का समय बचेगा, ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और शहर को एक आधुनिक, सुरक्षित और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन प्रणाली मिलेगी. उन्होंने कहा कि यह मेट्रो परियोजना पटना को एक नए युग में ले जाने वाली है.

मेट्रो स्टेशन जमीन से करीब 22 मीटर नीचे: प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत ब्लू लाइन कॉरिडोर पर तेजी से काम चल रहा है. पीएमसीएच से मोइनुल हक स्टेडियम तक लगभग 22 फीट नीचे टनल बोरिंग मशीन के जरिए खुदाई का काम पूरा हो चुका है. यहां मेट्रो लाइन बिछाई जा चुकी है और अब वायरिंग का कार्य जारी है. मोइनुल हक मेट्रो स्टेशन जमीन से करीब 22 मीटर नीचे बनाया गया है, जबकि पीएमसीएच के पास यह लगभग 16 मीटर नीचे स्थित है. यह तकनीकी रूप से बेहद जटिल कार्य है, जिसे विशेषज्ञों की निगरानी में पूरा किया जा रहा है.

सबसे संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण चरण: वर्तमान में मोइनुल हक मेट्रो स्टेशन से राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन के बीच खुदाई का कार्य जारी है. इस हिस्से में रेलवे ट्रैक के नीचे से सुरंग बनानी है, जो परियोजना का सबसे संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण चरण माना जा रहा है. इसको लेकर तकनीकी विशेषज्ञ हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अत्यधिक सावधानी के साथ कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो.

मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन पूरी तरह तैयार: राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन तक पूरा हिस्सा अंडरग्राउंड रहेगा, जिसके बाद मेट्रो एलिवेटेड ट्रैक पर आकर मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन तक जाएगी. मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है और यहां कई बार सफल ट्रायल रन भी किया जा चुका है. हालांकि, फिलहाल फायर सेफ्टी का एनओसी मिलना बाकी है और अंतिम निरीक्षण के बाद ही यहां से नियमित परिचालन शुरू किया जाएगा.

यहां होगा इंटरचेंज स्टेशन: फिलहाल भूतनाथ से पाटलिपुत्र मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो का परिचालन शुरू हो चुका है, जिससे लोगों को काफी राहत मिल रही है. उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही मलाही पकड़ी से भी मेट्रो सेवा शुरू कर दी जाएगी. मलाही पकड़ी और भूतनाथ स्टेशन के बीच खेमानी चौक मेट्रो स्टेशन बनेगा, लेकिन अभी वहां मेट्रो का ठहराव नहीं होगा क्योंकि यह एक इंटरचेंज स्टेशन है और यहां बाहरी इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है. उम्मीद जताई जा रही है कि इस महीने के अंत तक मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन से मेट्रो परिचालन शुरू हो जाएगा.

बिहार में 40 हजार की घूस लेते दो राजस्व कर्मी गिरफ्तार, जमीन म्यूटेशन के लिए मांगी थी रकम

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में घूसखोर कर्मचारियों पर लगाम लगती नहीं दिख रही है, जबकि लगातार दो दिन में तीन भ्रष्ट कर्मचारियों पर गाज गिर चुकी है. आज पूर्णिया पूर्व के प्रखंड कार्यालय में 2 राजस्व कर्मचारियों को 40 हजार रुपए की घूस लेते रंगे हाथ दबोचा है.

राजस्व कर्मी ने मांगी थी घूस : राजस्व कर्मियों की हड़ताल के चलते लाल बाबू रजक को हल्का 1-ए, 1-बी और 1-सी का प्रभार दिया गया था. उनके हल्के में पूर्णिया शहर का भी क्षेत्र शामिल था. इसी इलाके के जमीन से जुड़े जमीन के म्यूटेशन के मामले में घूस की डिमांड की थी, जिसके बाद निगरानी विभाग ने कार्रवाई कर दबोच लिया.

40 हजार रुपए की घूस लेते गिरफ्तार : रूबी कुंडू अभिलेखागार की कर्मी थी. रूबी कुंडू को ही लाल बाबू रजक ने घूस की रकम दिलवाई थी. रूबी जमीन से जुड़े सरकारी तस्तावेजों की स्कैनिंग का काम संभालती थी. निगरानी विभाग की जांच में पाया गया कि जमीन से जुड़े दस्तावेजों के निपटारे में दोनों की मिलीभगत थी. निगरानी टीम पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है.

निगरानी विभाग का एक्शन : कर्मचारी लाल बाबू रजक और रूबी कुंडू को 40 हजार रुपए जमीन के मोटेशन के नाम पर पैसा लेते हुए गिरफ्तार किया गया. निगरानी एवं इनकम टैक्स की टीम लगातार भ्रष्ट पदाधिकारी और कर्मियों के ऊपर निगाह रखी हुई है. उसके बावजूद जिले में भ्रष्टाचार में कमी नहीं आती दिख रही है.

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हरिहरनाथ मंदिर में की पूजा, लगाया जनता दरबार

वैशाली, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को सीएम पद संभालने के बाद पहली बार सारण जिले के सोनपुर स्थित ऐतिहासिक बाबा हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे. उन्होंने पूरे परिवार के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. सीएम की पत्नी ममता चौधरी, उनके बच्चे और अन्य परिवार सदस्य भी इस दौरान मौजूद रहे. मंदिर में उन्होंने बाबा हरिहरनाथ का जलाभिषेक कर राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की.

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और गार्ड ऑफ ऑनर से हुआ स्वागतः सीएम सम्राट चौधरी के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे. उनके पहुंचते ही गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके बाद मंदिर कमिटी ने औपचारिक रूप से उनका स्वागत किया. कई विधायकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पूरा प्रशासनिक अमला भी सोनपुर पहुंचा

था. पूजा समाप्त होने के बाद सीएम पटना के लिए रवाना हो गए.

बिहार के विकास की कामना की: मौके पर मौजूद पूर्व मंत्री राजू सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूजा के दौरान बिहार के विकास और समृद्धि की कामना की है. उन्होंने कहा कि सीएम की यह यात्रा न केवल व्यक्तिगत आस्था का प्रतीक है बल्कि राज्य की उन्नति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है. सीएम ने मीडिया से बातचीत नहीं की, लेकिन उनके संदेश को पूर्व मंत्री ने सार्वजनिक किया.

आस्था का बड़ा केंद्र है हरिहरनाथ मंदिर: सम्राट चौधरी की पूजा कराने वाले मुख्य पुजारी सुशील शास्त्री ने बताया कि बाबा हरिहरनाथ मंदिर सीएम की आस्था का प्रमुख केंद्र है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले भी सम्राट चौधरी यहां नियमित रूप से आते रहे हैं और पद संभालने के बाद भी वे इस पवित्र स्थल को नहीं भूले. शास्त्री जी ने पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराने की जानकारी दी.

पिछली परंपरा का निर्वहन: गौरतलब है कि इससे पहले 25 नवंबर को गृह मंत्री की शपथ लेने के बाद भी सम्राट चौधरी हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे थे और पूजा-अर्चना के बाद ही उन्होंने कार्यभार संभाला था. यह उनकी आध्यात्मिक परंपरा को जारी रखने का प्रतीक माना जा रहा है. कई लोग इसे बिहार की सांस्कृतिक विरासत और नेतृत्व की धार्मिक निष्ठा से जोड़कर देख रहे हैं.

हरिहरनाथ कॉरिडोर की संभावना: पूजा के दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने सोनपुर के समग्र विकास को अपनी प्राथमिकता बताई. स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि हरिहरनाथ मंदिर को और बेहतर बनाने तथा हरिहरनाथ कॉरिडोर विकसित करने की योजनाएं आगे बढ़ाई जा सकती हैं.

बिहार में सीएसपी संचालक से 9.47 लाख की लूट, नकाबपोश अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

सिवान, एजेंसी। बिहार के सिवान से लूट की बड़ी वारदात सामने आई है. दरअसल जिले के लकड़ी नवीगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े सीएसपी संचालक से 9 लाख 47 हजार रुपए की लूट को अंजाम दिया गया है. पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है.

सिवान में सीएसपी संचालक से लूट : मिली जानकारी के अनुसार, ष्टस्क्क संचालक अपने घर से नकद राशि लेकर केंद्र जा रहा था. इसी दौरान बसौली-पड़ौली बॉर्डर के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने उसे रोक लिया. दो बाइक पर सवार पांच नकाबपोश अपराधियों ने हथियार के बल पर संचालक को अपने कब्जे में लेकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया.

जांच में जुटी पुलिस : यही नहीं अपराधियों ने पीड़ित संचालक का मोबाइल फोन भी लूट लिया. इसके बाद सभी मौके से फरार हो गए. वहीं

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है. थाना प्रभारी कृष्णा शुक्ला ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है.

नाकेबंदी कर अपराधियों की तलाश : वहीं घटना के बाद से इलाके में नाकेबंदी कर अपराधियों की तलाश की जा रही है, हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है. इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है. स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार इस तरह की आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, बावजूद इसके पुलिस द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं.

अक्सर ही सीएसपी संचालक से लूट : यह कोई पहली घटना नहीं है. प्रदेश में आए दिन अपराधी सीएसपी और उसके संचालक को निशाना बनाते रहते हैं. हर जिले से सीएसपी में लूट की खबर सामने आती रहती है. कई बार संचालक कहते हैं कि हम सेफ नहीं हैं.

बिहार में जारी रहेगी शराबबंदी, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद सम्राट चौधरी ने ऑफ कैमरा पत्रकारों से बातचीत की. शराबबंदी से लेकर घुसपैठिए और बिहार के विकास पर क्या करने वाले हैं, तमाम सवालों पर उन्होंने अपना पक्ष रखा. सीएम स्पष्ट कर दिया कि बिहार में आगे भी शराबबंदी जारी रहेगी. होम डिलीवरी पर आने वाले दिनों में कड़ा और बड़ा एक्शन होगा.

घुसपैठिए पर सम्राट चौधरी का फैसला: घुसपैठिए को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि 22 लाख घुसपैठियों की पहचान हो गई है. हमने उनका आधार कार्ड उड़ा दिए हैं. ऐसे लोगों को अब यहां से जाना पड़ेगा. सरकार इनके खिलाफ एक्शन लेगी. उन्होंने कहा कि एसआईआर में जिनका नाम काटा है, सब पर कार्रवाई की तैयारी है.

5 लाख करोड़ निवेश लाने का लक्ष्य: सीएम ने कहा कि नवंबर में जब एनडीए सरकार का एक साल पूरा हो जाएगा, तब तक 5 लाख करोड़ निवेश लाने का हम लोगों ने लक्ष्य रखा है. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ी लकीर खींची है. उस लकीर को पार करना संभव नहीं है लेकिन कुछ अलग जरूर करेंगे.

जल्द जनता दरबार लगाएंगे: भ्रष्टाचार को लेकर सम्राट चौधरी ने कहा कि जीरो टॉलरेंस की नीति रहेगी और मुख्यमंत्री कार्यालय से इसकी समीक्षा की जाएगी. बड़े

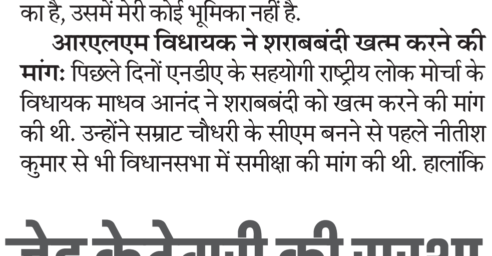

अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने ये भी कहा कि जल्द जनता दरबार की तरह कार्यक्रम शुरू करेंगे लेकिन उसका नाम कुछ और होगा.

विपक्ष में टूट के संकेत: सम्राट चौधरी ने विपक्ष में जल्द बड़ी टूट के संकेत दिए हैं. इसके साथ ही निशांत कुमार पर उन्होंने कहा कि निशांत यदि मेरे मंत्रिमंडल में आते हैं तो खुशी होगी. अभी मंत्रिमंडल में नहीं लाने का फैसला नीतीश कुमार का है, उसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है.

आरएलएम विधायक ने शराबबंदी खत्म करने की मांग: पिछले दिनों एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद ने शराबबंदी को खत्म करने की मांग की थी. उन्होंने सम्राट चौधरी के सीएम बनने से पहले नीतीश कुमार से भी विधानसभा में समीक्षा की मांग की थी. हालांकि

बिहार में सरकारी स्कूल की शिक्षिका का सड़क हादसे में मौत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है. इसमें एक महिला शिक्षिका की मौत हो गई है. जिले के कांटी थाना क्षेत्र की यह घटना है. शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार शिक्षिका को कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

मुजफ्फरपुर में शिक्षिका की मौत : मृतका की पहचान 41 वर्षीय बबीता कुमारी के रूप में हुई है, जो अकुराहा खरगी मध्य विद्यालय में कार्यरत थीं. वह रोज की तरह स्कूटी से स्कूल जा रही थीं. इसी दौरान एनएच-27 पर नेता चौक के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया.

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बबीता कुमारी को आनन-फानन में नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. जहां से डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) रेफर कर दिया. लेकिन अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया.

स्कूल और परिवार में मातम : परिजनों के अनुसार, वह प्रतिदिन स्कूटी से स्कूल जाया करती थीं. घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है. वहीं, विद्यालय की अन्य शिक्षिकाओं ने बताया कि बबीता कुमारी एक सरल, मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ शिक्षिका थीं. उनकी असामयिक मौत से पूरे विद्यालय परिवार में शोक का माहौल है.

बिहार के डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद को मिली जेड केटेगरी की सुरक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने जेडीयू कोटे से बने दोनों उपमुख्यमंत्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया है. उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को अब जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है. इस श्रेणी में कुल 22 पुलिस कर्मियों की तैनाती होगी, जिसमें चार एनएसजी या अर्धसैनिक बल के कमांडो शामिल रहेंगे. सुरक्षा घेरे में मोबाइल सुरक्षा, निवास स्थान की सुरक्षा और एस्कॉर्ट गाड़ियां भी शामिल होंगी.

दोनों उपमुख्यमंत्रियों की बढ़ी सुरक्षाः राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा को लेकर 17 अप्रैल को पुलिस मुख्यालय में राज्य सुरक्षा समिति की बैठक हुई. बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्रियों को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने की अनुशंसा की गई, जिसके बाद संबंधित पत्र भी जारी कर दिया गया है. पहले दोनों नेता नीतीश कुमार सरकार में मंत्री के रूप में कार्यरत थे, लेकिन सम्राट चौधरी की सरकार में उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है.

जेड श्रेणी सुरक्षा में क्या शामिल?ः जेड श्रेणी की सुरक्षा में 22 पुलिसकर्मी तैनात किए जाते हैं. इनमें से चार कमांडो एनएसजी, सीआरपीएफ या आईटीबीपी से

लिए जाते हैं, जबकि बाकी राज्य पुलिस के जवान सुरक्षा घेरे में रहते हैं. मोबाइल सुरक्षा, घर की सुरक्षा और एस्कॉर्ट वाहनों के साथ दोनों उपमुख्यमंत्रियों की सुरक्षा अब और पुख्ता हो गई है. यह व्यवस्था उन्हें किसी भी संभावित खतरे से बचाने के लिए की गई है.

नीतीश कुमार को भी मिली जेड प्लस सुरक्षाः मुख्यमंत्री पद छोड़ने से पहले नीतीश कुमार को बिहार सरकार की ओर से जेड प्लस सुरक्षा दी गई थी. पद छोड़ने के बाद केंद्र सरकार ने पूरे देश में उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान कर दी है. नीतीश कुमार 10 बार बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वर्तमान में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राज्यसभा सदस्य हैं. जेड प्लस सुरक्षा में कुल 55 पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं, जिसमें 10 एनएसजी कमांडो भी शामिल होते हैं.

राज्य सुरक्षा समिति की व्यापक समीक्षाः 17 अप्रैल को हुई राज्य सुरक्षा समिति की बैठक में केवल दोनों उपमुख्यमंत्रियों की ही नहीं, बल्कि बिहार के कई अन्य प्रमुख नेताओं की सुरक्षा की भी समीक्षा की गई. जरूरत के अनुसार कई नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई या समायोजित की गई है. यह बैठक राज्य में वीआईपी सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी.

राजनीतिक महत्वः सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली नई सरकार में जदयू कोटे से दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद उनकी सुरक्षा में वृद्धि को राजनीतिक स्थिरता और नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. नीतीश कुमार की जेड प्लस सुरक्षा भी उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और वर्तमान पद को देखते हुए जारी रखी गई है.

विचार-मंथन

संपादकीय

राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

महंगाई -बढ़ते दामों के बीच आम आदमी की जेब पर दोहरी मार

यह बात छिपी नहीं है कि देश में सामाजिक स्तर पर आर्थिक असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। रोजगार और आय के मामले में देश की बड़ी आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। यह विचित्र बात है कि एक ओर सरकार महंगाई को नियंत्रण में रखने का दावा करती है, तो दूसरी ओर आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसका सीधा असर आम आदमी पर जरूरी खर्च में कटौती और आर्थिक परेशानियों के रूप में देखने को मिल रहा है। जब आय के साधन सीमित हों, तो आम आदमी की यही अपेक्षा होती है कि जरूरी वस्तुओं के दाम उसकी पहुंच में हों, ताकि परिवार के भरण-पोषण का संकट पैदा न हो।मगर हाल के वर्षों में आमदनी उस स्तर पर नहीं बढ़ी है, जितनी तेजी से वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा महंगाई मार्च में बढ़कर 3.4 फीसद हो गई, जबकि फरवरी में यह 3.2 फीसद के स्तर पर थी। खबरों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में संघर्ष से उत्पन्न संकट के कारण खुदरा महंगाई में वृद्धि हुई है। मगर सवाल है कि अगर सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित या स्थिर करने के लिए उचित कदम उठा रही है, तो फिर महंगाई में उछाल कैसे आ रहा है?यह बात छिपी नहीं है कि देश में सामाजिक स्तर पर आर्थिक असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। रोजगार और आय के मामले में देश की बड़ी आबादी के लिए स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। आमदनी में स्थिरता और घटती क्रयशक्ति की स्थिति में जब आवश्यक वस्तुओं पर आम लोगों का खर्च थोड़ा भी बढ़ता है, तो उनके लिए परेशानियां पैदा होना स्वाभाविक है। दरअसल, मार्च में महंगाई के आंकड़ों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा रहा।खुदरा महंगाई से इस बात का पता चलता है कि उपभोक्ताओं की खपत और खर्च की स्थिति क्या है। यही कारण है कि रिजर्व बैंक अपनी नीति तय करते वक्त खुदरा महंगाई को ही आधार बनाता है। सरकार का दावा है कि खुदरा महंगाई अभी रिजर्व बैंक के चार फीसद के औसत अनुमान से नीचे बनी हुई है।

शांत हिमाचल में बढ़ती अपराध की छाया

मंडी जिले के सरकाघाट में सोमवार को मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। कालेज जा रही एक छात्रा की दिन-दहाड़े गला रेत कर हत्या कर दी गई और हमलावर मौके से फरार हो गया। हिमाचल प्रदेश को शांतिप्रिय राज्य माना जाता रहा है। मगर पिछले कुछ वर्षों से यहां अपराध और नशीले पदार्थों का जाल जिस तरह से फैल रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। खासकर महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। युवाओं में नशाखोरी की बढ़ती लत इस समस्या को और गहरा कर रही है। मंडी जिले के सरकाघाट में सोमवार को मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। कालेज जा रही एक छात्रा की दिन-दहाड़े गला रेत कर हत्या कर दी गई और हमलावर मौके से फरार हो गया। खबरों के मुताबिक, आरोपी वारदात के वक्त नशे की हालत में था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सवाल है कि आखिर समाज में कानून का खौफ और मानवीय मूल्य क्यों खत्म होते जा रहे हैं? जाहिर है कि इसके पीछे सुरक्षा एजंसियों का ढुलमुल रवैया और लापरवाही भी जिम्मेदार है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे पहले हमीरपुर जिले में भी पिछले साल नवंबर में ऐसी ही एक घटना सामने आई थी। नशे की हालत में एक किशोर ने खेत में काम कर रही महिला पर दराती से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। कुछ दिन बाद अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। सरकाघाट में हुई वारदात के पीछे क्या कारण थे, इसका पता तो जांच के बाद ही चल पाएगा, लेकिन पुलिस को आशंका है कि इसके पीछे साजिश हो सकती है। सवाल है कि अगर आरोपी को इस कदर नशे की लत थी, तो उसके परिवार या आस-पड़ेस के लोगों ने समय रहते इस संबंध में पुलिस या किसी अन्य संस्था को सूचना क्यों नहीं दी? इसमें दोराय नहीं कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए न केवल कानूनी, बल्कि सामाजिक मोर्चे पर भी काम करने की जरूरत है।

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

(ललित गर्ग)

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है। भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं। भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है। हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें।

परिसीमन मुद्दे पर उत्तर बनाम दक्षिण का नैरेटिव खड़ा कर रहे नेताओं से कुछ सवाल

(नीरज कुमार दुबे)

केंद्र सरकार का तर्क है कि देश की जनसंख्या संरचना में भारी बदलाव आया है और प्रतिनिधित्व को वास्तविक स्थिति के अनुरूप बनाया जाना आवश्यक है। साथ ही महिला आरक्षण को लागू करने के लिए भी यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है। केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच परिसीमन को लेकर छिड़ा विवाद अब राजनीतिक टकराव के नए चरण में पहुंच चुका है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा राज्य भर में काला झंडा प्रदर्शन की घोषणा ने इस मुद्दे को और अधिक तीखा बना दिया है। यह विवाद उत्तर और दक्षिण के बीच राजनीतिक शक्ति संतुलन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जो कई सवाल खड़े करता है। देखा जाये तो परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का पुनर्निर्धारण और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्गठन। संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार यह प्रक्रिया प्रत्येक जनगणना के बाद होनी चाहिए। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें 1971 की जनगणना पर आधारित हैं, क्योंकि लंबे समय से परिसीमन पर रोक लगी हुई थी ताकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों को नुकसान नहीं हो। अब केंद्र सरकार इस रोक को हटाकर 2011 की जनगणना के आधार पर नई व्यवस्था लागू करना चाहती है और सीटों की संख्या को बढ़ाकर लगभग 850 तक करने का प्रस्ताव है। केंद्र का तर्क है कि देश की जनसंख्या संरचना में भारी बदलाव आया है और प्रतिनिधित्व को वास्तविक स्थिति के अनुरूप बनाया जाना आवश्यक है। साथ ही महिला आरक्षण को लागू करने के लिए भी यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लेकिन दक्षिण के कई नेता इस प्रस्ताव को संदेह की नजर से देख रहे हैं। एमके स्टालिन ने इसे दक्षिणी राज्यों के खिलाफ पक्षपात बताया है। उनका कहना है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता पाई, उन्हें इस प्रक्रिया के जरिए दंडित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार ने उनकी चिंताओं को नजरअंदाज किया तो उसे भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने इस मुद्दे को केवल तमिलनाडु का नहीं बल्कि संघीय ढांचे की रक्षा का सवाल बताया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी इस प्रस्ताव पर गंभीर चिंता जताई है। उनका कहना है कि जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक शक्ति को कमजोर कर सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक संतुलित मॉडल अपनाया जाए जिसमें जनसंख्या के साथ-साथ आर्थिक योगदान को भी ध्यान में रखा जाए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी चेतावनी दी है कि यह प्रक्रिया कुछ बड़े राज्यों के पक्ष में शक्ति का केंद्रीकरण कर सकती है और संघीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। देखा जाये तो यहां तक तो बहस एक लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा लगती है, लेकिन जिस तरह से इसे उत्तर बनाम दक्षिण की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, वह चिंताजनक है। भारत एक संघीय गणराज्य है जहां सभी राज्यों की समान भागीदारी और राष्ट्रीय एकता सर्वोपरि है। ऐसे में क्षेत्रीय भावनाओं को भड़काना और राजनीतिक लाभ के लिए विभाजन की रेखाएं खींचना एक गलत मानसिकता को दर्शाता है। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम का बयान भी कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने दावा किया कि परिसीमन से दक्षिणी राज्यों की आवाज दब जाएगी और संसद सत्र को चुनाव के समय बुलाना एक सुनियोजित साजिश है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6066

5		3						
2			3					
	4		7	1		2		3
		5	4				7	1
		4	2		1	8		
6	8				7	5		
1		7		6	9		3	
					4			6
						9		5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6065

2	9	3	1	7	4	8	6	5
5	1	8	6	2	3	4	7	9
6	7	4	9	8	5	2	3	1
3	8	5	2	9	6	1	4	7
1	6	9	8	4	7	5	2	3
7	4	2	5	3	1	9	8	6
4	5	1	7	6	8	3	9	2
8	2	6	3	5	9	7	1	4
9	3	7	4	1	2	6	5	8

वर्ग पहेली 6066

संकेतः बाएं से दाएं
1. 27 अगस्त 1976 की वो बेरहम शाम जब कायनात ने इस प्रसिद्ध पार्श्व गायक को हमसे छीन लिया (3)
4. लिखने वाला, लेखक (3)
7. समालापक, गायक, आलाप लेने वाला (4)
9. मध्यप्रदेश के अंचलों में से एक जहां लता मंगेशकर की जन्म भूमि है (3)
10. उड़ानहीन पक्षी (4)
12. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
14. ईश्वर, प्रभु (3)
16. कौच, किसी को बैठने के लिए बनाया गया एक वस्तु (2)
18. मर्यादा, गौरव, दृढ़ प्रतिज्ञा (2)
19. जालिम, अन्यायी (5)
22. उपहार में देना, रिश्वत देना (6)
24. कोमल, मुलायम, मृदुल (3)
25. पिरोना, नत्थी करना, वशाधीन करना, बस में करना (3)

ऊपर से नीचे
1. निरीक्षण, परीक्षण (उर्दू)(4)
2. इस फल को कदरी या कदली भी कहते है (2)
3. शपथ ग्रहण करने वाला, शपथ ग्रहीता, शपथी (5)
4. कामेश्वरी देवी का एक नाम, तंत्रोक्त की एक देव की मूर्ति (3)
5. शरीर पर काले रंग का ऊभरा हुआ दाग या धब्बा (2)
6. यह रोग पाइल्स भी कहलाता है (4)
8. बीता या आने वाला दिन (2)
11. क्षण, लम्हा (2)
13. वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पड़े (5)
15. काव्य मर्मज्ञ (3)
16. गुजरात में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक (4)
17. होलिकात्सव पर गाया जाने वाली गीत (2)
18. मुंखमंडल, चेहरा (3)
20. सद्गति प्राप्त करना (3)
21. जले या कटे हुए कपड़े को तागे से भरकर उसे बराबर करना (2)
23. प्रेमकर्ता, प्रसन्ताप्रद (2)

वर्ग पहेली 6065 का हल

अ	मे	रि	का		रो	च	ना
शो	ला		या	द	क	र	ना
क		अ	प	ना		क	
कु	रू		ल	द	ना		शै
मा	प		ट	न	क	ना	
र	व					ते	ज
	ती	ज	न	बा	ई		ल
		या	द	बू	द		ना

आज का राशिफल

मेष
आज चंद्रमा आपकी राशि के पहले भाव में संचरण करेंगे.आज आपका दिन थोड़ी भागदौड़ वाला रह सकता है, लेकिन इसी भागदौड़ में आपको कुछ अच्छे मौके भी मिलेंगे. मन में कई विचार एक साथ चलेंगे, जिससे थोड़ी उलझन भी हो सकती है. घर-परिवार में आपकी बात सुनी जाएगी. आज अपने फैसलों पर भरोसा रखना जरूरी है। घर में माहौल ठीक रहेगा।

वृष
आज चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा रहेगा. आप जो ठान लेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे. आज आपकी इच्छाशक्ति मजबूत रहेगी, जिससे मुश्किल काम भी आसान लगेंगे. हालांकि गुस्से पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो छोटी बात बड़ी बन सकती है. दिन के अंत में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। घर में थोड़ी बहस हो सकती है।

मिथुन
आज चंद्रमा आपकी राशि के पंचम भाव में संचरण करेंगे.आज आपका दिन काफी सकारात्मक रहने वाला है. मन में उत्साह रहेगा और आप नए काम करने के लिए तैयार रहेंगे. आज आप अपनी सोच से दूसरों को भी प्रभावित कर सकते हैं. कहीं से अचानक लाभ मिलने के संकेत हैं।

तुला
आज चंद्रमा आपकी राशि के द्वादश भाव में संचरण करेंगे.आज आपका दिन काफी स्थिर और संतुलित नजर आ रहा है. आप जो भी काम करेंगे, उसमें धीरे-धीरे सफलता मिलेगी. मन शांत रहेगा और फैसले लेने में आसानी होगी. आर्थिक मामलों में भी सुधार के संकेत हैं. आज किसी पुराने दोस्त से बातचीत हो सकती है, जिससे मन खुश रहेगा।

वृश्चिक
आज चंद्रमा आपकी राशि के दशम भाव में संचरण करेंगे.आज आपका मन थोड़ा भावुक रह सकता है. छोटी-छोटी बातों का असर जल्दी पड़ेगा, इसलिए खुद को संतुलित रखना जरूरी है. दिन के दूसरे हिस्से में स्थिति बेहतर होगी और कुछ अच्छी खबर भी मिल सकती है. पुराने कामों को पूरा करने का सही समय है। घर में प्यार और अपनापन रहेगा. माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

धनु
आज चंद्रमा आपकी राशि के एकादश भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन आपके लिए थोड़ा व्यस्त लेकिन फायदेमंद रहने वाला है. कई काम एक साथ आ सकते हैं, जिससे आप थोड़ा दबाव महसूस करेंगे. लेकिन आपकी समझदारी आपको सही रास्ता दिखाएगी. आज नए लोगों से मिलने का मौका मिलेगा, जो आगे काम आ सकते हैं। घर में थोड़ी हलचल रहेगी।

कर्क
आज चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन आपके लिए थोड़ा अलग सोच और नए नजरिए के साथ आगे बढ़ने का है. आप चीजों को सामान्य तरीके से नहीं बल्कि कुछ हटकर करने की कोशिश करेंगे, जो आपको दूसरों से अलग बनाएगा. मन में नए आइडियाज आएंगे और अगर आप उन पर काम करते हैं तो अच्छा फायदा मिल सकता है।

सिंह
आज चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में संचरण करेंगे.आज आपका दिन थोड़ा भावनात्मक लेकिन खास रहेगा. आप अपने दिल की सुनेंगे और दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहेंगे. आज कोई पुरानी याद या व्यक्ति आपके मन में आ सकता है. आपकी संवेदनशीलता आपको दूसरों के करीब लाएगी. दिन के अंत में मन को शांति मिलेगी।

कन्या
आज चंद्रमा आपकी राशि के चौथे भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन थोड़ा मेहनत वाला रहेगा, लेकिन इसका फल भी आपको जरूर मिलेगा. आप अपने काम में पूरी ईमानदारी दिखाएंगे, जिससे लोगों का भरोसा बढ़ेगा. आज धैर्य रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि कुछ काम देर से पूरे होंगे. आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं। घर में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

मकर
आज चंद्रमा आपकी राशि के नवम भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा रहेगा. जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की पूरी संभावना है. लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे. आज कुछ नया करने का मन करेगा और उसमें आपको सफलता भी मिलेगी। घर में खुशी का माहौल रहेगा. परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे. किसी शुभ समाचार की संभावना है।

कुंभ
आज चंद्रमा आपकी राशि के अष्टम भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन आपके लिए सोच-समझकर आगे बढ़ने वाला है. मन में कई योजनाएं बनेंगी, लेकिन हर काम में जल्दबाजी से बचना जरूरी रहेगा. आज आप चीजों को गहराई से समझने की कोशिश करेंगे, जिससे सही फैसले ले पाएंगे. आसपास के लोग आपसे सलाह भी ले सकते हैं. अपने समय का सही इस्तेमाल करना आज आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगा।

मीन
आज चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव में संचरण करेंगे.आज का दिन संतुलन बनाने का है. कई बार आपको दो विकल्पों के बीच चुनाव करना पड़ सकता है, लेकिन आपकी समझदारी आपको सही दिशा देगी. मन में थोड़ी उलझन जरूर रहेगी, लेकिन धीरे-धीरे चीजें साफ होती जाएंगी. आज आप अपने व्यवहार से लोगों का दिल जीत सकते हैं. किसी पुराने रिश्ते में फिर से नजदीकियां आ सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

‘आप पर्दे पर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, असल में नहीं’

प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ को-एक्टर थलापति विजय पर कसा तंज

अभिनेता प्रकाश राज अपने बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। वो अक्सर ही केंद्र सरकार पर निशाना भी साधते रहते हैं। अब प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ के अपने को-एक्टर थलापति विजय के राजनीति में प्रवेश करने पर कटाक्ष किया है। विजय अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ आगामी तमिलनाडु चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में प्रकाश राज ने राजनीति के सिनेमा मॉडल पर निशाना साधा है।

प्रकाश राज ने राजनीति में फिल्मी सितारों के आने पर कसा तंज

पलानी में सीपीआई (एम) उम्मीदवार एन पांडी के लिए आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में बोलते हुए प्रकाश राज ने राज्य में प्रचलित तीन राजनीतिक दृष्टिकोणों का उल्लेख किया - द्रविड़ मॉडल, दास मॉडल और सिनेमा मॉडल। सभा को संबोधित करते हुए प्रकाश राज ने फिल्म सितारों के राजनीति में आने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जो स्पष्ट रूप से विजय की ओर इशारा था।

‘कमर्शियल एक्टर्स’ पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार ‘कमर्शियल’ एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, ‘अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?’

एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन ‘कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके। ‘ उन्होंने आगे कहा, ‘किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

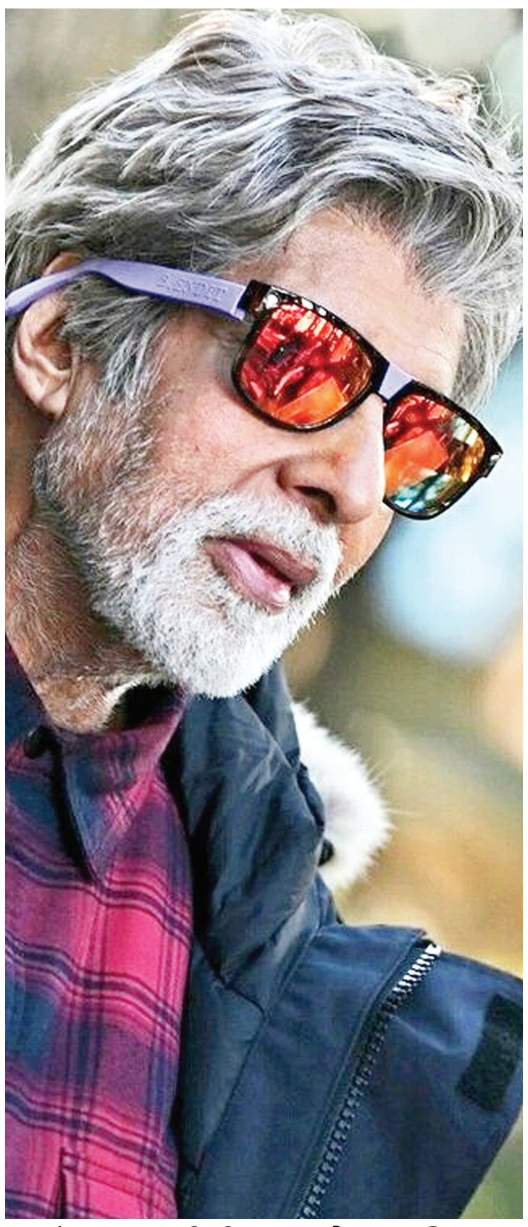

‘समय जल्दी बीत जाता है...’, अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, ‘बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।’

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, ‘धैर्य उस पहेली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। लेकिन इसका फल मिलता है और बहुत अच्छा मिलता है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।’ उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ‘किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।

कहा- अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करार जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘’मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।’’ पत्रलेखा ने कहा, ‘’प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।’’

पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘’मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ‘’अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।

इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने किया दावा

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंफ्लुएंसर ने बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ‘वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ ‘क्यूट’ कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।’ तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया।

उन्होंने कहा, ‘मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूं। मुझमें वह मासूमियत अभी भी है। मेरे अंदर का बच्चा अभी भी जिंदा और हमेशा बरकरार रहेगा। उन्होंने मेरी तारीफ की थी, मुझे अच्छा लगा, बात खत्म। ‘ अभिनेत्री ने आगे कहा, ‘मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनकी तारीफ ही की थी।

‘ उन्होंने कहा, ‘चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूं और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया। ‘ तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीआर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता।

मेरा कोई पीआर नहीं है। इंफ्लुएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

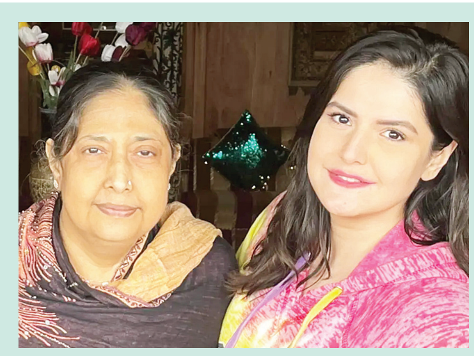

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, ‘आपके बिना सब खाली है’

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, ‘निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे लिखा, ‘मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। ‘ अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म ‘वीर’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आईं जरीन ने ‘हाउसफुल 2’, ‘हेट स्टोरी 3’ और ‘अक्सर 2’ जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें मुख्य रूप से ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

अगले साल रिलीज होगी ‘लव एंड वॉर’

भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है ‘लव एंड वॉर’... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े

कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की।

इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ’लव एंड वॉर’ एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म ‘सांवरिया’ में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के बाद फिर से काम कर रहे हैं। ’लव एंड वॉर’ की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

जेवर एयरपोर्ट के पास दो गुना मुआवजे के लालच में रात में लेंटर डालते पकड़ा

जेवर, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहण की जा रही जमीन पर दो गुने

मुआवजे के लालच में हो रहे निर्माण पर तहसील प्रशासन बेहद सख्ती बरत रहा है। बृहस्पतिवार तड़के तहसील प्रशासन की टीम ने जेवर के मुकीमपुर सिवारा गांव में चार लोगों द्वारा रात के अंधेरे में लेंटर डालने की सूचना मिली थी। तड़के तीन बजे टीम ने मौके पर पहुंची तो आरोपित काम बंद कर मौके से भाग खड़े हुए। टीम ने मौके से पकड़ी गई गाड़ी को पुलिस को सौंपते हुए सीज करा दिया। निर्माण करने वाले चार लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के लिए पुलिस को शिकायत दी है। निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाली फर्म को प्रतिबंधित क्षेत्र में आपूर्ति न करने की चेतावनी देते हुए भविष्य में पकड़े जाने पर फर्म को ब्लैक लिस्ट करने का नोटिस भी दिया गया। उपजिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के दूसरे व तीसरे चरण के लिए जेवर के 21 गांव की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इस जमीन पर कुछ लोग धारा 11 के बाद नियमों का उल्लंघन करते हुए दुर्भावना से प्रेरित होकर अनुचित लाभ लेने एवं राज्य सरकार को वित्तीय क्षति पहुंचाने के लिए अवैध निर्माण कर रहे हैं। बृहस्पतिवार सुबह तीन बजे उन्हें जेवर के मुकीमपुर सिवारा गांव की एक बीघा जमीन पर लेंटर डालने की सूचना मिली थी।

मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास जेड चौक पर जाम से राहत

नया गुरुग्राम, एजेंसी। शहर के सबसे व्यस्त जंक्शनों में शामिल मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास स्थित जेड चौक पर लगने वाले रोजाना जाम से राहत दिलाने की कवायद तेज हो गई है। प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि एक महीने के भीतर इस चौक के लिए प्रभावी यातायात प्रबंधन योजना तैयार की जाए। दरअसल, जेड चौक से प्रतिदिन करीब एक लाख वाहन गुजरते हैं। दिल्ली-जयपुर हाईवे और गोल्फ कोर्स रोड की ओर जाने वाले वाहनों का भारी दबाव यहां सुबह-शाम पीक

आवर्स में जाम की स्थिति पैदा कर देता है। कई बार वाहन चालकों को इस चौराहे को पार करने में 10 से 15 मिनट तक लग जाते हैं। इसी को देखते हुए मंत्री ने जीएमडीए, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग तथा गुरुग्राम व मानेसर नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी विभाग के डीटीपीई अमित मधोलिया को सौंपी गई है। जीएमडीए ने इसके लिए करीब 80 करोड़ रुपये का प्रारंभिक अनुमान तैयार किया है जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मंजूरी मिल चुकी है। फिलहाल परियोजना की डीपीआर तैयार की जा रही है। साथ ही, गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड द्वारा ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के सामने एक नया मेट्रो स्टेशन विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच का अहम आदेश

बिजली कनेक्शन मौलिक अधिकार का हिस्सा

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए गुरुवार को कहा कि बिजली कनेक्शन पाना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उसके निवास स्थान पर बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित नहीं किया जा सकता है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने याचिका कर्ता को नया बिजली कनेक्शन देने का आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति एके चौधरी की बेंच ने प्रीति शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में कहा गया था कि याची पिछले करीब 20 वर्षों से एक घर में रह रही हैं। उनके छोटे बच्चे भी हैं। आरोप है कि पारिवारिक विवाद के चलते ससुराल पक्ष के लोगों ने उनका बिजली कनेक्शन कटवा दिया जबकि वह नियमित रूप से बिजली के बिल का भुगतान कर रही थीं। कनेक्शन कटने के बाद उन्होंने नए कनेक्शन के लिए आवेदन किया था लेकिन बिजली विभाग ने कनेक्शन नहीं दिया। बिजली से वंचित होने के कारण बच्चों की पढ़ाई और परीक्षाओं की तैयारी पर बुरा असर पड़ रहा था। इस याचिका पर हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी परिसर में निवास कर रहा है, तो वह बिजली जैसी मूलभूत सुविधा का हकदार है। यह अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है। कोर्ट ने बिजली विभाग

द्वारा आवेदन खारिज करने के आदेश को रद कर दिया और निर्देश दिया कि याची के आवेदन पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके चार हफ्ते के अंदर नया कनेक्शन दे। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि जरूरत होने पर विभाग याची से कोई बांड ले सकता है।

बड़ी संख्या में भटक रहे लोग

बिजली कनेक्शन के मौलिक अधिकार का हिस्सा होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कनेक्शन के लिए भटक रहे हैं। बिजली कनेक्शन न मिल पाने की सबसे बड़ी वजह परिसर पर बकाया होना है। भले ही मकान बहुत पुराना है और वह कई बार खरीदा और बेचा जा चुका हो। दूसरी वजह मकान मालिक का किरायेदार को कनेक्शन देने से मना करना है। हालांकि किरायेदार के बंधपत्र देने के बाद प्रीपेड कनेक्शन देने का प्रावधान है लेकिन विभाग विवाद से बचने के लिए कनेक्शन नहीं देता है।

क्या बोले अधिकारी

केस्को के एमडी सैमुअल पॉल एन ने बताया कि बकाया पर कनेक्शन नहीं दिया जाता है। गैर विद्युतीकरण इलाकों में कनेक्शन देने के लिए 70 रुपए प्रति वर्ग फुट की दर से भुगतान करने पर कनेक्शन मिलता है।

मकान बेचकर वर्षों पहले चले गए, अब कनेक्शन का रोड़ा

कानपुर में बड़ी तादाद में ऐसे लोग हैं, जिन्हें मकान-दुकान पर बकाया होने से कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। कइयों ने मकान तो खरीद लिया लेकिन कनेक्शन का आवेदन पर केस्को ने बताया कि उस परिसर पर वर्षों पहले का बिजली बिल बाकी है, जो सरचार्ज के बाद बहुत अधिक हो चुका है। इसमें हातों में रहने वाले लोग अधिक प्रभावित होते हैं। हाता का मकान नंबर एक होता है, लेकिन मकान 100 से अधिक तक हो सकते हैं। शहर में बड़ी तादाद ऐसे लोगों की है, जिन्हें कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है। गैरविद्युतीकृत वाले क्षेत्रों के निवासियों को कनेक्शन देने के लिए नियामक आयोग ने परिसर के क्षेत्रफल का अमाउंट 70 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से जमा कर कनेक्शन ले सकते हैं। इस नियम के लागू हुए करीब एक साल हुए हैं। लेकिन उन्हें कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। इस योजना के तहत उपभोक्ता लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

गुरुग्राम में पिंक कैब योजना से 10 हजार महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

सरकार देगी ये मदद

गुरुग्राम , एजेंसी। अपने खुद के रोजगार का सपना देख रही महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। गुरुग्राम जिले में पिंक कैब योजना से दस हजार गरीब-शिक्षित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। योजना के तहत महिलाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चलाने का विशेष प्रशिक्षण मिलेगा।

प्रशिक्षण के बाद ई-कैब खरीदने के लिए उन्हें 10 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण दिए जाएंगे। इससे महिलाएं न केवल स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी, बल्कि परिवहन क्षेत्र में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकेंगी।

पिंक कैब योजना को लखपति दीदी से जोड़ा गया: गुरुग्राम में जल्द ही पिंक कैब योजना शुरू कर महिलाओं को वाहन चलाने का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता और सुरक्षा की भावना बढ़ सके। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को न

सिर्फ रोजगार देना है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और सम्मान जनक आजीविका उपलब्ध कराना भी है। महिलाओं को इलेक्ट्रिक वाहन चलाने के लिए बैंकों से ऋण मिलेंगे। ऋण पर पांच लाख तक क्रेडिट गारंटी और तीन लाख पर ब्याज में छूट होगी। पिंक कैब योजना को केंद्र सरकार की लखपति दीदी से जोड़ा गया है, ताकि महिलाएं नियमित आय स्रोत से जुड़ सकेंगी। गुरुग्राम में दस हजार से अधिक महिलाएं योजना से जोड़ने की तैयारी शुरू कर दी गई है। एडीसी सोनू भट्ट की ओर से सभी बैंकों को इस योजना को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए है। पिंक कैब योजना के तहत महिलाएं स्वयं वाहन चलाकर आय अर्जित कर सकेंगी। इसमें वाहन चलाने का प्रशिक्षण, इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए दस लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण, सुरक्षित परिवहन सेवाओं से जोड़ने की व्यवस्था होगी। जिला अग्रणी प्रबंधन विनोद कुमार बजाज ने कहा कि पिंक कैब योजना के तहत महिलाएं स्वयं वाहन चलाकर आय अर्जित कर सकेंगी और परिवहन क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ा सकेंगी।

सपा कार्यालय के बाहर महिलाओं का प्रदर्शन

अपर्णा यादव ने सपा-कांग्रेस का झंडा जलाया; बोलीं- नारी शक्ति इन्हें माफ नहीं करेगी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी टकराव खुलकर सामने आ गया। भाजपा नेता और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार देर रात विधानसभा के सामने समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सपा और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और दोनों दलों के झंडे जलाकर विरोध जताया। अपर्णा यादव ने कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण के मुद्दे पर सिर्फ दिखावा कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल कभी नहीं चाहते कि आम घर की महिलाएं आगे बढ़कर संसद तक पहुंचें। उनके मुताबिक, ये दल केवल अपने परिवारवाद को आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं और 'नारी

शक्ति' उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने महिला आरक्षण कानून पास कराने के लिए गंभीर प्रयास किए, लेकिन जो कुछ लोकसभा में हुआ वह 'कलंकित करने वाली घटना' है। अपर्णा ने कहा कि अगर बिल पास हो जाता तो देशभर में जश्न मनाया जाता, जिसके लिए पहले से कार्यक्रम तय किए जा रहे थे। अखिलेश यादव व राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए। महिला आयोग की एक सदस्य ने कहा कि बिल पास न होने से महिलाओं की उम्मीदें टूट गईं और इसके लिए विपक्ष जिम्मेदार है। वहीं अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा कि भाजपा को प्रदर्शन के लिए 'कम से कम 12 महिलाएं' तो भेजनी चाहिए थीं। दरअसल महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संविधान संशोधन विधेयक 2026 लोकसभा में गिर गया। मत विभाजन के दौरान इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े।

ग्रेटर नोएडा में शादी के मौसम में गहराया सिलिंडर संकट

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। सहालग शुरू होते ही गैस सिलिंडर की किल्लत तेज हो गई है। शादी-ब्याह के मौसम में एलपीजी एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। बारी आने पर लोगों को कल आने का आश्वासन मिल रहा है। गोदाम से सिर्फ 100 लोगों को ही सिलिंडर दिए जा रहे हैं। लोग शादी का कार्ड हाथ में लेकर सिलिंडर के लिए चक्कर काट रहे हैं। जिससे आम उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। दरअसल, जिला प्रशासन ने गैस वितरक एजेंसियों को शादी समारोह के लिए सिलिंडर वितरण के लिए सख्त निर्देश पूर्व में ही जारी कर दिए हैं। अतिरिक्त या कमर्शियल सिलिंडर जारी करने से पहले भौतिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। शादी समारोहों में अतिथि और रिश्तेदारों की बढ़ती संख्या से गैस की खपत अचानक बढ़ गई है। घरों में बड़े-बड़े भंडारे, रसोई और विवाह आयोजन हो रहे हैं, जिससे मांग सामान्य से कई गुना बढ़ गई

दुष्कर्म के आरोपित ढोंगी खरात के सहयोगी की सड़क हादसे में मौत

मुंबई।, एजेंसी। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक ट्रक से कार के टकराने से जेल में बंद ढोंगी बाबा अशोक खरात के करीबी सहयोगी और उनकी पत्नी की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान जितेंद्र शेल्के और उनकी पत्नी अनुराधा के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। शेल्के खरात के करीबी सहयोगी थे। अधिकारी के अनुसार, शेल्के खरात के व्यापारिक साझेदार और उसके द्वारा स्थापित शिवानिका ट्रस्ट के उपाध्यक्ष भी थे। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना दोपहर करीब 12 बजे पश्चिमी महाराष्ट्र के कोपरगांव पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले धोत्रे गांव के पास हुई, जो मुंबई से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। कार चला रहे शेल्के, उनकी पत्नी और बेटा छत्रपति संभाजीनगर से मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे होते हुए ठाणे आ रहे थे। धोत्रे पहुंचते ही शेल्के ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी कार टकरा गई। अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे ने बताया कि पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

योगी कैबिनेट विस्तार को हरी झंडी जल्द, प्रधानमंत्री मोदी और नितिन नवीन से मिले यूपी बीजेपी अध्यक्ष

लखनऊ, एजेंसी। योगी मंत्रिमंडल के विस्तार और प्रदेश भाजपा की नई टीम के गठन को हरी झंडी दिए जाने का काम अंतिम चरण में है। गुरुवार को देर रात तक भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के यहां यूपी को लेकर चली मैराथन बैठक के बाद शनिवार शाम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई। इस मुलाकात में यूपी को लेकर विमर्श की खबर है।

चर्चा है कि टीम योगी के विस्तार को जल्द हरी झंडी मिल सकती है। इसके लेकर दिल्ली में इन दिनों मंथन का सिलसिला चल रहा है। इसे लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन दो दिन से दिल्ली में ही डेरा डाले हैं। गुरुवार को देर रात तक भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष के साथ प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री संगठन की लंबी बैठक हुई थी।

यह बैठक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े के दो दिनी लखनऊ यात्रा की रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद हुई। हालांकि इस मुलाकात की कोई तस्वीर जारी नहीं हुई। पार्टी में चल रही इस पूरी कवायद के मूल में सर्वाधिक चर्चा मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर है। बता दें कि टीम योगी में अभी 54 मंत्री हैं और छह पद रिक्त हैं। वहीं प्रदेश की नई टीम का भी गठन होना है। आयोग, निगम, बोर्डों के खाली पदों को उसके बाद ही भरे

जाने की संभावना है। लखनऊ दौरे के दौरान तावड़े ने पार्टी के राज्य मुख्यालय पर दिनभर वरिष्ठ नेताओं से बंद कमरे में मुलाकात की। उनसे रायशुमारी के साथ ही सूबे की सियासत का जमीनी फीडबैक भी लिया योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाएं इन दिनों फिर तेज हैं। वहीं करीब तीन दर्जन आयोग-निगम, बोर्डों के खाली पदों को भरे जाने की कवायद भी बीते काफी दिनों से चल रही है। इसके अलावा प्रदेश संगठन की नई टीम भी बननी है। इन्हीं सबको लेकर इन दिनों पार्टी में सरगर्मियां तेज हैं। यूपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी।पार्टी सूत्रों की मानें तो जिन लोगों ने मुलाकात की उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधे जाने पर जोर दिया। अवध क्षेत्र में पासी और कुर्मियों की नाराजगी के कारण पार्टी को नुकसान हुआ। इसी तरह ब्राह्मणों की नाराजगी का विषय भी लगातार उठता है। सुझाव दिया गया कि पार्टी को बैकवर्ड राजनीति करनी है तो अगड़ों को भी साधना होगा।

कई जातियों में बिखराव की अटकलें

आयोग, निगम, बोर्डों के खाली पदों को भी जल्द भरे जाने की बात कही गई क्योंकि पहले ही काफी विलंब हो चुका है। इसके अलावा 2014 की तर्ज पर पार्टी के सामाजिक समीकरणों को फिर दुरुस्त करने का फीडबैक भी दिया गया है। कहा गया कि यह ताना-बाना बिखरा है।

वेदांता पावर प्लांट ब्लास्ट: बॉयलर में ईंधन और दबाव बढ़ने से हुआ था विस्फोट; तकनीकी जांच में बड़ी चूक उजागर

सक्ती , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में हुए विस्फोट की प्रारंभिक तकनीकी जांच में पता चला है कि बॉयलर फर्नेस के अंदर अत्यधिक मात्रा में ईंधन जमा होने से तेज दबाव बना, जिसके कारण विस्फोट हुआ। अधिकारियों ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सिंघीतराई गांव स्थित इस प्लांट में 14 अप्रैल को हुए धमाके में 20 मजदूरों की मौत हो गई थी और 16 अन्य घायल हो गए थे। हादसा उस समय हुआ, जब बॉयलर से टर्बाइन तक हाई प्रेशर वाली भाप ले जाने वाला स्टील पाइप फट गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, डभरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंघीतराई गांव स्थित वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को दोपहर 2:33 बजे बॉयलर-एक में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें भारी जनहानि हुई। बॉयलर फटने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए रायगढ़ जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद बॉयलर मुख्य निरीक्षक की प्रारंभिक तकनीकी रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि फर्नेस के भीतर अत्यधिक ईंधन जमा होने से दबाव बढ़ गया, जिससे बॉयलर में

विस्फोट हुआ। दबाव बढ़ने के कारण बॉयलर का निचला पाइप अपनी स्थिति से हट गया, जिसके चलते यह गंभीर दुर्घटना हुई। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल), सक्ती की रिपोर्ट में भी यह पुष्टि हुई है कि अत्यधिक ईंधन संचय और उससे उत्पन्न अतिरिक्त दबाव ही विस्फोट का मुख्य कारण रहा। जांच में यह भी सामने आया कि वेदांता कंपनी तथा एनजीएसएल द्वारा मशीनरी और उपकरणों के रखरखाव तथा संचालन संबंधी मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया। उपकरणों की देखरेख में लापरवाही और संचालन में उपेक्षा के कारण बॉयलर के दबाव में अचानक उतार-चढ़ाव आया, जिससे यह हादसा हुआ। अधिकारियों के अनुसार उपलब्ध साक्ष्यों और तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर लापरवाही स्पष्ट पाई गई है। इन परिस्थितियों में पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देश पर वेदांता कंपनी के जिम्मेदार लोगों सहित कई अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हिमाचल में कांस्टेबल के 1000 पद भरे जाएंगे, रिटायर्ड प्रोफेसरों को दोबारा मौका; कैबिनेट ने कई फैसले लिए

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पंचायत व शहरी निकाय चुनाव से पहले नौकरी का पिटारा खोलते हुए कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने विभिन्न विभागों में 1550 पद भरने समेत कई अहम फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने बजट घोषणाओं को आगे बढ़ाते हुए किसानों, युवाओं, कर्मचारियों और आम लोगों से जुड़े कई निर्णय मंजूर किए।

एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी: कैबिनेट ने प्राकृतिक खेती से उत्पादित फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके तहत गेहूं का एमएसपी 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलो, मक्की 40 रुपये से 50 रुपये प्रति किलो, चंबा जिले की पांगी घाटी के जौ का स्स्क60 रुपये से 80 रुपये प्रति किलो, कच्ची हल्दी का स्स्क90 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रति किलो कर दिया गया है। वहीं अदरक को 30 रुपये प्रति किलो स्स्क पर खरीदने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए अलग-अलग जिलों में खरीद केंद्र खोलने की मंजूरी भी दी गई है।

इन विभागों में नियुक्तियां: युवाओं को रोजगार देने के लिए कैबिनेट ने पुलिस विभाग में 1000 पुलिस कांस्टेबल के पद भरने को मंजूरी दी है। इनमें लगभग 30 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए रखे जाएंगे। इसके अलावा वन विभाग में 500 असिस्टेंट फॉरेस्ट गार्ड के पद भरने का निर्णय लिया गया है, जिनमें 50 प्रतिशत पद वन मित्रों के लिए आरक्षित रहेंगे। राजस्व विभाग के सेवानिवृत्त 8 नायब तहसीलदार, 20 कानूनगो और 44 पटवारियों को निश्चित मानदेय पर वन विभाग में सेवाएं देने के लिए नियुक्त करने का फैसला भी लिया गया है। साथ ही वन विभाग के 10 टेरिटोरियल सर्किलों में 10 लीगल कंसल्टेंट रखने की मंजूरी भी दी गई है।

रिटायर्ड प्रोफेसरों की नियुक्ति: राज्य के नए मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी दूर करने के लिए कैबिनेट ने सेवानिवृत्त मेडिकल प्रोफेसरों को अनुबंध आधार पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार इन प्रोफेसरों को आकर्षक मानदेय दिया जाएगा, जबकि रेडियोलॉजी विशेषज्ञों को इससे अधिक मानदेय देने का प्रावधान रखा गया है, ताकि कॉलेजों में पढ़ाई और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन में संशोधन

कैबिनेट ने जिला सिरमौर में जल शक्ति विभाग के डिवीजनों के प्रशासनिक ढांचे को विधानसभा क्षेत्रों के आधार पर पुनर्गठित करने का फैसला भी लिया है, जिससे लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। सामाजिक सुरक्षा पेंशन समय पर लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए हिमाचल प्रदेश सामाजिक सुरक्षा (पेंशन/भत्ता) नियम, 2010 के नियम 10 (2) और (3) में संशोधन करने को भी मंजूरी दी गई है। सरकार ने फायर एनओसी की प्रक्रिया को सरल बनाने का निर्णय लिया है। इससे होम स्टे मालिकों को राहत मिलेगी और कारोबार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही सुरक्षा मानकों को भी मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा राज्य के युवाओं को सेना में भर्ती के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से परमवीर चक्र विजेता ऑनरेरी कैप्टन संजय कुमार की सेवाएं 1 मई 2026 से लेने का फैसला किया गया है। कैबिनेट ने वर्ष 2006 की जलविद्युत नीति के तहत पात्र स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों को 71 लघु जलविद्युत परियोजनाएं आवंटित करने का निर्णय लिया है। वहीं हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए चार इनोवा वाहन खरीदने को भी मंजूरी दी गई है। इन सभी फैसलों को पंचायत और शहरी निकाय चुनावों से पहले अहम माना जा रहा है। प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनाव की तैयारी चल रही है और जल्द ही आदर्श आचार संहिता लागू होने की संभावना है। ऐसे में माना जा रहा है कि आचार संहिता लगने से पहले यह कैबिनेट की आखिरी बैठक हो सकती है।

अमेरिका में लोकेश सत्यनाथन ने लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता

● 8.21 मीटर छलांग लगाई ● नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन डिवीजन-आई खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय

अर्कांसस (एजेंसी)। भारतीय लॉन्ग जंपर लोकेश सत्यनाथन ने अमेरिका के अर्कांसस में आयोजित एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) डिवीजन-आई चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। लोकेश ने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपना पिछला इंडोर नेशनल रिकॉर्ड (8.01 मीटर) तोड़ा, बल्कि वे यह खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं।

केजीएफ के डायलॉग से मिलती है प्रेरणा – टेक्सास के टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी में हेल्थ साइंस की पढ़ाई कर रहे लोकेश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद को देते हैं। वे फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 के उस दृश्य को याद करते हैं जिसमें नायक अपनी मां से कहता है,यही तुम्हारा सपना था और अब मैं इसे जीतकर दिखाऊंगा।' लोकेश के मुताबिक, अपनी मां के त्याग और उनके शब्दों को याद करने पर आज भी उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हादसे में चेहरे पर आई थीं गंभीर चोटें, फिर भी नहीं हारी हिम्मत लोकेश की यह कामयाबी आसान नहीं थी। साल 2022 में अमेरिका जाने से पहले बेंगलुरु में उनका एक भयानक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। चोटों, दर्द और करियर में आए उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने अपने पिता की ताकत और मां के विश्वास के दम पर मैदान पर वापसी की।

ऑल टाइम लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंचे – इस शानदार जीत के साथ लोकेश सत्यनाथन अब भारत के ऑल टाइम लॉन्ग जंपर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे अब केवल जेस्विन एल्ड्रिन और मुरली श्रीशंकर जैसे स्थापित नाम ही हैं।

नोवाक जोकोविच चोट के कारण मैड्रिड ओपन से हटे

मैड्रिड (एजेंसी)। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने लंबे समय से चली आ रही चोट के कारण मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने इंडियन वेल्स में आयोजित बीएनपी परीबस ओपन के बाद से कोई प्रतियोगिता नहीं खेली है। वह दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन से बाहर रहे थे और मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया। जोकोविच ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, दुर्भाग्यवश, मैं इस साल मैड्रिड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। मैं जल्द वापसी के लिए अपनी रिकवरी जारी रखे हुए हूं। हस्ता प्रोंतो (जल्द ही फिर मिलेंगे)। जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रह चुके हैं। टूर्नामेंट की ओर से जारी बयान में कहा गया, हम उम्मीद करते हैं कि आप जल्द ही यहां वापसी करेंगे, ताकि हम काजा मागिका (मैंड्रिड ओपन की मेजबानी करने वाले स्टेडियम) में एक बार फिर आपके खेल का आनंद ले सकें। जैसा कि हमने पहले कई बार किया है।

आज अजेय पंजाब किंग्स के सामने लखनऊ सुपर जाइंट्स

पंत की चोट से जूझ रही है लखनऊ सुपर जाइंट्स

मुल्लांपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स रविवार को मुल्लांपुर में खेले जाने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी। पंजाब इस सीजन में शानदार फॉर्म में है, जबकि लखनऊ संघर्ष करता नजर आ रहा है। कप्तान ऋषभ पंत की चोट ने एलएसजी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, जिससे यह मुकाबला और भी अहम बन गया है।

पंजाब किंग्स का दमदार प्रदर्शन – पंजाब किंग्स इस सीजन में अब तक अजेय रही है और टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हुआ था। कप्तान श्रेयर्स अय्यर की अगुवाई में टीम का नेट रन रेट +1.067 है, जो उनकी मजबूत बल्लेबाजी और शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।

लक्ष्य का पीछा करने में माहिर पंजाब – पंजाब किंग्स ने 2025 से अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 में से 9 मुकाबले जीते हैं, जो टीम की बेहतरीन रणनीति और आत्मविश्वास को दिखाता है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ हालिया जीत में भी यह बात साफ नजर आई, जहां टीम ने दबाव में शानदार खेल दिखाया।

लखनऊ के लिए बढ़ी मुश्किलें – लखनऊ सुपर किंग्स फिलहाल अंक तालिका में सातवें स्थान पर है और लगातार दो हार के बाद दबाव में है। टीम का प्रदर्शन इस सीजन में उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जिससे खिलाड़ियों पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है।

पंत की चोट बनी चिंता – पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत महज तीन गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे, हालांकि बाद में वह बल्लेबाजी के लिए लौटे लेकिन उनकी कोहनी पर पट्टी बंधी थी। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ है, जो टीम के लिए बड़ी चिंता है।

लखनऊ की बल्लेबाजी कमजोर कड़ी – आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में एसएलजी केवल 146 रन ही बना सकी थी, जहां मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। पूरे सीजन में टीम अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई है, जो उसकी बल्लेबाजी की कमजोरी को दिखाता है।

पंजाब की बल्लेबाजी शानदार

इसके विपरीत पंजाब किंग्स ने इस सीजन में दो बार 200 से ज्यादा रन बनाए हैं और मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में टीम 16.3 ओवर में 198/3 तक पहुंच गई थी। प्रभसिमरन सिंह (211 रन) और श्रेयस अय्यर (203 रन) शानदार फॉर्म में हैं और दोनों का स्ट्राइक रेट भी काफी प्रभावशाली रहा है। प्रिंस यादव 9 विकेट के साथ टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं, जबकि आवेश खान (5 विकेट) और मोहम्मद शमी (4 विकेट) उनका साथ दे रहे हैं। हालांकि पिछले मैच में शमी विराट कोहली और रजत पाटीदार के सामने संघर्ष करते दिखे, वहीं दिग्वेश राठी भी महंगे साबित हुए।

बल्लेबाजों से उम्मीदें

मुकुल चौधरी, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श और आयुष बदोनी ने अब तक रन बनाए हैं, लेकिन टीम को वापसी के लिए ज्यादा आक्रामक खेल दिखाना होगा। खास तौर पर मार्श, मार्करम और निकोलस पूरन से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

कोहली ने पोस्ट लाइक किया तो चर्चा में आई जर्मन मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर विराट कोहली सिर्फ अपने खेल और उम्दा प्रदर्शन के लिए ही चर्चा में नहीं रहते, बल्कि सोशल मीडिया पर भी उनका तहलका है। वे सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहे हैं और किसकी पोस्ट पर रिएक्शन दे रहे हैं? इस पर खूब चर्चाएं हो जाती हैं। कुछ समय पहले विराट कोहली ने अवनीत कौर की तस्वीर लाइक की थी। इंटरनेट पर जब इसकी चर्चा शुरू हुई तो क्रिकेटर ने इसे एल्गोरिदम की दिक्कत करार दिया। अब उन्होंने जर्मन इन्फ्लुएंसर लिजलैज की तस्वीर लाइक की है, जिस पर खूब चर्चा हो रही है।

वायरल हुआ विराट कोहली का लाइक

विराट कोहली ने लिजलैज की एक पोस्ट पर लाइक किया है। जर्मन इन्फ्लुएंस ने यह पोस्ट 30 जनवरी को साझा की थी। उन्होंने अपनी कई स्टाइलिश फोटोज शेयर की हैं। वे लाइट ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'कुछ गोल्डन शूट्स'। लिजलैज की इन ग्लैमरस फोटोज पर विराट कोहली के लाइक वाला स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर जबर्दस्त तरीके से वायरल हो रहा है।

आरसीबी को सपोर्ट करती हैं लिजलैज

लिजलैज दरअसल, विराट कोहली की फैन हैं। उन्होंने मार्च में फिल्मी मंत्रा मीडिया को दिए इंटरव्यू में विराट को अपना पसंदीदा क्रिकेटर बताया था। दरअसल, उनसे सवाल किया गया था कि उनका फेवरेट इंडियन क्रिकेटर कौन है? इस पर लिजलैज ने विराट कोहली का नाम लिया था। अब उनकी पोस्ट पर विराट कोहली के लाइक ने ध्यान खींचा है।

लोगों की सोच कितनी छोटी है

● युजवेंद्र चहल के साथ डेटिंग पर बोलीं शेफाली बग्गा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन क्रिकेट युजवेंद्र चहल के साथ अफेयर की खबरों पर अब स्पोर्ट्स एंकर शेफाली बग्गा ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल धनश्री वर्मा से अलग होने के बाद चहल का नाम लगातार शेफाली के साथ जोड़ा जा रहा है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में शेफाली ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि लोग बहुत जल्दी किसी भी मुलाकात को गलत नाम दे देते हैं। शेफाली बग्गा ने कहा कि वे डेटिंग की खबरों से अब परेशान हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, मुझे हैरानी होती है कि लोगों की सोच कितनी छोटी है। अगर आप किसी के साथ डिनर पर जाते हैं, तो लोग उसे डेटिंग समझ लेते हैं। यह बहुत अजीब है।बता दें कि कुछ समय पहले चहल और शेफाली एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनके अफेयर की चर्चा शुरू हो गई थी।

पूर्व क्रिकेटर इरफान बोले-

श्रेयस टी20 में वापसी से ज्यादा दूर नहीं

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का कहना है कि जिस तरह का प्रदर्शन श्रेयस कर रहे हैं, उसे देखते हुए वह भारतीय टी20 टीम में मजबूत वापसी से ज्यादा दूर नहीं हैं। पठान ने पंजाब किंग्स के प्रदर्शन पर भी अपनी राय दी।

इरफान पठान ने कहा, 'पंजाब किंग्स शुरू से ही पूरी तरह नियंत्रण में दिखी। उनकी योजना साफ थी। अर्शदीप सिंह ने नई गेंद से शानदार तरीके से लय बनाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए उनके कप्तान ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और पूरे समय नियंत्रण में रहे। एक खिलाड़ी जो मेरे लिए सबसे अलग था, वह प्रभसिमरन सिंह थे। विकेटकीपर और ओपनर के तौर पर दोहरी भूमिका निभाते हुए, उन्होंने बहुत परिपक्वता दिखाई है। पिछले सीजन में, वह इस रोल में नहीं थे, लेकिन इस साल, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने जो संयम दिखाया, उससे पंजाब का प्रदर्शन और शानदार हो गया है।

श्रेयस की वापसी पर इरफान की राय – श्रेयस अय्यर के भारत की टी20 टीम में वापसी की संभावनाओं पर पठान ने कहा, 'बेशक एमआई के खिलाफ वो पारी नहीं आई होती, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि श्रेयस अय्यर दावेदारी में होते। मैंने यह बात बहुत पहले से कही है क्योंकि उनके पास बीच के ओवरों के लिए जरूरी स्किल सेट है। वह स्पिन को बहुत अच्छी तरह खेलते हैं और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की तकनीक भी रखते हैं। उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ काफी सुधार किया है, लेकिन उनकी मुख्य ताकत स्पिन पर हावी होकर डटे रहने और अच्छा प्रदर्शन करने की है। उनमें एक लीडर की सभी खूबियां भी हैं। जिस तरह से वह खेल रहे हैं, उससे लगता है कि वह पूरी तरह से नियंत्रण में हैं और मजबूत वापसी करने से ज्यादा दूर नहीं हैं।'

गिल की फिफ्टी से गुजरात लगातार तीसरा मैच जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 5 विकेट से हराया। अहमदाबाद में 181 रन का टारगेट गुजरात ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही कोलकाता 20 ओवर में 180 रन पर ऑलआउट हो गई। जीटी की टीम तीसरी जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के चौथे स्थान पर आ गई है। जबकि, केकेआर सबसे निचले पायदान पर है। टीम को पहली जीत की तलाश है।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, रोहित शर्मा को पीछे छोड़ बनाया बड़ा रिकॉर्ड

डरबन (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 मैच में बड़ा इतिहास रच दिया। भले ही वह इस मैच में सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया।

रोहित का रिकॉर्ड किया पार – रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद इस फॉर्मेट से संन्यास लिया था और उनके नाम 159 मैचों में 4231 रन थे। उन्होंने 5 शतक और 32 अर्धशतक लगाए थे। अब मंधाना उनसे आगे निकलकर भारत की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं, चाहे पुरुष क्रिकेट हो या महिला।

भारतीय महिला हॉकी टीम की जबरदस्त वापसी, अर्जेंटीना के खिलाफ सीरीज 2-2 पर खत्म

ब्यूनस आयर्स। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों के दौरे को 2-2 की बराबरी पर खत्म किया। सीरीज की मुश्किल शुरुआत के बाद, भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने आखिरी 2 मैच जीतकर दौरे का शानदार अंत किया।

इस दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को एक कड़े मुकाबले वाले मैच से हुई, जिसमें नवनीत कौर (22') और अन्नू (29') ने भारत के लिए गोल किए। हालांकि, अर्जेंटीना ने यह मैच 4-2 से जीता, जिसमें मारिया एमिलिया लार्सन (11'), विक्टोरिया ग्रैनाटो (18'), और जूलिएटा जानकुनास (42', 55') ने गोल किए, लेकिन भारत ने पूरे मैच के दौरान जोरदार आक्रामक खेल दिखाया।14 अप्रैल को खेले गए दूसरे मुकाबले में, इशिका (22') ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मेजबान टीम ने 2-1 से करीबी जीत दर्ज की। अर्जेंटीना की तरफ से दोनों गोल अगस्टिना गोरजेलानी (34', 48') ने दागे।16 अप्रैल को तीसरे मैच में भारत ने अपनी लय हासिल कर ली और 2-1 से जीत दर्ज करके सीरीज में अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। नवनीत कौर (26') और नेहा (37') दोनों ने पेनाल्टी कॉर्नर से गोल करके भारत को 2-0 की आरामदायक बढ़त दिलाई।

मुकाबले को रोमांचक बना

अर्जेंटीना की अगस्टिना गोरजेलानी (52') के आखिरी समय में किए गए गोल के बावजूद, भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल करके आखिरी दिन के मुकाबले को रोमांचक बना दिया। 17 अप्रैल को, सीरीज का आखिरी मुकाबला कड़ा था जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ। दोनों टीमों को गोल करने के मौके मिले, लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने पूरे मैच के दौरान मजबूती से डटे रहकर कोई गोल नहीं होने दिया। शूटआउट में, भारत ने अपना संयम बनाए रखा और 3-2 से जीत दर्ज करके यह सुनिश्चित किया कि सीरीज बराबरी पर खत्म हो।अब टीम अपने घर लौटेगी, जहां वे अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखेंगी और इन सकारात्मक नतीजों को आगे बढ़ाएंगी। यह दौरा उनकी तैयारियों का एक अहम हिस्सा रहा है, जिसने टीम को विरोधी टीम के घर पर एक शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलने का महत्वपूर्ण अनुभव दिया है।

पाकिस्तान टीम का ऐलान

सरफराज अहमद बने नए मुख्य कोच

कराची। सरफराज अहमद को पाकिस्तान टेस्ट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले यह बड़ा फैसला लिया है। सरफराज के साथ असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच बनाया गया है।इन दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया गया है, जिसकी कमान शान मसूद संभालेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान फिलहाल पांचवें स्थान पर है और बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेगा। टीम में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो टीम को मजबूती देंगे।इस बार चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाया है।

संक्षिप्त समाचार

बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता की अलख, लोगों ने लिया संकल्प

हरिहरगंज। जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह पर रोक लगाने के उद्देश्य से सामाजिक संगठन अग्रगति द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर सतर्कता दिवस मनाया गया। इस दौरान पूरे जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया गया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ संकल्प दिलाया गया। अभियान में बाल विवाह निषेध पदाधिकारी (सीएमपीओ), आशा कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न सामाजिक इकाइयों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। गांव-गांव और पंचायत स्तर पर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, यह भी बताया गया कि यह न केवल सामाजिक बुराई है, बल्कि कानूनन दंडनीय अपराध भी है। अग्रगति के निदेशक किरण शंकर दत्त ने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसरों पर अक्सर बाल विवाह की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समाज को इस कुप्रथा के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। प्रशासन और सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयासों से पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों में कमी जरूर आई है, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त करना अभी बाकी है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह कराना, उसमें शामिल होना या किसी भी प्रकार से सहयोग करना अपराध की श्रेणी में आता है। इस कानून के अंतर्गत दोषियों को दो साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इसमें बाराती, लड़की पक्ष, विवाह आयोजक, कैटरर, डेकोरेटर, बैंड-बाजा संचालक, मैरेज हॉल मालिक तथा विवाह संपन्न कराने वाले पंडित या मौलवी भी शामिल होते हैं। अभियान के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। अब लोग जागरूक होकर बाल विवाह की सूचना प्रशासन को देने लगे हैं, जिससे समय रहते कार्रवाई संभव हो पा रही है। इसे सामाजिक बदलाव का संकेत मानते हुए संगठन ने उम्मीद जताई कि वर्ष 2030 से पहले ही जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि अग्रगति, 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' नेटवर्क के साथ मिलकर देश के 450 से अधिक जिलों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रहा है और अब तक लाखों बाल विवाह रुकवाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल कर चुका है।

अधूरी सड़क से बढ़ी परेशानी, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र के कोशडीहरा गांव से पीपरा, विशुनपुर व चरकेडिया तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया है. बताया जाता है कि करीब एक माह पूर्व संवेदक द्वारा जेसीबी से सड़क की खुदाई कर दी गई, लेकिन इसके बाद से निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है. सड़क अधूरी रहने के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खासकर रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है. इसी समस्या को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने सपा प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश कुमार यादव के नेतृत्व में सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की. प्रदर्शन के दौरान कमलेश कुमार यादव ने बताया कि मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी फैजुर रहमान अंसारी तथा पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर संजीव कुमार से बातचीत कर शीघ्र कार्य शुरू कराने की मांग की गयी है. ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे. मौके पर प्रसिद्ध सिंह, अखिलेश सिंह, प्रदीप चौधरी, अरविंद पांडेय, बिंदे पासवान, राघो पांडेय, धनंजय पांडेय, संदीप पासवान, कमलेश पांडेय, मनीष पांडेय समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

नामांकन अभियान को लेकर बरवाडीह में कार्यशाला, 30 अप्रैल तक चलेगा अभियान

बरवाडीह। प्रखंड क्षेत्र में 'स्कूल रूआर 2026' कार्यक्रम के तहत शनिवार को आरके प्लस टू उच्च विद्यालय बरवाडीह में प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज, शिक्षा विभाग के सीआरपी श्याम मनोहर यादव एवं अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रखंड के सभी अनामांकित बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना एवं स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह नामांकन अभियान 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक प्रखंड के सभी सरकारी विद्यालयों में चलाया जाएगा। शिक्षकों एवं शिक्षा कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे घर-घर जाकर सर्वेक्षण करें, स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान करें और अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक बनाएं। विशेष रूप से 'क्षितिज' श्रेणी के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर जोर दिया गया। बीडीओ रेशमा रेखा मिंज ने अपने संबोधन में कहा कि सभी शिक्षक अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान के सफल क्रियान्वयन से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर निश्चित रूप से बेहतर होगा। कार्यशाला में शिक्षा विभाग के सीआरपी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। इस दौरान सुनीता खलखो, उमेश उजाला, अजय कुमार दास, अरविंद कुमार, चौठ सिंह, अनिल कुमार, मनोज कुमार, पारसनाथ सिंह, ललन किशोर सिंह, प्रमोद यादव एवं प्रकाश कुजुर सहित कई शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

माओवादी कमांडर मनोहर गंझू पर शिकंजा, कॉरिडोर में सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

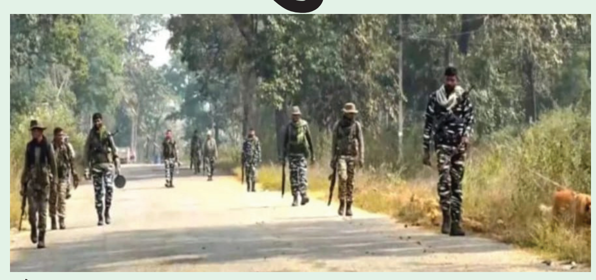

रांची :झारखंड-बिहार-छत्तीसगढ़ कॉरिडोर में सक्रिय माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस अभियान के केंद्र में माओवादी संगठन का जोनल कमांडर मनोहर गंझू उर्फ सोहन गंझू है, जिस पर सरकार ने 10 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। झारखंड पुलिस ने उसे अपने प्रमुख टारगेट पर रखते हुए लातेहार, चतरा और पलामू के सीमावर्ती इलाकों में घेराबंदी बढ़ा दी है। मनोहर गंझू लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के नगरटोला गांव का निवासी बताया जाता है और लंबे समय से इस कॉरिडोर में माओवादी गतिविधियों का संचालन करता रहा है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, वह अत्याधुनिक हथियारों से लैस रहता है और विभिन्न नक्सली नेटवर्क को समन्वित करने में अहम भूमिका निभाता है। बताया जा रहा है कि हाल ही में हजारीबाग क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में चार माओवादी कमांडरों के मारे जाने के बाद संगठन की संरचना प्रभावित हुई है। इसके बाद मनोहर गंझू अपनी टीम के साथ अलग हो गया और सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय हो गया। सुरक्षा बलों का मानना है कि इस समय वह छोटे-छोटे समूहों में गतिविधियां संचालित कर रहा है, जिससे उसकी पकड़ मुश्किल हो रही है। पलामू रेंज के डीआईजी ने बताया कि क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और माओवादियों से आत्मसमर्पण की अपील की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरेंडर नहीं करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि मनोहर गंझू की गिरफ्तारी या मारे जाने के बाद इस पूरे कॉरिडोर में माओवादियों की कमान कमजोर पड़ जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, मनोहर गंझू का संपर्क प्रतिबंधित नक्सली संगठन टीएसपीसी से भी रहा है और वह दोनों संगठनों के बीच समन्वय स्थापित करने की कोशिशों में जुटा था। पलामू-चतरा सीमावर्ती इलाका लंबे समय से अवैध गतिविधियों जैसे अफीम की खेती, कोयला और केन पत्ता तस्करी के कारण नक्सलियों के प्रभाव में रहा है। मनोहर गंझू पर झारखंड और बिहार में 70 से अधिक नक्सली हमलों में शामिल होने का आरोप है। वह आईईडी विस्फोटों का विशेषज्ञ माना जाता है और वर्ष 2004 से अब तक कई बड़े हमलों में उसकी संलिप्तता सामने आई है। वर्ष 2016-17 में बिहार के गया और औरंगाबाद में हुए हमलों तथा 2011 में पलामू में हुए लैंडमाइन विस्फोट में भी उसकी भूमिका बताई जाती है, जिसमें सुरक्षाबलों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। गौरतलब है कि 3 अप्रैल 2023 को चतरा के जंगलों में सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में पांच माओवादी मारे गए थे, लेकिन मनोहर गंझू वहां से बच निकलने में सफल रहा था। इसके बाद से वह इस कॉरिडोर का सबसे बड़ा सक्रिय माओवादी कमांडर माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है और अभियान को और तेज करने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन का दावा है कि जल्द ही इस नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाएगा।

बिजली संकट पर फूटा गुस्सा, हरिहरगंज सब स्टेशन पर ताला जड़कर किया प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हरिहरगंज में लगातार बनी बिजली समस्या को लेकर शनिवार को लोगों का आक्रोश फूट पड़ा. सांसद प्रतिनिधि राजीव रंजन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हरिहरगंज विद्युत सब स्टेशन पर जोरदार प्रदर्शन किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सब स्टेशन के मुख्य गेट में ताला जड़ दिया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गयी. सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता राजेश कुमार, सहायक विद्युत अभियंता गुणवंत कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की. अधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ. प्रदर्शनकारियों ने पांच सूत्री मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि ढकचा, सलैया व सरसोत पंचायत की दूरी अधिक होने के कारण इन क्षेत्रों को नौडीहा के मायापुर ग्रिड से जोड़ा जाए. साथ ही 5 एमवीए के स्थान पर 10 एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर लगाने, एडिशनल ट्रांसफार्मर को जल्द चालू करने और बंजारी व टंडवा रोड क्षेत्र में बाधित बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई. बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 20 अप्रैल के बाद नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी. वहीं 22 अप्रैल से बंजारी सतगावां मोहल्ला में मेंटेनेंस कार्य शुरू होगा. शौंडिक मोहल्ला, पुरानी बस स्टैंड व दुर्गा मंदिर के पास जले ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने तथा दो दिनों के भीतर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर चालू करने का भरोसा दिया गया. प्रदर्शन में संजय जायसवाल, जानू चौधरी, राजू शर्मा, शंभू यादव, मृत्युंजय सिंह, अखिलेश मेहता, वार्ड पार्षद अवधेश मेहता, कृष्ण कुमार क्रांतिकारी, पवन कुमार, विनोद पासवान, विजयेंद्र प्रसाद, संजय मेहता, डॉ. प्रमोद कुमार, शंभू सिंह, सुनील जायसवाल, चंदन कुमार, रामजी कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे.

पलामू को विकास की नई दिशा देने पहुंचे दिलीप प्रताप सिंह शेखावत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू: पलामू जिले के प्रशासनिक नेतृत्व में बदलाव के साथ एक नई शुरुआत हुई है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2019 बैच के अधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को पलामू के 106वें जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान उपायुक्त समीरा एस ने उन्हें प्रभार सौंपते हुए गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण करने के बाद नवपदस्थापित उपायुक्त शेखावत ने जिले के पदाधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पलामू के सर्वांगीण विकास के लिए सभी का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उनका मुख्य लक्ष्य सरकार की योजनाओं को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना होगा, ताकि हर जरूरतमंद को उसका लाभ मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि वे लगातार क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और आमजनों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। लोगों की समस्याओं को समझकर उनका त्वरित समाधान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने प्रशासनिक टीम को भी सक्रिय और संवेदनशील तरीके से काम करने का संदेश दिया। वहीं, निवर्तमान उपायुक्त समीरा एस ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने टीम भावना के साथ जिले में कार्य करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि योजनाओं का लाभ आम लोगों तक सुलभता से पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए गए। अब यह जिम्मेदारी नए उपायुक्त के कंधों पर है, जो इन कार्यों को और गति देंगे। समीरा एस ने जिले के पदाधिकारियों, मीडिया और आमजनों से अपील की कि वे नए उपायुक्त को भी पूर्ण सहयोग दें, ताकि पलामू के चहुंमुखी विकास को नई रफ्तार मिल सके। पदभार ग्रहण के अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित कई कर्मी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नए उपायुक्त का स्वागत करते हुए जिले के विकास को लेकर सकारात्मक उम्मीद जताई।

ओबीसी महिला आरक्षण पर बीजेपी की चुप्पी पर सवाल, मोर्चा ने उठाई उप-कोटा की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पलामू: राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक दलों की भूमिका को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मोर्चा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में ओबीसी महिलाओं के लिए उप-आरक्षण की मांग का समर्थन करने वाले दलों का आभार जताते हुए भारतीय जनता पार्टी सहित अन्य दलों की चुप्पी पर सवाल उठाया है। प्रदेश कार्यालय आशीर्वाद भवन, हरमू में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मोर्चा के अध्यक्ष कुमार गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम निश्चित रूप से ऐतिहासिक पहल है, लेकिन इसमें ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नहीं होने से सामाजिक न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, बहुजन समाज पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, भारत राष्ट्र समिति, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रीय लोक दल और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे दलों ने उनकी मांग का समर्थन कर सकारात्मक पहल की है। महिला मोर्चा की अध्यक्ष उर्मिला यादव ने कहा कि संसद में ओबीसी महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम, लगभग 3 प्रतिशत है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी समेत अन्य दलों से अपील करते हुए कहा कि वे भी ओबीसी महिलाओं के अधिकारों के समर्थन में आगे आएं और महिला आरक्षण के भीतर उप-कोटा सुनिश्चित करें। मोर्चा ने अपनी प्रमुख मांगों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के भीतर ओबीसी महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत उप-कोटा निर्धारित करने, देशव्यापी जातिगत जनगणना कराने, तथा केंद्र के साथ-साथ राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में भी ओबीसी महिला आरक्षण लागू करने की मांग रखी। साथ ही, ओबीसी की वास्तविक जनसंख्या के आधार पर नीतियां बनाने पर जोर दिया गया। कुमार गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि महिला आरक्षण विधेयक ओबीसी कोटा के बिना पारित किया जाता है, तो राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन करेगा। प्रेस वार्ता में उर्मिला देवी, राम अवतार कश्यप, इंजीनियर प्रदीप कुमार, बीवी दयाल, संतोष शर्मा, धर्मदयाल साहू और मीडिया प्रभारी अशोक कुमार कुशवाहा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शादी समारोह से लौट रही युवती से दुष्कर्म, इलाके में आक्रोश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

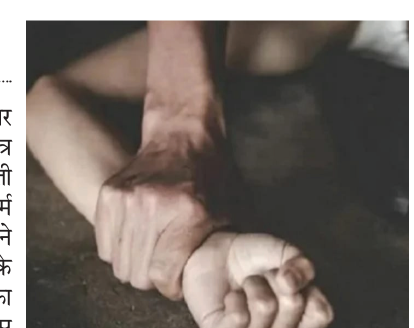

लातेहार : लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र से एक आदिवासी युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की गंभीर घटना सामने आई है, जिससे इलाके में आक्रोश और भय का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र के हरतुआ गांव में शुक्रवार की रात एक शादी समारोह का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान कुछ युवक युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। आरोप है कि युवकों ने उसे जबरन गांव से बाहर जंगल की ओर ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी युवती को गंभीर अवस्था में जंगल में छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह युवती देर रात अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद शनिवार को परिजनों ने सदर थाना पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई है। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर, पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गरीबों के सपनों पर भ्रष्टाचार का साया, योजनाओं के लिए कर्ज लेकर दे रहे घूस

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर प्रखंड अंतर्गत सिल्दाग पंचायत में सरकारी योजनाओं में कथित भ्रष्टाचार का मामला लगातार गहराता जा रहा है। पंचायत के मुखिया उमेश यादव, उनकी पत्नी कुसुम देवी एवं पंचायत सचिव पर योजनाओं में धांधली, घूसखोरी और लाभुकों के शोषण के गंभीर आरोप लगे हैं। हालांकि, इन आरोपों के बावजूद अब तक न तो निष्पक्ष जांच शुरू हो सकी है और न ही किसी प्रकार की ठोस प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है। ताजा घटनाक्रम में पंचायत के वार्ड सदस्यों एवं ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने पंचायती राज विभाग एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को लिखित आवेदन सौंपते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत में विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जरूरतमंद लाभुकों से 10 से 20 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की गई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें योजना का लाभ नहीं दिया गया। वहीं दूसरी ओर, कुछ चुनिंदा परिवारों को तीन-तीन योजनाओं के तहत आवास उपलब्ध करा दिए गए। इससे पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने यह भी सवाल उठाया है कि यदि किसी एक परिवार को बार-बार योजना का लाभ मिल रहा है, तो इसके लिए केवल लाभुक ही जिम्मेदार कैसे हो सकता है? सत्यापन, जियो टैगिंग और भुगतान प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों एवं कर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना प्रशासनिक मिलीभगत के इस तरह की गड़बड़ी संभव नहीं है, फिर भी कार्रवाई केवल गरीब लाभुकों पर "रिकवरी" के नाम पर की जाती है। मामले में यह भी आरोप सामने आया है कि कई लाभुकों के खातों में आई सरकारी राशि को दबाव बनाकर यूपीआई के माध्यम से वापस संबंधित लोगों के खातों में ट्रांसफर कराया गया। विरोध करने पर लाभुकों को डराने-धमकाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी देने की बात भी कही गई है। इस कथित भ्रष्टाचार का सबसे ज्यादा असर गरीब परिवारों पर पड़ा है। कई लाभुकों ने कर्ज लेकर घूस दी, लेकिन योजना का लाभ नहीं मिलने के कारण वे अब आर्थिक संकट में फंस गए हैं। वार्ड संख्या 03 (अंधारीबाग) की कौशल्या देवी ने बताया कि उन्होंने 10 प्रतिशत ब्याज पर 10,000 रुपये कर्ज लेकर भुगतान किया, लेकिन आज तक आवास नहीं मिला। अब कर्जदाता द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है, जबकि उनके पति मजदूरी कर परिवार चला रहे हैं। इसी तरह वार्ड संख्या 07 (चौखड़ा) की प्रतिमा देवी एवं वार्ड संख्या 03 की लीलावती देवी ने भी समान आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि दो वर्ष बीत जाने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है, जबकि वे कर्ज के बोझ तले दबकर मजदूरी करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का दावा है कि यह कोई एक-दो मामला नहीं, बल्कि दर्जनों परिवार इस तरह की अनियमितताओं के शिकार हुए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और सभी साक्ष्य सार्वजनिक करेंगे। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि पूरे मामले की जमीनी स्तर पर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा योजना प्रक्रिया से जुड़े सभी जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मियों एवं संबंधित पक्षों की भूमिका की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। फिलहाल, प्रशासन की ओर से किसी ठोस कदम का इंतजार किया जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या गरीबों के सपनों का आशियाना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता रहेगा या फिर इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई कर न्याय दिलाया जाएगा।